शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैंने दिसंबर में सीएम-डीसीएम से हासन जिले का प्रभार न संभालने का अनुरोध... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 07 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-186

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म को प्रदूषित करने की चल रही कोशिशें

यूपी में पकड़ा गया विदेशी फंडिंग से चल रहा खतरनाक गिरोह

ब्राह्मण क्षत्रिय लड़कियों को मुसलमान बनाओ, 16 लाख पाओ

दलित लड़कियों को मुस्लिम बनाने पर मिलते हैं 12 लाख

इस्लामिक देशों की अनगिनत यात्राएं कर चुका हैं सरगना

फौरी जांच में ही सौ करोड़ की विदेशी फंडिंग का खुलासा

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। भारत को संस्कृति और धार्मिक रूप से प्रदूषित करने की साजिशें काफी गहराई से काम कर रही हैं। इसमें भारत के नस्लदूषित तत्व सक्रिय हैं और उन्हें विदेशी षडयंत्रकारियों से अंधाधुंध पैसा मिल रहा है। इसके लिए बाकायदा गिरोह बना कर पूरे देशभर में काम हो रहा है। निहायत ही निकृष्ट स्तर पर उतर कर यह गिरोह हिंदू लड़कियों को मुसलमान बनाने का काम कर रहा है। ताकि हिंदू धर्म को पूरी तरह से संक्रमित किया जा सके। भारत में रह रही लेकिन विदेशी फंडिंग पर फल रही दोगली जमात ने हिंदू या अन्य गैर मुस्लिम धर्म की लड़कियों को मुसलमान बनाने के लिए बाकायदा रेट फिक्स कर रखी है। ब्राह्मण या क्षत्रिय समाज की लड़कियों को फंसाने और उनका धर्म बदलवाने पर 15 से 16 लाख रुपए दिए जाते हैं। हिंदू दलित लड़कियों को फंसाने और उनका धर्म बदलवाने पर 10 से 12 रुपए दिए जाते हैं। गिरोह के पास इतने पैसे कहां से आते हैं? उत्तर प्रदेश पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्कावड ने धर्मांतरण गिरोह के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार कर विदेशों से मिली 100 करोड़ रुपए की फंडिग का खुलासा किया है। सौ करोड़ रुपए की इस फंडिंग का खुलासा तो अभी शुरुआती है। जैसे जैसे इसकी पर्तें खुल रही हैं, भयंकर बाते सामने आती जा रही हैं। छांगुर बाबा की सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरोह सरगना समेत इसके सदस्य सैकड़ों बार विभिन्न इस्लामिक देशों की यात्रा कर चुके हैं। गैंग के सदस्यों ने 40 से भी ज्यादा बैंक खाते खुलवा रखे थे, जिनमें 100 करोड़ से अधिक राशि का लेन देन हुआ। इस गिरोह को विदेश से इतनी अकूत फंडिंग हुई कि उससे करोड़ों रुपए की सम्पत्ति, शोरूम, बंगला, लग्जरी गाड़ियां, जेवरात और जमीनें खरीदी जा रही थीं।

शुभ-लाभ सरोकार

ऐसे खतरनाक षडयंत्र पर काम करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने में योगी सरकार को बड़ी सफलता मिली है। यूपी एटीएस ने अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड और 50,000 रुपए के इनामी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार कर लिया है। एटीएस ने मास्टरमाइंड के साथ उसके साथी नीतू उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार किया है। वहीं एटीएस द्वारा गिरोह के दो सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

यूपी के एडीजी (लॉ एंड आर्डर) अमिताभ यश ने बताया कि बलरामपुर के ग्राम मधपुर में पीर साहब, नसरीन, जमालुददीन, महबूब आदि के नाम से ▶10 पर

ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

नरेंद्र मोदी के लिए ब्राजील की गर्मजोशी दुनिया ने देखी

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील), 06 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ब्राजील पहुंचे। ब्राजील में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से मुलाकात की। दोनों बड़ी ही गर्मजोशी से मिले और गले मिल कर पूरी दुनिया को बड़ा संदेश दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, रियो डी जेनेरियो में इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए मैं राष्ट्रपति लूला का आभारी हूं। ब्रिक्स आर्थिक सहयोग और वैश्विक भलाई के लिए एक शक्तिशाली ताकत बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि कुछ अनजान वजहों से ब्रिक्स सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नहीं पहुंच रहे हैं। ब्राजील पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनोखे अंदाज में गणेश वंदना ओम गं गणपतये नमः के मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। ब्राजील के स्थानीय म्यूजिकल ग्रुप की इस प्रस्तुति में पारंपरिक भारतीय लय को ब्राजील के संगीत के साथ मिलाया गया, जिसमें महिला और पुरुष कलाकार शामिल थे। इससे पूरी तरह भक्ति और सम्मान का माहौल बन गया। हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए प्रधानमंत्री मोदी भावविभोर नजर आए।औपचारिक स्वागत के बाद पीएम मोदी ने व्यक्तिगत रूप से कलाकारों से मुलाकात की। ▶10 पर

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी को गले लगाया

लूला ने मोदी को गले लगा कर चीन को भी दिया संदेश

स्थानीय निकाय चुनाव के पहले ओबीसी आरक्षण का मामला गरम

राजनीतिक दलों में ओबीसी से श्रेय लेने की होड़

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सभी राजनीतिक पार्टियां स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर लाभ लेने के लिए एक दूसरे से होड़ मचाए हुई हैं। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को तीन महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। ऐसे में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भाजपा तीनों ही पार्टियां आरक्षण के मुद्दे का फायदा उठाना चाहती हैं। कांग्रेस और बीआरएस, भाजपा पर दबाव बना रही है कि वह केंद्र सरकार से आरक्षण विधेयक को मंजूर कराए। राज्य विधानसभा से तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का विधेयक पारित हो गया है। भाजपा का कहना है कि ओबीसी आरक्षण लागू करना राज्य सरकार के हाथ में है।

बीआरएस एमएलसी के कविता ने तो इस मुद्दे पर 17 जुलाई को रेल रोको अभियान का आह्वान किया है ताकि केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सके। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी पत्र लिखा है, जिसमें राज्य सरकार को निर्देश देने की मांग है कि 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने के बाद ही राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव होने चाहिए। के कविता ने ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने के कविता की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि जब राज्य में 10 साल उनके पिता यानि ▶10 पर

एक दूसरे के सिर पर उछाल रहे हैं टोपियां

संदेशखाली हिंसा की जांच सीबीआई के हवाले

टीएमसी नेता शाहजहां शेख है मुख्य आरोपी

कोलकाता, 06 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में चुनाव बाद हुई हिंसा के दौरान वर्ष 2019 में भाजपा के तीन कार्यकर्ताओं प्रदीप मंडल, देवदास मंडल और सुकांत मंडल की बेरहमी से हत्या की जांच अब सीबीआई करेगी। सीबीआई ने आधिकारिक तौर पर इस मामले की जांच अपने हाथ में लेते हुए एक एफआईआर दर्ज की है। तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की जांच के लिए 30 जून को कोलकाता हाई कोर्ट के जस्टिस जॉय सेनगुप्ता सीबीआई को निर्देश दिया था। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने सीबीआई के अंदर भी एक स्पेशल टीम बनाने को कहा था। कोर्ट ने इसे अत्यंत वीभत्स करार दिया था। हाई कोर्ट ने इस मामले को कितनी गंभीरता से लिया है, इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस मामले की जांच की निगरानी का जिम्मा सीबीआई की ज्वाइंट डायरेक्टर को करने को कहा है। ▶10 पर

बांग्लादेश महिला परिषद ने पेश किए सनसनीखेज आंकड़े

छह महीने में 1555 महिलाएं हिंसा का शिकार

ढाका, 06 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना के जाने के बाद जो अराजकता फैली, उसके शिकार हिंदू हुए। हिंदू महिलाओं पर जुल्म ढाए गए। महिलाओं के साथ बलात्कार से लेकर भीड़ में भी पीटे जाने की घटनाएं हुईं। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हिंदू विरोधी हिंसा को रोकने के बजाय उसे और भड़काने में लगी रही। बांग्लादेश में महिलाओं की क्या स्थिति है, इस बारे में बांग्लादेश महिला परिषण की ताजा रिपोर्ट ने सनसनीखेज खुलासा किया है। बांग्लादेश के चप्पे-चप्पे से वहां हुई घटनाओं का शोध करने के बाद जुटाए गए तथ्यों को आधार पर बांग्लादेश महिला परिषद ने रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में लिखा है कि कैसे जून के ही महीने में अकेले 203 महिलाएं हिंसा का शिकार हुई हैं। इनमें 87 बच्चियां शामिल हैं। इनमें से 43 बच्चियों सहित 65 महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था। 5 बच्चियों सहित 8 महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ और 3 महिलाओं की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। 7 बच्चियों के साथ बलात्कार का प्रयास हुआ।

जून में ही दो महिलाओं ने बलात्कारियों की छेड़खानी और लगातार पीछा किए जाने की वजह से आत्महत्या कर ली। इसके अलावा 13 बच्चियों समेत 68 महिलाओं की अलग-अलग वजहों से हत्या कर दी गई। दो बच्चियों समेत 11 महिलाओं की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। एक महिला पर तेजाब से हमला किया गया, जबकि तीन महिलाएं झुलस गईं, जिनमें से दो की मौत हो गई। जो पीड़ित महिलाएं हैं, उनमें दिव्यांग महिलाएं भी हैं। मई में बलात्कार के 59 मामले सामने आए थे। मई महीने से अज्ञात शव मिलने की संख्या में भी वृद्धि हुई है और साथ ही राजनीतिक हिंसा में भी कमी नहीं आई है। ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बयान ने सबको चौंकाया

कभी भी हो सकता है विश्व युद्ध

सुपर पावर देशों की तानाशाही से टकराव का माहौल

नागपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बयान ने सबको चौंका दिया है। गडकरी ने कहा कि विश्व युद्ध कभी भी शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि सुपर पावर देशों की तानाशाही के रवैये से टकराव का माहौल बन गया है और टकराव कभी भी किसी भी समय भीषण युद्ध के रूप में तब्दील हो सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दुनिया में संघर्ष की स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि यह स्थिति सुपर पावर देशों की तानाशाही की वजह से उत्पन्न हुई है। यह कभी भी विश्व युद्ध में बदल सकता है। गडकरी ने कहा, दुनिया में रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। ऐसी स्थिति बन रही है कि कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में बीयॉन्ड बॉर्डर्स नाम के पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,050/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,10,940/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 22^0

वैश्विक शक्ति बनने की तैयारी में हैं भारत की तीनों सेनाएं

आ रहे हैं 10 खरब, 26 अरब, 01 करोड़, 86 लाख के हथियार

रक्षा क्षमता बढ़ाने और घरेलू उद्योग मजबूत करने की कवायद

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने 10 खरब, 26 अरब, 01 करोड़, 86 लाख के हथियार यानि 12 बिलियन डॉलर के हथियार और गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी देने के ऐतिहासिक फैसले के साथ अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा दिया है। 3 जुलाई को भारतीय रक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित व्यापक खरीद पैकेज का उद्देश्य भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में परिचालन तत्-परता को बढ़ाना है, साथ ही अपने घरेलू रक्षा विनिर्माण आधार को मजबूत करने के प्रयासों को मजबूत करना है।

भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा अनुमोदित इन स्वीकृतियों में उन्नत सैन्य उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इनमें बख्तरबंद रिकवरी वाहन, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, एकीकृत सामान्य इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली और सेना के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं। भारतीय नौसेना को समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण शिपिंग लेन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मूर्ड माइंस, माइन काउंटर मेजर वेसल, सुपर रैपिड गन माउंट और सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल खरीदने की भी हरी झंडी मिल गई है। रक्षा मंत्रालय ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि यह खरीद नौसेना और व्यापारिक जहाजों दोनों के लिए उत्पन्न जोखिमों को काफी हद तक कम कर देगी। जैसे-जैसे भारत के रणनीतिक हित हिंद महासागर और उससे आगे तक फैलते जा रहे हैं, समुद्री व्यापार मार्गों और प्रादेशिक जल की सुरक्षा सुनिश्चित करना एक सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है। उन्नत माइन युद्ध और जवाबी उपायों को शामिल करना उभरते नौसैनिक खतरों की पहचान को दर्शाता है, जिसमें वाणिज्यिक और सैन्य नौवहन को बाधित करने वाली नौसैनिक माइनों का जोखिम भी शामिल है।

भारत रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े वैश्विक आयातकों में से एक बना हुआ है, यह 12 बिलियन डॉलर का पैकेज आत्मनिर्भरता और घरेलू विनिर्माण ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

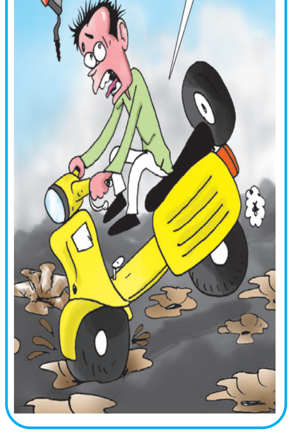

एक दिवसीय रिसॉर्ट भ्रमण एवं एडवेंचर कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में महिलाओं की आंतरिक शक्ति को जागृत करने तथा आपसी एकता, स्नेह और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय रिसॉर्ट भ्रमण स्वेट स्माइल सक्सीड का आयोजन किया गया। यह आयोजन रामनगर स्थित क्यू मैंगो रिसॉर्ट में किया गया। सुबह 9 बजे सभी महिला सदस्य वातानुकूलित बसों के माध्यम से बेंगलूरु शहर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित रिसॉर्ट पहुँचीं, जहाँ उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। दिन भर चली इस यात्रा में सदस्यों ने टीम बिल्डिंग गेम्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स जैसे जिपलाइन, ट्रैकिंग, 360 साइक्लिंग, कयाकिंग, ह्यूमन फूसबॉल, रैपलिंग, आर्चरी, हाउजी सहित अनेक इनडोर एवं आउटडोर गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसके पश्चात एक प्रेरणादायक चर्चा सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें नारी सशक्तिकरण, स्वस्थ जीवन शैली और समाज में महिलाओं की भूमिका जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस सत्र की शुरुआत नवकार महामंत्र से की गई। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डाला। फाउंडर चेयरपर्सन एवं मेंटर निशा सामर ने अपने प्रेरणास्पद वक्तव्य में कहा कि, इस प्रकार के आयोजन न केवल मनोरंजन प्रदान करते हैं, बल्कि संवाद, आत्मविश्वास और संगठनात्मक एकता को भी सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम की संयोजिका अल्का लोढ़ा और सह संयोजिका विमला मुणोत ने संपूर्ण आयोजन की व्यवस्थाओं को कुशलतापूर्वक संभाला। कार्यसमिति सदस्य नेहा भंडारी, स्वीटी नाहर, पुष्पा जैन, नीता गादिया, संगीता मुथा सहित कुल 100 महिला सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सहमंत्री सुमन रांका द्वारा किया गया।

तेयुप विजयनगर की नवमनोनित टीम का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हम्पी नगर स्थित महावीर, गौतम टेबा के निवास स्थान पर साध्वी श्री संयमलता जी के सान्निध्य में तेयुप विजयनगर की सत्र 2025-26 की टीम का शपथ ग्रहण समारोह जैन संस्कार विधि से संस्कारक राकेश दूधोड़िया, अभिषेक कावड़िया, भंवरलाल मांडोत, श्रेयांस गोलछा, धीरज भादानी, आशीष सिंघी, बसंत डागा द्वारा विधिवत संपन्न करवाया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत ने किया। विजय गीत का संगान विजय स्वर संगम टीम ने किया। निवर्तमान कमलेश चोपडा ने नवनियुक्त अध्यक्ष विकास बाँठिया को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। तत्पश्चात अध्यक्ष विकास ने अपने प्रबंध मंडल, कार्यसमिति की घोषणा करते हुए उन्हें पद की शपथ दिलाई, जिसमे उपाध्यक्ष प्रथम प्रदीप बाबेल, उपाध्यक्ष द्वितीय पवन बैद, मंत्री योगेश पोरवाड़, सहमंत्री प्रथम अमित नाहटा, सहमंत्री द्वितीय मनीष चावत, कोषाध्यक्ष करण मांडोत, संगठनमंत्री पीयूष ललवानी ने पद की शपथ ली। विकास बाँठिया ने गुरु इंगित की आराधना करते हुए अभातेयुप निर्देशित हर आयाम को सम्पादित करने की बात कही। इस अवसर पर अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, युवा गौरव विमल कटारिया, प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, अणु विभा संगठन मंत्री राजेश चावत, सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल कार्यकारी अध्यक्षा मंजू गादिया, नवनिर्वाचित अध्यक्षा महिमा पटावरी, टीपीएफ से विक्रम कोठारी, तेयुप विजयनगर प्रभारी रोहित कोठारी, महेंद्र टेबा ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। साध्वी संयमलता जी ने प्रेरणा देते हुए युवकों को साथ लेकर, हर छोटे कार्य की सराहना करते हुए आगे बढ़ने की बात कही। इस अवसर पर टीपीएफ वेस्ट अध्यक्ष ललित बैगानी एवं स्थानीय संस्थाओं के सभा, युवक परिषद् महिलामंडल पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन संजय भटेवरा ने किया।

साध्वीश्री पुण्ययशा जी का चातुर्मास हेतु राजराजेश्वरी नगर में मंगल प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदूषी शिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने शनिवार को राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश किया। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर से विहार कर 'मर्यादा रैली' के साथ मधुर संगान एवं जयकारों की दिव्य ध्वनि के साथ साध्वी जी का आध्यात्मिक मंगल प्रवेश हुआ। जुलूस में श्रावक समाज के साथ-साथ ज्ञानशाला के बच्चों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। साध्वी ने कहा मुझे विशेष प्रसन्नता है कि गुरुदेव के निर्देशानुसार आज हमने राजराजेश्वरी नगर के भवन में चातुर्मास के लिए प्रवेश किया है। हमारे जीवन की सफलता का रहस्य है गुरुकृपा। गुरु का नाम स्मरण कर जो कार्य किया जाता है उस कार्य में गुरु की शक्ति का नियोजन हो जाता है और यह कार्य शीघ्रातिशीघ्र संपन्न और सफलता देने वाला होता है। गुरु अयोग्य को योग्य, कोड़ी को हीरा, पापी को पुनीत बनाते है। गुरु कुमति दूर कर सुमति प्रदान करते हैं। गुरु की महिमा को बताते हुए साध्वीजी ने कहा चातुर्मास में तप जप-स्वाध्याय की श्री वृद्धि हो, खूब धर्माराधना हो। यह चातुर्मास ऐतिहासिक और उपलब्धि भरा हो। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने संपूर्ण समाज की ओर से साध्वीवृन्द का श्रद्धासिक्त स्वागत किया। ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल अध्यक्ष मंजु बोथरा एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी गण ने साध्वी का स्वागत किया। अध्यक्ष राकेश ने साध्वियों के चातुर्मास हेतु गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आज के दिन को सौभाग्यशाली बताया तथा समग्र श्रावक समाज से अधिक से अधिक आध्यात्मिक लाभ उठाने का आह्वान किया। सभा, तेयुप, तेममं ने आध्यात्मिक भेंट से सजे हुए स्वागत गीत द्वारा साध्वीवृन्द का भावभीना स्वागत किया। ज्ञानशाला के बच्चों ने मनभावन प्रस्तुति दी। महासभा से प्रकाश लोढ़ा, हीरालाल मालू, बहादुर सेठिया, कंचन छाजेड़, लता बाफना, कमल दूगड़, मधु कटारिया, सभा गांधीनगर से पारसमल भंसाली, हनुमन्तनगर से मंजू दक, यशवंतपुर से सुरेश बरड़िया, राजाजीनगर से अशोक चौधरी, अनिल दक, टी दासरहली से भगवती लाल मांडोत ने चातुर्मासिक प्रवेश की शुभकामना प्रेषित की। कुशल संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

माँ के दूसरे वार्षिकोत्सव के लिए तैयारियां जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री माँ जीण के दीवाने के तत्वावधान में आगामी 24 अगस्त को विजयनगर स्थित होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बशेश्वर सुगनाना कल्याण मंडप में आयोजित होने वाले दूसरे वार्षिकोत्सव की तैयारी के लिए रविवार को आरआर नगर स्थित श्री राजकुमार अग्रवाल के निवास स्थान पर जीण माँ के दीवाने बेंगलूरु भक्तों की एक सभा हुई। जिसमें आयोजन को लेकर सारी रूपरेखा की जानकारी के साथ श्री नवरंग लाल सुल्तानिया ने बताया कि कोलकाता के कलाकारों द्वारा माँ जीण के जीवन चरित्र पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर जयपुर के गायक रवीश सोनी, सोनम सोनी संगीतमय मंगलपाठ का गुणगान करेंगे। सभी सदस्यों ने तनमन धन से सहयोग प्रदान कर आयोजन को सुव्यवस्थित सफल बनाने का आह्वान किया। हैदराबाद के कलाकारों द्वारा माँ जीण का भव्य दरबार सजाया जाएगा। कार्यक्रम में व्यवस्था हेतु सभी को अपनी जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य नवरंग लाल सुल्तानिया, राजकुमार अग्रवाल, बिपिन अग्रवाल, राजेन्द्र नथानी, मन्ना लाल भामा सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे। बैठक में महिला समिति ने भी पूरा सहयोग किया। इस मौके पर पोस्टर का विमोचन किया गया।

मेगा ब्लड डोनेट ड्राइव संग मंत्र दीक्षा कार्यशाला के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यशाला संग मेगा ब्लड डोनेट ड्राइव के बैनर का अनावरण कार्यक्रम साध्वी पुण्ययशाजी के सानिध्य में तेरापंथ सभा भवन राजराजेश्वरी में रखा गया। बैनर अनावरण कार्यक्रम में सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू बोथरा, तेयुप परामर्शक कमल सिंह दूगड़, हीरालाल मालू, तेयुप अध्यक्ष विक्रम मेहर, मंत्री संदीप बैद, कैबिनेट टीम एवं तेयुप सदस्यगणों की विशेष उपस्थिति रही। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विपुल जैन ने दी।

मौन रहने पर मूर्ख भी विद्वानों की श्रेणी में आ जाता है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि बोलना चाँदी है, किन्तु मौन बहुमूल्य आभूषण है। मौन आनन्द का अक्षय कोष है। मौन मुक्तिनगर पहुँचाने का माध्यम है। मौन पर सदैव शान्ति व समाधि के फल लगते हैं। मौन आत्म-शुद्धि का उपाय है। मौन से दिमाग की शक्ति बढती है। मौन से शोक, सन्ताप घटते हैं। मौन बुद्धिमानी का लक्षण है, जब कि बडबड करना, अधिक बोलना दूषण है। जैसे बाण से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता वैसे ही मुँह से निकला हुआ वचन वापस नहीं आता। इसलिए बोलने में सावधानी न रहे तो मौन रहना श्रेष्ठ है। साध्वी शीतल गुणा जी ने कहा कि बहुत बोलने वाली जिह्वा हमें समझ देते हुए कहती है मैं तो वीरा एकली, नारी नाम धराय, थोडी सी आकरी बोलूँ, तो बत्तीसी झड जाय। मौन की आवाज कभी निष्फल नहीं जाती। मौन रहने पर मूर्ख भी विद्वानों की श्रेणी में आ जाता है। मौन का मूक उपदेश कई बार भाषणों से भी विशेष प्रभावशाली होता है। मौन मानव का सच्चा भूषण है। महापुरुषों का कथन है कि शब्द मोती से भी मूल्यवान है। क्योंकि जेब से गया मोती भाग्योदय से वापिस मिल सकता है, परन्तु मुँह से निकला हुआ वचन वापिस लेना असम्भव है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पुनमचंद जैन ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में श्री गौतम कमल लब्धीतप 11 जुलाई को प्रारंभ होगा। साध्वीवृंद के दर्शनार्थ अनेक गांव नगर से श्रद्धालु पधारकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे है। इस अवसर पर रतन दांतेवाडिया, किरण संघवी, विणा श्रीश्रीमाल, अनिता बंदामुथा, सुमित्रा जैन का संघ के लाभार्थी परिवार की ओर से सम्मान किया गया।

रेल मंत्री वैष्णव से मुलाकात कर विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे सलहकार समिति सदस्य (जेडआरयूसीसी) महेंद्र सिंघी ने जोधपुर में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर अनेक मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान सिंघी ने मंत्री वैष्णव से मारवाड़ जं से मावली तक रेलवे की मीटर गेज लाइन, जो बहुत ही पहले से बिछी हुई है, को अभी ब्रॉड गेज में बदलने की मांग की। उन्होंने कहा यह लाइन मारवाड़ जं से मारवाड़ राणावास, फुलाद, घोरम घाट होते हुए अनेक स्टेशन को लेते हुए मावली जं तक चलती है। अगर इस मार्ग को ब्रॉड गेज में बदल दिया जाए तो मारवाड़ को मेवाड़ से जोड़ने में आसानी होगी और उदयपुर पहुँचने में आसानी होगी। उन्होंने कहा हुब्बल्ली दक्षिण पश्चिम रेलवे का मुख्यालय है, परन्तु हुब्बल्ली से जोधपुर सहित राजस्थान के अनेक मुख्य पर्यटक स्थलों के लिए सीधी रेल उपलब्ध नहीं है। अगर हुब्बल्ली से जोधपुर के लिए सीधी ट्रेन चलाई जाए तो प्रवासी राजस्थानी बंधुओं को यात्रा करने में आसानी होगी। हुब्बल्ली से हैदराबाद के लिए ट्रेन पुनः चालू करवाने के सम्बन्ध में भी चर्चा की और निवेदन किया कि हुब्बल्ली से हैदराबाद के लिए चलने वाले अनेक ट्रेन पिछले कई दिनों से बंद पड़ी है। उनको पुनः प्रारम्भ करवाया जाए। ट्रेन संख्या 07333 एसएसएस हुब्बल्ली-वटवा साप्ताहिक स्पेशल एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों को स्पेशल की जगह प्रतिदिन चलाने का आग्रह किया। ट्रेन न 20625/26 जो चेन्नई से जोधपुर भगत की कोठी के बीच वाया विजयवाड़ा, भुसावल, अकोला, समदड़ी, भीलड़ी होते हुए सप्ताह में पांच दिन चलती है, को अगर दो दिन चेन्नई से जोधपुर भगत की कोठी वाया बेंगलूरु, हुब्बल्ली, पुणे और बाकी के तीन दिन चेन्नई से जोधपुर की तरफ वाया विजयवाड़ा, भुसावल, अकोला, समदड़ी, भीलड़ी चलायी जाए तो दोनों क्षेत्रों के यात्रियों को आसानी होगी। इस ट्रेन को सप्ताह में 2 दिन अगर चेन्नई से बेंगलूरु, हुब्बल्ली, पुणे से जोधपुर की तरफ से चलाया जाए तो चेन्नई से बेंगलूरु, हुब्बल्ली की तरफ आने वाले यात्रियों को यात्रा करने में आसानी होगी और चेन्नई से हुब्बल्ली के बीच लिंक भी बढ़ेगा। इससे पूर्व में भी रेलवे मंत्रालय ने हमारी मांग पर कार्यवाही करते हुए यशवंतपुर से हजरात निजामुद्दीन के बीच चलने वाली सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस का भी मार्ग परिवर्तित किया था, जिससे अनेक शहरों का हुब्बल्ली से लिंक बढ़ा। इस पर रेल मंत्री वैष्णव ने सभी मांगों पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

विशाल भजन संध्या का आयोजन

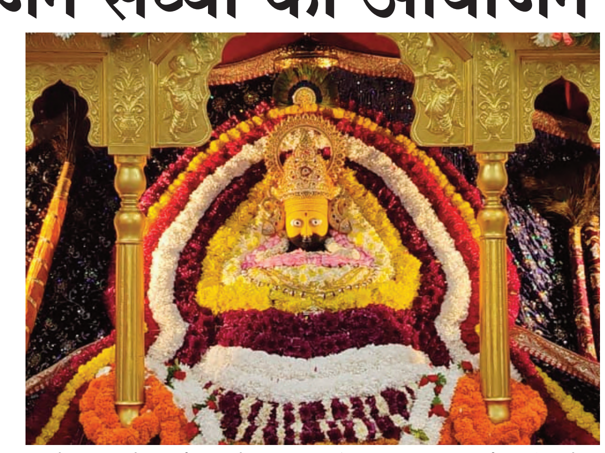

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री खाटू श्याम मन्दिर प्रांगण में श्री श्याम मन्दिर ट्रस्ट द्वारा देव शयनी एकादशी के पावन अवसर पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का मनमोहक फुलों से श्रृंगार किया गया। प्रमुख गायक कन्हैया झा रायसिंह नगर ने बाबा श्याम को मधुर भजनों से रिझाते हुए उपस्थित भक्तों को थिरकने पर मजबूर किया। बड़ी संख्या में भक्तों ने कतारबद्ध होकर अपने बाबा के दर्शन किये। इस भजन संध्या के प्रायोजक रेवंतमल झँवर, सज्जन शर्मा एवं महेश पराशर परिवार ने लाभ लिया।

मैंने दिसंबर में सीएम-डीसीएम से हासन जिले का प्रभार न संभालने का अनुरोध किया था: के.एन. राजन्ना

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने कहा कि उन्होंने पिछले साल दिसंबर में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को हासन जिले का प्रभार न लेने का अनुरोध किया था। उन्होंने जिले का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि पिछले 2 महीने से वे हासन जिले का दौरा नहीं कर पाए हैं। इसका मुख्य कारण मेरी स्वास्थ्य समस्या थी। मेरी आंखों में समस्या थी। हासन जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में अपने पहले दौरे के दौरान, मैंने कुनिगल में पटाखे फोड़े। इसके कारण मेरी रेटिना खराब हो गई। जब लोग पास में थे, तब भी मैं स्पष्ट रूप से नहीं देख पा रहा था। मेंगलूरु में जांच कराने पर समस्या का पता चला। डॉक्टरों ने कहा कि इसका कोई इलाज नहीं है, वे रेटिना में गैस भर देंगे। 23 तारीख को मेरी आंख का ऑपरेशन हुआ था। मैं 40 दिन पूरे होने के बाद अब दौरा कर रहा हूं। हासन न जाने का यही मुख्य कारण है। अन्य कारणों से चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि भले ही सीएम ने डीसीएम को पत्र लिखकर हासन जिले का प्रभार न लेने को कहा हो, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते और अपना काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हासन में हार्ट अटैक के नाम पर डर पैदा किया जा रहा है। भले ही उनकी मौत ट्रैक्टर से गिरने से हुई हो, लेकिन इसे हार्ट अटैक बताकर धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इस तरह की झूठी बातें लोगों को डरा रही हैं। जिले में हार्ट अटैक से 22 लोगों की मौत हो चुकी है। उनमें से सिर्फ 4 शवों की जांच की गई है। रिपोर्ट भी मिल गई है। यह तय है कि उन्हें हार्ट अटैक आया था। हमें संदेह है कि बाकी मौतें हार्ट अटैक के कारण हुई हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। ऐसा लगता है कि कोविड वैक्सीन और हार्ट अटैक के बीच कोई संबंध नहीं है। केंद्र सरकार के बयानों और राज्य सरकार द्वारा गठित समिति की राय को देखें तो वैक्सीन और हार्ट अटैक के बीच कोई संबंध नहीं लगता है, लेकिन उन्होंने कहा कि सटीक कारण बताना संभव नहीं है। पहले लोग अस्पताल नहीं जाते थे। अब रात 10 बजे भी लोगों की भीड़ लग जाती है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सरकारी अस्पतालों में हृदय की जांच की व्यवस्था की जाएगी। निजी अस्पतालों में इलाज के लिए जाने वालों पर नियंत्रण नहीं हो पाएगा। एहतियात के तौर पर स्कूलों और कॉलेजों में हृदय की जांच कराई जाएगी। अब तक हुई मौतों में से केवल 3 लोग 50 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। बाकी 40 वर्ष से कम उम्र के हैं। इसलिए उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में सामान्य जांच की योजना बनाई गई है। हासन जिले जैसे अन्य जिलों में भी दिल के दौरे पड़ रहे हैं। अगर सच्चाई बताई जाती है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा कि झूठी जानकारी सही नहीं है। हमने डॉ. सीएन मंजूनाथ और जयदेव संस्थान के वर्तमान निदेशक की राय को नोट किया है। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर अध्ययन कराया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद लोगों को असली कारण बताया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि कोविड वैक्सीन के कारण दिल के दौरे पड़ने जैसी तरह-तरह की अफवाहें फैलाना सही नहीं है। सितंबर क्रांति के बारे में फिर रोचक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि अगर सभी मुद्दे अभी बताए जाएंगे तो यह रोचक नहीं होगा। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलूरु आए हैं, बैठक की है और जिम्मेदारी ले रहे हैं। इसमें कुछ खास नहीं है। दो महीने का समय है। उस समय में देश को उल्टा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभी वे सभी स्पष्टीकरण नहीं दे सकते। कई लोग व्यक्तिगत बयान देते हैं। उन पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। मेरी भी कई निजी राय हैं। पार्टी तय करेगी कि वे सही हैं या नहीं।

मैं अपनी खबरों में प्रियांक खड़गे की पूंजी को उजागर करूंगा: चलवाडी नारायणस्वामी

यह विकास की सरकार नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने एक ही वाक्य में मंत्री प्रियांक खड़गे को चेतावनी दी है कि अगर मेरे बारे में बार-बार खबरें आती रहीं तो आपके पिता की राजधानी के साथ-साथ आपका इतिहास भी उजागर करना पड़ेगा। प्रियांक खड़गे मुझे बार-बार चिढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वह मुझे मेरा इतिहास बताएंगे। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

अगर वह मुझे बार-बार चिढ़ाएंगे तो उन्हें आपके पिता के इतिहास के साथ-साथ आपका इतिहास भी उजागर करना पड़ेगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने अपने परिवार को दलित संपत्ति या विशेषाधिकारों से समृद्ध नहीं किया है। मेरे घर में कोई विधायक या सांसद नहीं हैं, आप ही कारण हैं कि दलित परेशान हैं। चार दलित आपके बारे में अच्छा नहीं बोलते हैं। वे बीदर से चामराजनगर तक आपके इतिहास को जानते हैं। भाई प्रियांक खड़गे मानसिक अस्पताल से आए हैं। उनके बारे में बिल्कुल भी बात न करें। वे शायद ही कभी परोपकारी बातें करते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कौन पैंट पहनता है? कौन शॉर्ट्स पहनता है? बस यही बात करते हैं। वे मनरेगा मजदूरों को वेतन नहीं दे पाए हैं, वे कभी अपने विभाग के बारे में बात नहीं करते। चाहे प्रियांक खड़गे और उनका पूरा कुनबा आ जाए, आरएसएस पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। बाघ अपनी दुम हिला सकता है। लेकिन दुम बाघ को नहीं हिला सकती। नेहरू और इंदिरा संघ परिवार पर प्रतिबंध नहीं लगा पाए। आरएसएस देशभक्तों का जमावड़ा है, हम उसके पीछे हैं। कांग्रेस पाकिस्तान और चीन के पीछे है। एक के बाद एक कांग्रेस की चालें सामने आ रही हैं। सिद्धरामैया की हड़ताल शुरू हो गई है। सिद्धरामैया को राज्य से बाहर भेजने की चाल चल दी गई है। इसी तरह, 10/12 साल पहले खड़गे को यहां से कैसे बाहर भेजा गया था? खड़गे ने उनके लिए शेड तैयार किया था। अब वे सिद्धरामैया के लिए शेड तैयार कर रहे हैं। बसवराज रायरेड्डी के बयान की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा अगर आपको सड़क चाहिए तो गारंटी छोड़ दीजिए। यह विकास की सरकार नहीं है, इनका इरादा लोगों को धोखा देकर वोट हासिल करना और उन्हें लूटना है। विकास और गारंटी के बीच क्या संबंध है? गारंटी ठीक से नहीं मिल रही है। वादे के मुताबिक काम नहीं हुआ है। तीन साल में चुनाव हैं। स्थिति एक साल के चुनाव के स्तर पर पहुंच गई है। वे जितना लूट सकते हैं, उतना लूट रहे हैं।

मोदी ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया है। यह प्रत्येक राष्ट्रवादी भारतीय के लिए गर्व की बात है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उन्होंने रविवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन एक संदेश है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों के कारण ही आज भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता साहसी और देश प्रथम की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध है। डॉ. मुखर्जी एक महान राष्ट्रीय नेता थे जिन्होंने देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक महानता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे, जिन्होंने हमारी पार्टी की वैचारिक नींव रखी। वे ही थे जिन्होंने देश की राजनीति में एक मजबूत राष्ट्रवादी विचारधारा वाले राजनीतिक परिवार की शुरुआत की।

उन्होंने याद दिलाया कि वे एक बहादुर नेता थे, जो अनुच्छेद 370 के खिलाफ डटे रहे और उन्होंने जम्मू-कश्मीर के भारत में पूर्ण एकीकरण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। डॉ मुखर्जी नागरिक प्रशासन के समर्थक थे। उन्होंने कहा कि वे ही थे जिन्होंने इस भूमि के सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखा और तुष्टिकरण के खिलाफ बोला और सबसे बढ़कर, राष्ट्रीय हित के लिए आवाज उठाने का साहस किया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि गैर-कांग्रेसी नेता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और डॉ अंबेडकर हैं, जो पहली सरकार में मंत्री थे। अंबेडकर ने संविधान लिखते समय अनुच्छेद 370 को संविधान में शामिल नहीं किया था। उन्होंने नेहरू पर बाबा साहब को दूर रखने और अपनी जरूरतों और तुष्टिकरण के लिए संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल करने का आरोप लगाया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अनुच्छेद 370 जोड़े जाने के दिन से ही इसके खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने इस देश के लिए लड़ते हुए अपना बलिदान दिया। डॉ. मुखर्जी आजादी के बाद पहली सरकार में मंत्री थे। उस दौरान वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कहा कि वे एक राजनीतिक नेता, शिक्षाविद्, कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता आदि थे, जिन्होंने इस देश के लिए कई तरह से योगदान दिया। उनका नाम व्यापक रूप से सुना जाता है। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन के तहत अंग्रेजों के खिलाफ एक बहुत बड़ा संघर्ष किया था।

सीएम सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश नहीं करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय राजनीति में जाने का सवाल ही नहीं उठने की बात कहने वाले सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें किस तरह का पद दिया गया है, और मामले की जानकारी होने के बाद ही वे इस पर टिप्पणी करेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हर अखबार में अलग-अलग संस्करण हैं। उन्हें नहीं पता कि उन्हें किस तरह का पद दिया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओबीसी इकाई के अध्यक्ष ने ओबीसी समुदायों की बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। इसी के तहत उन्होंने कहा कि 15 तारीख को कर्नाटक में राष्ट्रीय बैठक निर्धारित की गई है। जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कोई पद देती है, तो उससे भाग नहीं सकते। जिम्मेदारी लेनी होती है। मुझे संयोजक बनाया गया है या नहीं या किस तरह का पद दिया गया है, यह जाने बिना वे कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वे आलाकमान से चर्चा करेंगे। उन्होंने कोई पद नहीं मांगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिवमोग्गा में हुए सांप्रदायिक दंगों के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। गारंटी योजनाओं में बदलाव का सवाल ही नहीं उठता। उन्हें गरीबों के विकास के लिए बनाया गया है। ग्रामीण सड़कों के विकास और पुलों के निर्माण समेत अन्य कार्यों के लिए पैसा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे बिना किसी पार्टी से जुड़े सभी लोगों को पैसा दे रहे हैं। सिद्धरामैया ने कांग्रेस विधायक बसवराज राय रेड्डी के बयान पर प्रतिक्रिया दी कि अगर सड़क निर्माण होना है तो गारंटी योजनाओं को छोड़ देना चाहिए। सिद्धरामैया को एआईसीसी की पिछड़ा वर्ग इकाई सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इससे चर्चा शुरू हो गई थी कि सिद्धरामैया राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे। लेकिन आखिरकार सिद्धरामैया ने यह कहकर सभी भ्रम दूर कर दिए कि वे राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश नहीं करेंगे।

राज्य में अगले पांच दिनों तक व्यापक बारिश की संभावना

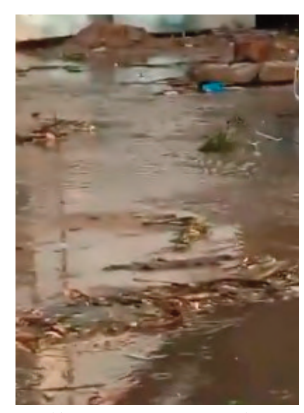

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्वी अरब सागर से एक ट्रफ प्रभाव राज्य में आया है, जिसके कारण तटीय, मलनाड और उत्तरी कर्नाटक में भारी बारिश हुई है, अगले पांच दिनों तक व्यापक बारिश की संभावना है। चिक्कमगलूरु, कोडागु, हासन, शिवमोग्गा, बेलगावी, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़, रायचूर, कारवार और अन्य स्थानों पर भारी बारिश हो रही है, और नदियाँ उफान पर हैं। तुमकुरु, कोलार, चिक्कबल्लापुर, बेंगलूरु ग्रामीण, मांड्या, मद्दुर, चित्रदुर्ग और दावणगेरे के मैदानी जिलों में बादल छाए हुए हैं और हल्की बारिश हो रही है। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट क्षेत्र में भारी बारिश के कारण कृष्णा और उसकी सहायक नदियों में पानी बह रहा है। राजापुर बैराज से कृष्णा नदी में 1.06 लाख क्यूसेक पानी बह रहा है। वेदगंगा और दूधगंगा नदियाँ उफान पर हैं, और 8 निचले पुल जलमग्न हैं। नरसिंह ओडेया दत्त मंदिर भी जलमग्न हो गया है।

जून में उडुपी में भारत में सबसे अधिक बारिश की गई दर्ज

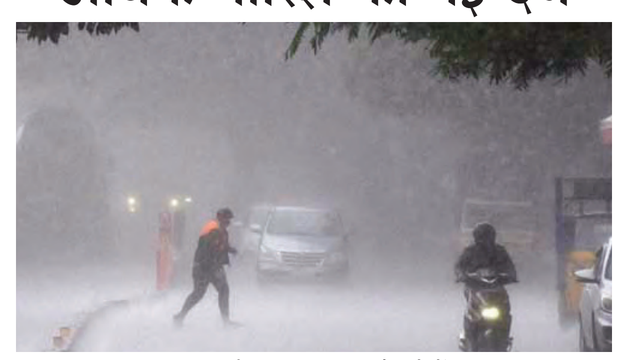

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी जिले ने जून के दौरान देश में सबसे अधिक वर्षा दर्ज करके मेघालय के चेरापूंजी और कर्नाटक के अगुम्बे को पीछे छोड़ दिया है। दोनों ही जिले भारी वर्षा के लिए जाने जाते हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, यह जिले के लिए अब तक का रिकॉर्ड है। जून के वर्षा के आंकड़ों के अनुसार, उडुपी जिले ने सिर्फ एक महीने में 1,140 मिमी बारिश के साथ देश में शीर्ष स्थान हासिल किया। 4,300 मिमी की वार्षिक औसत वर्षा के साथ, इस साल उडुपी के लिए एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने की संभावना है यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है। तटीय जिले में डेढ़ महीने से अधिक समय से तीव्र और लगातार बारिश हो रही है। आईएमडी के आंकड़ों से पुष्टि होती है कि इस साल जिले में पिछले दो दशकों में सबसे अधिक वर्षा हुई है। 27 जून तक, उडुपी देश का सबसे अधिक बारिश वाला जिला बन गया। चेरापूंजी, जिसे लंबे समय से भारत में सबसे ज्यादा बारिश वाला स्थान माना जाता है, और अगुम्बे, जिसे अक्सर 'दक्षिण का चेरापूंजी' कहा जाता है, दोनों ही इस साल उडुपी से आगे निकल गए। जून में लगातार तीन दिनों तक, उडुपी में प्रतिदिन 150 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। उडुपी जिले में पश्चिमी घाट की सीमा पर तीन तालुक और तट के किनारे पाँच तालुक हैं, जो भारी मानसूनी बारिश के लिए आदर्श परिस्थितियाँ बनाते हैं। 15 मई से, प्री-मानसून बारिश के बाद चक्रवाती गतिविधि के कारण भारी बारिश हुई, जो निर्बाध रूप से पूर्ण मानसून में बदल गई। लगातार भारी बारिश के कारण, उडुपी जिला पिछले छह सप्ताह में 15 दिनों से अधिक समय तक रेड अलर्ट पर था। कई दिनों तक ऑरेंज और येलो अलर्ट भी जारी किए गए। परिणामस्वरूप, नदी और तटीय क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया, और मछली पकड़ने के काम को लगभग एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। उडुपी में असाधारण वर्षा ने देश के मानसून इतिहास में एक नया मानदंड स्थापित किया है और जिले के बदलते मौसम पैटर्न और उच्च तैयारियों की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया है।

शिवमोग्गा के रागी गुड्डा में मूर्तियों को हटाने के आरोप के बाद तनाव की स्थिति

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिवमोग्गा के रागी गुड्डा में शनिवार शाम को तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब कुछ लोगों ने बंगारप्पा बदवने के एक पार्क में रखी पूजा की मूर्तियों को हटाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय निवासियों ने इस घटना के लिए एक स्थानीय निवासी को दोषी ठहराते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वे चाहते थे कि उसके निर्माणाधीन घर को गिरा दिया जाए। शिवमोग्गा के भाजपा विधायक एस.एन. चन्नाबसप्पा ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय लोगों से बातचीत की।

उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को फोन पर भी बुलाया और मूर्तियों को हटाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार ने घटनास्थल का दौरा किया और मीडिया को बताया कि शिवमोग्गा ग्रामीण पुलिस स्टेशन की सीमा में रागी गुड्डा के पास बंगारप्पा लेआउट में नागर विग्रह (नाग की मूर्ति) को हटाने की घटना हुई है। स्थानीय लोगों ने मूर्तियों को हटाने के लिए एक घर के निर्माण प्रभारी और उसके दोस्तों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा सत्यापन करने पर पता चला कि विग्रह (मूर्ति) उसी स्थान पर है, लेकिन जिस गोंद से इसे सीमेंट के फर्श पर चिपकाया गया था, वह ढीला हो गया है। हमने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की पहचान हो गई है। हमने दो लोगों को हिरासत में लिया है। जिला प्रशासन ने अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए मौके पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया है।

दक्षिण कन्नड़ और उडुपी में 21,000 से अधिक राशन कार्डधारकों ने अभी तक ई-केवाईसी पूरा नहीं किया

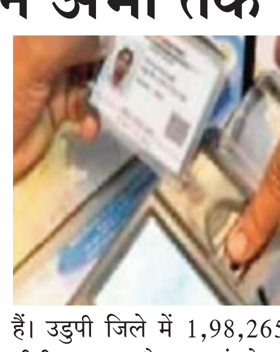

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) और अंत्योदय राशन कार्डधारकों के लिए ई-केवाईसी पूरा करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गई है। हालांकि अधिकारियों ने पहले कहा था कि जो लोग ई-केवाईसी पूरा करने में विफल रहते हैं, उन्हें अब राशन की आपूर्ति नहीं मिलेगी, लेकिन अगले आदेश तक वितरण जारी रहेगा। दक्षिण कन्नड़ जिले में, 17,778 लाभार्थियों ने अभी तक ई-केवाईसी पूरा नहीं किया है, जबकि उडुपी जिले में 3,301 लंबित हैं। दक्षिण कन्नड़ में कुल 22,871 अंत्योदय और 2,58,910 बीपीएल कार्डधारक हैं। उडुपी जिले में 1,98,265 बीपीएल और अंत्योदय कार्डधारक हैं। अधिकारियों ने 673 अपात्र कार्डों की भी पहचान की है। लाभार्थी उचित मूल्य की दुकानों पर अपना ई-केवाईसी निःशुल्क पूरा कर सकते हैं। यह सेवा कर्नाटक वन और ग्राम वन केंद्रों पर भी उपलब्ध है। बंटवाल तालुक में सबसे अधिक 4,552 ई-केवाईसी मामले लंबित हैं, जबकि उडुपी के बिंदूर तालुक में 2,242 मामले लंबित हैं। सुलिया में अधिकांश ने प्रक्रिया पूरी कर ली है, जबकि केवल 78 मामले लंबित हैं। कुंडापुर में केवल 28 मामले शेष हैं। कुछ व्यक्तियों ने काम या अन्य कारणों से जिले या राज्य से बाहर होने के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं की है। अधिकारियों ने कहा है कि अन्य लोग नजदीकी राशन की दुकानों पर आवश्यक दस्तावेज जमा करके ई-केवाईसी पूरी कर सकते हैं। बिस्तर पर पड़े मरीजों और बायोमेट्रिक सत्यापन पूरा करने में असमर्थ लोगों सहित कुल 10,128 व्यक्तियों ने छूट मांगी है और विभाग द्वारा छूट पत्र जारी किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि उन्हें चरणों में प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ई-केवाईसी तभी पूरी मानी जाएगी जब राशन कार्ड पर सूचीबद्ध सभी सदस्यों ने प्रक्रिया पूरी कर ली हो। यदि परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो गई है, तो उनके नाम आधिकारिक तौर पर कार्ड से हटा दिए जाने चाहिए। हालांकि अंतिम समय सीमा समाप्त हो गई है, लेकिन वर्तमान में विस्तार के बारे में कोई जानकारी नहीं है। स्वास्थ्य कारणों से फिंगरप्रिंट देने में असमर्थ लोगों के लिए, राशन की दुकानों पर आईरिस स्कैन का उपयोग करके ई-केवाईसी पूरा किया जा सकता है। दक्षिण कन्नड़ के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने दोहराया है कि यह सेवा निशुल्क रहेगी।

किसान संगठनों को सरकार के अमेरिका से व्यापार समझौते में अपने हितों का ध्यान रखने की उम्मीद

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय कृषक समाज (बीकेएस) के बैनर तले रविवार को राजधानी में आयोजित एक सम्मेलन में विभिन्न प्रांतों जुटे किसान नेताओं ने भारत और अमेरिका कृषि क्षेत्र की वस्तुस्थिति में जमीन-आसमान का फर्क बताते हुए उम्मीद जतायी कि भारत सरकार देश के साथ ऐसा कोई समझौता नहीं करेगी जो भारतीय किसानों के हित के विरुद्ध होगा।

अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के नतीजों की घो-षणा से ठीक पहले आयोहित इस सम्मेलन में नेताओं ने कहा कि भारत में कृषि, पशुपालन, मधुमक्खी पालन जैसे कार्य देश के किसानों की आजीविका के स्रोत है। भारत के किसानों को पश्चिम के किसानों के साथ खुली स्पर्धा के लिए छोड़ना भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन के लिए संकट पैदा कर सकता है। वक्तओं ने अमेरिका से जीएम (कृतम तरीके से आनुवांशिक संशोधन से उत्पन्न फसलों) के आयात को खोलेने के खतरे को भी रेखांकित किया।

बीकेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णबीर चौधरी, किसान नेता एवं राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय समन्वयक एवं अध्यक्ष सरदार बीमा सिंह, भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय मंत्री सोमदत्त शर्मा, स्वदेशी जागरण मंच के दीपक शर्मा, बीके एस के राष्ट्रीय महासचिव हातम सिंह नागर, किसान मजदूर यूनियन के नेता वीर महेंद्र प्रकाश, बीकेएस की कश्मीर इकाई के अध्यक्ष एमवाई ज़र्गर, पश्चिम बंगाल के किसान नेता अरुण मुखर्जी, पीजेंट्स वेलफेयर एशोसिएशन के अशोक बालियान , किसान नेतान धर्मेंद्र मलिक और अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

बीकेएस अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि भारत में 86 प्रतिशत किसानों की कृषि जोत एक हेक्टर से कम है जबकि अमेरिका में किसानों की औसत जोत का आकार 180 हेक्टेयर है और उन्हें भारी सरकारी सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, ' हमें विश्वास है कि सरकार मजबूत है, यह कोई ऐसा समझौता नहीं करेगी जो देश और देश के किसानों के हित में न हो।

सरदार बीएम सिंह ने कहा, 'भारत और अमेरिका के बीच अंतर इतना बड़ा है और सब्सिडी का अंतर इतना विशाल है कि वहां के साथ बराबरी का सौदा हो ही नहीं सकता।'

बीकेएस की कश्मीर इकाई के अध्यक्ष श्री ज़र्गर ने कहा, 'हमारे फल किसी भी देश से आयातित फल से अधिक मीठे और स्वादिष्ट हैं। हम्री खेती-बाड़ी और बागवानी हमारे माफिक चलनी चाहिए।' उन्होंने विश्व जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार देश के किसानों के हित का फैसला ही करेगी।

किसान नेता धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि भारत में अब भी 65 प्रतिशत आबदी की रोजी रोटी कृषि पर निर्भर है जबकि अमेरिका में दो प्रतिशत लोग ही फार्मिंग में हैं।

स्वदेशी जगरण मंच के श्री शर्मा, भारतीय किसान संघ के श्री सोमदत्त और किसान मजदूर यूनियन के महेंद्र प्रकाश ने भी भारत में कृषि की विशिष्ट परिस्थितियों की चर्चा करते हुए कहा कि यह हमारी जीवन संस्कृति है जबकि पश्चिम में खेती और पशुपालन को व्यापार के रूप से लिया जता और वहां के सब्सिडी प्राप्त किसानों से भारत के किसान मकाबला नहीं कर सकते।

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह सात जुलाई को 12 देशों को समझौते का पत्र भेजने जा रहे है। इन इन देशों से कहा जाएगा कि वे उसे पूरी तरह स्वीकार करें या पूरी तरह अस्वीकर करें। ट्रम्प सरकार ने समझौता करने के लिए देशों को 09 जुलाई तक का समय दे रखा है, ऐसा न होने पर देशों को अगस्त से अमेरिका में माल भेजने पर ऊंचे शुल्कों का सामना करना पड़ेगा।

भारत अमेरिका के साथ द्विपीक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत कर रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है आज का भारत किसी समय सीमा की शर्त में बंध कर कोई समझौता नहीं करता, भातर आज अपनी ताकत के आधार पर बातचीत करता है। उन्होंने कहा है कि भारत के लिए राष्ट्र हित सर्वोपरि है।

दिल्ली में आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश

अबू बकर के घर से पार्सल बम बरामद

अमरावती/रायचोटी, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
आंध्र प्रदेश की अन्नामय्या जिला पुलिस ने रायचोटी में आतंकी हमलों की साजिश से जुड़े मामले की जांच और तेज कर दी है। शनिवार को पुलिस ने हाल ही में गिरफ्तार किए गए आतंकी अबू बकर सिद्दीकी और मोहम्मद अली के घरों में एक बार फिर तलाशी ली। अबू बकर के घर से पार्सल बम बरामद किया गया। पार्सल पर लिखे पते से पता चला कि इसे दिल्ली भेजने के लिए तैयार किया गया था।

पुलिस ने तलाशी के दौरान अबू बकर के घर से विस्फोटक, कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, पासपोर्ट और बैंक पासबुक भी जब्त किए हैं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से संबंधों के नजरिए से भी कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अबू बकर और मोहम्मद अली का संबंध दूसरे देशों के किसी आतंकी संगठन तो नहीं है। हाल ही में पुलिस और आईबी अधिकारियों ने रायचोटी इलाके से अबू बकर सिद्दीकी और मोहम्मद अली को गिरफ्तार किया था। आरोपियों की पत्नियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की गई। बाद में अबू बकर की पत्नी शेख सैरा बानू और मोहम्मद अली की पत्नी शेख शमीम को अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत के आदेश पर दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में कडप्पा सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा : नड्डा

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा है।

श्री नड्डा ने आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ यहां विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूववर्ती सरकारों ने सभी क्षेत्रों में उदासीनता दिखाई और स्वास्थ्य क्षेत्र तो पूरी तरह उपेक्षित रहा। इसी कारण दिल्ली के लोगों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत हमने 2021 से फरवरी 2025 के बीच दिल्ली को 1700 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ और अब जन कल्याण के लिए इस निधि के खर्च की जिम्मेदारी श्रीमती रेखा के कंधों पर आ गयी है।

उन्होंने परोक्ष रूप से आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि राजनीति में फैसले अपने-पराये के आधार पर नहीं होते, बल्कि इस आधार पर होते हैं कि कौन आपके हितों की रक्षा कर सकता है। सितंबर 2017 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 40 लाख गरीब दिल्लीवासियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने को तैयार थे, लेकिन आपने लोटा ही उल्टा किया हुआ था।

उन्होंने कहा, 20 फरवरी को आपने लोटा सीधा किया, और आज आपको आयुष्मान भारत मिल गया। 1997 में एक स्वास्थ्य नीति लाई गयी, जो कहती थी, पहले तुम बीमार बनो, फिर मैं तुम्हारा इलाज करुंगी। लेकिन 2014 में जब श्री मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उनके नेतृत्व में पूरे देश में परामर्श किया गया और 2017 में हम एक नयी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा, इसके अंतर्गत हम सुनिश्चित करेंगे कि बीमारी ही न हो, फिर अच्छे स्वास्थ्य को हम बढ़ायेंगे ताकि लोग स्वस्थ रहे ,फिर जरूरत होगी तो इलाज करेंगे और बाद में ठीक भी करेंगे। हमने स्वास्थ्य को अब समावेशी और व्यापक बना दिया है।

उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीबी के मामलों में करीब 17.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह गिरावट मात्र आठ प्रतिशत रही है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह का बड़ा ऐलान, कहा

किसानों के साथ धोखा हुआ, उन्हें राहत और मुआवजा मिलना चाहिए

विदिशा, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने स्वीकार किया है कि किसानों के साथ धोखा हुआ है। उन्होंने बताया कि कई किसानों ने सोयाबीन बोया था, लेकिन बीज अंकुरित नहीं हुए। किसानों के साथ धोखा हुआ है। इसके बाद उन्होंने कहा कि किसानों को राहत और मुआवजा मिलना चाहिए और अंत में उन्होंने किसानों को न्याय दिलाने की बात कही। शिवराज ने कहा कि वह पूरे मामले की जांच कराएंगे और अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रविवार को शिवराज सिंह अपने गृह नगर विदिशा में थे। यहां उन्होंने किसानों के खेत देखे, जहां सोयाबीय बोया गया था, लेकिन सभी बीज अंकुरित नहीं हुए। इससे किसानों को नुकसान हुआ है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कई किसानों ने सोयाबीन बोया था, लेकिन बीज अंकुरित नहीं हुए। आज किसानों ने मुझसे इस बारे में शिकायत की है। मैंने यहां बीज भी देखे हैं। कई बीज अंकुरित नहीं हुए हैं। किसानों के साथ धोखा हुआ है। हम इस मामले की जांच करेंगे। अगर हम इस मामले की जड़ तक पहुंचेंगे और अगर कोई दोषी पाया जाएगा तो दोषियों को सजा दी जाएगी। प्रभावित किसानों को राहत और मुआवजा दिया जाना चाहिए। किसानों को न्याय दिलाना हमारा कर्तव्य है।

शिवराज सिंह ने कहा कि क्षेत्र के सांसद और विधायक को साथ लेकर किसान उनके पास पहुंचे थे। किसानों ने बताया कि कई खेतों में सोयाबीन नहीं उगा है। इसके बाद शिवराज सिंह किसानों के बीच पहुंचे। उन्होंने कई खेतों में बोए हुए बीज भी निकालकर देखे, जिनमें अंकुरण नहीं हुआ था। मीडिया से बात करते समय ये बीज शिवराज सिंह के हाथ में थे। शिवराज ने कहा कि वह पूरे मामले की जांच कराएंगे कि ये बीज कहां से आए। किस कंपनी ने दिए या फिर किस सोसायटी से आए। इसके बाद अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इसके साथ शिवराज ने कहा कि सरकार किसानों को राहत और मुआवजा दिलाएगी। हालांकि, इससे पहले जांच होगी और उसके आधार पर ही मुआवजे की राशि और समय तय किया जाएगा।

अब सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी को मिलेगा आरक्षण, बदल गया 6 दशक पुराना नियम

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
सरकारी नौकरियों और आईआईटी-आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण मिलने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। कोर्ट ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को आरक्षण देने का निर्णय लिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट ने अपने गैर-न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति , दिव्यांग, पूर्व सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के साथ-साथ ओबीसी को भी आरक्षण का लाभ देने की अधिसूचना जारी कर दी है।

इस बदलाव के तहत सुप्रीम कोर्ट ऑफिसर्स एंड सर्वेंट्स (कंडीशन्स ऑफ सर्विस एंड कंडक्ट) रूल्स, 1961 के नियम 4- में संशोधन किया गया है. यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 146(2) के तहत मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है. अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि इन सभी श्रेणियों को केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और अधिसूचनाओं के अनुसार आरक्षण मिलेगा, जैसा कि उन पदों के लिए निर्धारित वेतनमान के अनुरूप होता है।

यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलावनहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था में समावेशिता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम उस ऐतिहासिक फैसले के 33 साल बाद उठाया है, जब 1992 में इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार मामले में नौ-न्यायाधीशों की पीठ ने ओबीसी को 27% आरक्षण देने को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया था. बावजूद इसके, सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक भर्तियों में अब तक ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया था। वहीं पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन सिंह ने उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी वर्ग को भी आरक्षण का रास्ता साफ किया था।

राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण की मांग कर रहे थे. उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक सुधार' करार दिया. उन्होंने कहा कि यह संशोधन अब सुप्रीम कोर्ट की भर्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू आरक्षण मानकों के अनुरूप लाएगा।

इतना ही नहीं, मुख्य न्यायाधीश गवई ने एससी और एसटी वर्ग के लिए एक स्पष्ट रोस्टर प्रणाली लागू करने की पहल भी की है, जो आर.के. सबरवाल बनाम हरियाणा राज्य (1995) मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाए गए 200-पॉइंट रोस्टर सिस्टम के अनुरूप है। यह प्रणाली सुनिश्चित करेगी कि सामान्य और आरक्षित वर्गों के बीच न्यायोचित संतुलन बना रहे।

देश के इतिहास में यह पहली बार है जब सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक नियमों में इस प्रकार का व्यापक सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने वाला संशोधन किया गया है। जिस सुप्रीम कोर्ट ने दशकों पहले सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को मान्यता दी थी, आज वही अदालत अपने भीतर उसी न्याय को लागू करती नजर आ रही है।

मुझे बिहार आने से रोकने की साजिश जाएगी बेकार

चिराग ने 243 सीटों पर लड़ने का किया एलान

छपरा , 06 जुलाई (एजेंसियां)।
बिहार के छपरा में आयोजित नव संकल्प महासभा के मंच से लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री ने विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया। बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए हम लोगों ने तैयारी शुरू कर दी है। एक-एक सीट पर लोजपा (रामविलास) का प्रत्याशी चुनाव लड़ेगा। उक्त बातें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने छपरा शहर के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।

चिराग पासवान के द्वारा बिहार के सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ही सियासत गरमा गई है, क्योंकि चिराग ने छपरा में एक जनसभा के दौरान खुद स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी बिहार के सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

प्रमंडलीय मुख्यालय स्थित छपरा शहर के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित नव संकल्प महासभा के मंच पर चिराग पासवान ने बगैर किसी का नाम लिए सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा कि चिराग पासवान किसी से डरने वाला नहीं है। चिराग पासवान के इस बयान के बाद बिहार की सियासत में जल्द ही भूचाल आने वाला है, क्योंकि चिराग ने बिहार के सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने के लिए शंखनाद कर दिया है। जिस कारण सारण प्रमंडल से लेकर राजधानी तक हलचल तेज हो गई है। चिराग पासवान के इस बयान से राजग गठबंधन के अंदर मतभेद के संकेत आसानी से देखे जा सकते हैं। चुनावी घोषणा के बाद नव संकल्प महासभा में शामिल होने आए पार्टी कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था। वहीं, चिराग पासवान आजकल बिहार में लगातार दौरे कर रहे हैं। वह अलग-अलग सामाजिक संगठनों के साथ सभाएं भी कर रहे हैं। फिलहाल केंद्र की राजनीति से इतर बिहार की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व चिराग पासवान के द्वारा नालंदा में भव्य रैली का आयोजन किया गया था। जिसमें कार्यकर्ताओं का जनसमूह उमड़ा था। उसके बाद से लगातार बिहार के विभिन्न जिलों में सियासी दौरे अनवरत जारी हैं। गौरतलब है कि चिराग पासवान ने इस दौरान बिहार में हो रहे लगातार हत्याओं को लेकर भी सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। चिराग पासवान ने बिहार सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि बिहार में हर तरफ हत्या, लूट और अपहरण जैसे अनेक गंभीर अपराध हो रहे हैं।

केंद्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन का लाभ जम्मू कश्मीर को भी : गोयल

श्रीनगर 06 जुलाई (एजेंसियां)
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न नीतियों और कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन का लाभ जम्मू कश्मीर को भी पहुंचा है और केंद्र शासित क्षेत्र में कारोबार की रफ्तार तेज हुई है। गोयल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती के अवसर पर श्रीनगर में व्यापार और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने उद्यमियों को 'व्यापार रत्न अवॉर्ड' से सम्मानित किया। गोयल ने बाद में

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर आज विकसित भारत की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, व्यापारिक नवाचार और सांस्कृतिक समृद्धि इसका प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की रीढ़ है। सरकार उन्हें प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, एक जिला, एक उत्पाद, सरकारी खरीद पोर्टल जेम, खुले ऑनलाइन व्यापार मंच ओएनडीसी जैसे प्रयासों के माध्यम से न केवल प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि स्थानीय उत्पादों की खरीद और प्रचार प्रसार को को बढ़ावा देते हुए व्यापार को सरल, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सोशल मीडिया पर तल्ख टिप्पणी

अश्लील तस्वीरें किसी का जीवन बर्बाद कर सकती हैं

प्रयागराज, 06 जुलाई (ब्यूरो)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक महिला की अश्लील तस्वीरें प्रसारित करने के आरोपी व्यक्ति को जमानत देने से इन्कार करते हुए कहा कि जब ऐसी तस्वीरें सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर साझा की जाती हैं, तो उनमें किसी का जीवन नष्ट करने की क्षमता होती है।

न्यायमूर्ति अजय भनोट ने कहा डिजिटल प्रौद्योगिकी अपराध का चेहरा बदल रही है। किसी व्यक्ति की अश्लील तस्वीरें जब सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक मंचों पर प्रसारित होती हैं तो वे जीवन को नष्ट कर सकती हैं। यह कठोर सामाजिक वास्तविकता है। आरोपी रामदेव पर धारा 74, 352, 351(2), 64(1) बीएनएस और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67 ए के तहत मामला थाना- उतराव, प्रयागराज में दर्ज किया गया है। उसे पीड़िता की निजी तस्वीरों को व्हाट्सएप पर प्रसारित करने के आरोप में इस साल जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। अप्रैल 2025 में ट्रायल कोर्ट द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। उनके खिलाफ आरोपों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने कहा कि उनके पास से कुछ तस्वीरें बरामद की गई हैं। उनकी फोरेंसिक जांच लंबित है। अपराध में उसकी संलिप्तता की संभावना है।

अदालत ने याची को जमानत देने से इन्कार कर दिया क्योंकि इसमें डिजिटल अपराधों के बढ़ते खतरे और उनके भयावह सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डाला गया था। हालांकि कोर्ट ने जिला न्यायाधीश को मामले की सुनवाई की प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट लेने का निर्देश दिया। इसके अलावा, संबंधित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के उप निदेशक को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया कि एफएसएल रिपोर्ट दो महीने के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की जाए। पीठ ने जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन उसने शीघ्र सुनवाई की आवश्यकता पर बल दिया तथा निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह कार्यवाही को शीघ्रातिशीघ्र एक वर्ष के भीतर पूरा कर ले। इसी पीठ ने 2023 में कहा था कि सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो का प्रसार एक बड़ी समस्या है जो हमारे समाज को अपमानित कर रही है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया था कि ऐसे मामलों में पुलिस अधिकारियों को जांच करते समय उच्चतम दक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अदालत ने यह भी कहा था कि ऐसे मामलों में यूपी पुलिस की जांच की गुणवत्ता बहुत कमजोर है। इसी प्रकार, पिछले वर्ष मई में भी इसी पीठ ने महिलाओं के अभद्र वीडियो के भंडारण और प्रसार के बढ़ते मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी तथा इसे समाज के लिए एक गंभीर खतरा बताया था। अदालत ने कहा था कि आईटी से संबंधित अपराधों और साइबर अपराधों की जांच की खराब गुणवत्ता, जांच की कार्यप्रणाली में एक बड़ी खामी बन रही है।

जनता की सम्पत्ति अखिलेश यादव की जागीर नहीं: बृजेश पाठक

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की जनता को छोटी याददाश्त वाला समझते हैं, लेकिन जनता अब जागरूक है और गुमराह नहीं होगी। उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि 2012 से 2017 तक की समाजवादी सरकार ने भ्रष्टाचार, परिवारवाद, जंगल कब्जा, खनन घोटाले और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को संस्थागत रूप से बढ़ावा दिया। उस कार्यकाल में चारों तरफ भाई-भतीजावाद और अपराधियों का बोलबाला था, जिसका जवाब जनता ने उन्हें दो बार सत्ता से बाहर करके दिया है।

बृजेश पाठक ने अखिलेश यादव के हालिया बयान पर पलटवार करते हुए जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर के मुद्दे पर कहा, आपने इसे भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था, जबकि यह जनता की गाढ़ी कमाई से बना केंद्र था। हमारी सरकार ने कैबिनेट से प्रस्ताव पास कर इसे एलडीए को सौंप दिया ताकि यह सम्पत्ति आम लोगों की सेवा में लगे। यह आपकी निजी सम्पत्ति नहीं थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासन में पार्टी का झंडा लगाकर वन भूमि और जंगलों पर कब्जा किया जाता था। पेड़ काटे गए, जंगल उजाड़े गए। लेकिन आज ऐसे लोगों को जेल भेजा जा चुका है और अब कोई वन भूमि की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देख सकता।

उन्होंने कहा कि खनन माफिया समाजवादी पार्टी की सत्ता में खुलेआम सक्रिय थे। रोज खनन मंत्री बदलते थे और पार्टी नेताओं के चरणों में बैठने वालों को खनन मंत्रालय दिया जाता था। यह पूरा विभाग ही लूट और बंदरबांट का केंद्र था। बृजेश पाठक ने कहा कि आज यूपी के सभी सीएचसी व सरकारी अस्पतालों में कुत्ता, बंदर और सांप काटने तक के इंजेक्शन उपलब्ध हैं, जबकि समाजवादी सरकार के समय अस्पताल तबेला बनकर रह गए थे। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आज सभी जरूरी दवाइयां मुफ्त उपलब्ध हैं, यह पहले की तरह सिर्फ पोस्टर पर नहीं है। गोमती रिवर फ्रंट को लेकर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना कुछ सौ करोड़ की थी, लेकिन हजारों करोड़ खर्च कर दिए गए। जनता के पैसे की खुली लूट हुई। पाठक ने कहा कि यह परियोजना समाजवादी पार्टी की आर्थिक अनियमितता और सौंदर्यीकरण के नाम पर लूट का उदाहरण है।

उन्होंने अखिलेश यादव द्वारा चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने को गंभीर और गैर जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की रक्षा और लोकतंत्र की निष्पक्षता को अगर किसी संस्था ने सबसे ज्यादा निभाया है तो वह है निर्वाचन आयोग।

जनसहभागिता: योगी सरकार सबके साथ रचेगी इतिहास

9 जुलाई को एक दिन में लगेंगे 37 करोड़ पौधे

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 9 जुलाई को होने वाले पौधरोपण महाभियान-2025 में समाज के सभी वर्गों का साथ लेकर नया इतिहास रचा जाएगा। सिर्फ एक दिन में इस बार 37 करोड़ पौधरोपण होंगे। योगी की वन नीति से साल दर साल नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा उत्तर प्रदेश इस बार भी अभूतपूर्व इतिहास रचेगा। सीएम योगी के आह्वान पर जनप्रतिनिधि, राजकीय कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाएं, अधिवक्ता, चिकित्सक समेत समाज का हर तबका जुड़ेगा। योगी सरकार ने सभी से अपील की है कि पौधा लगाएं, फोटो अपलोड करें और पौधे का संरक्षण भी करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभियान को लेकर कई बैठकें भी कीं। सीएम ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था कि महाभियान में जनसहभागिता अवश्य हो। इसके बाद शासनिक व विभागीय अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों, किसानों समेत समाज के हर तबके से संवाद स्थापित करते हुए सभी को इससे जोड़ा। अभियान में समाज के हर तबके के लोग जुड़ेंगे। इसमें 25 करोड़ नागरिकों और 26 राजकीय विभागों की सहभागिता से एक ही दिन में होने वाले इस अभियान को नई ऊंचाई मिलेगी। इस अभियान में 60,182 जनप्रतिनिधि, 3,40,00,000 विद्यार्थी, 2,24,00,000 किसान, 13,44,558 राजकीय कर्मचारी, 4,69,900 वकील, 27,270 स्वयंसेवी संस्थाएं और 15,000 किसान उत्पादक संगठन शामिल होंगे।

जिन स्कूलों में लगेगा ताला वहां 15 अगस्त को सपा फहराएगी तिरंगा

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। यूपी के प्राइमरी स्कूलों में हो रहे विलय पर अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि सरकार आरक्षण खत्म करना चाहती है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार आने वाली पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है। पढ़ाई से वंचित बच्चों की संख्या लाखों में है। अखिलेश यादव प्रदेश सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की शिक्षा विरोधी नीति के खिलाफ 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर समाजवादी पार्टी के विधायक, नेता और पदाधिकारी ऐसे गांवों में जाकर स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे, जहां स्कूलों को बंद किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में लगभग पांच हजार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने का निर्णय है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का एजेंडा सामाजिक न्याय के विरुद्ध है। भाजपा गरीब, पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों का उनके हक नहीं देना चाहती है। वह आरक्षण खत्म करने का षडयंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग मतदाताओं की मनमानी छंटनी की तैयारी में है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, सांसद सनातन पांडेय आदि उपस्थित रहे।

यूपी में अब नहीं होती गोकशी, संरक्षण से अर्थव्यवस्था को मिली नई दिशा

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश देश के 16 प्रतिशत पशुधन का घर है। यहां गोवंश संरक्षण के माध्यम से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां दी जा रही हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार ने गोवंश को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बनाकर युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर सृजित किए हैं।

गोबर और गोमूत्र से बने उत्पादों ने इस क्रांति को और गति दी है। यह स्थिति 2017 से पहले की अखिलेश यादव सरकार के दौर से बिल्कुल उलट है, जब निराश्रित गोवंश को सड़कों पर भटकने या कत्लखानों में बिकने के लिए छोड़ दिया जाता था और गोकशी की घटनाओं पर कोई अंकुश नहीं था।

20वीं पशुगणना (2019) के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 1.90 करोड़ गोवंश हैं, जिनमें 11.84 लाख निराश्रित गोवंश शामिल हैं। व्यवहारिक रूप से 2017 में यह संख्या 12 लाख से अधिक थी। उस समय गोवंश संरक्षण के लिए कोई नीति नहीं थी। केवल 100 गो-आश्रय स्थल थे, टीकाकरण सीमित था और पशुपालकों के लिए कोई ठोस योजना नहीं थी। डेयरी मिशन जैसा कोई कार्यक्रम अस्तित्व में नहीं था। निराश्रित गोवंश या तो सड़कों पर भटकते थे या कत्लखानों में बेचे जाते थे, जिससे सामाजिक तनाव बढ़ता था।

2017 में योगी आदित्यनाथ, जो स्वयं गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं और गायों के प्रति गहरा स्नेह रखते हैं, उनके नेतृत्व में सरकार बनने के बाद गोवंश संरक्षण को अत्यधिक प्राथमिकता मिली। 2 जनवरी 2019 को देश में पहली बार निराश्रित गोवंश संरक्षण नीति उत्तर प्रदेश में लागू की गई। आज प्रदेश में 7,717 गो-आश्रय स्थल हैं, जिनमें 12.52 लाख गोवंश संरक्षित हैं। इनके भरण-पोषण के लिए सरकार प्रतिदिन 50 रुपए प्रति गोवंश के हिसाब से 7.5 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। प्रत्येक वृहद गो-संरक्षण केंद्र के निर्माण पर 1.60 करोड़ रुपए निवेश किए जा रहे हैं।

प्रदेश में प्रतिदिन 5,500 टन गोबर उत्पादित हो रहा है, जिसे वर्मी कम्पोस्ट, गमले, गोदीप, गोकाष्ठ, धूपबत्ती, पंचगव्य, जीवामृत और घनामृत जैसे उत्पादों में बदला जा रहा है। इन उत्पादों ने गोवंश को बेसहारा छोड़ने की प्रवृत्ति को कम किया है और पशुपालकों के लिए गोबर व गोमूत्र को आय का साधन बनाया है। विभिन्न गो-आश्रय स्थलों में इन उत्पादों की इकाइयां स्थापित की जा रही हैं, जिनमें महिला समूहों को विशेष रूप से जोड़ा गया है। यह न केवल ग्रामीण महिलाओं को सशक्त कर रहा है, बल्कि जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रहा है।

उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी 25.63 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें पशुपालन क्षेत्र की हिस्सेदारी 1.67 लाख करोड़ रुपए है। राष्ट्रीय जीडीपी में पशुपालन का योगदान 4.11 प्रतिशत है, जबकि यूपी इस मामले 7.1 प्रतिशत के साथ काफी आगे है। यही नहीं प्रदेश में 390 लाख मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन हो रहा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है। मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना और नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत स्वदेशी नस्लों जैसे साहीवाल, गीर और थारपारकर के पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन योजनाओं में 40 से 50 प्रतिशत अनुदान और 10 से 15 हजार रुपए का पुरस्कार डीबीटी के माध्यम से 6,500 से अधिक गौपालकों को दिया गया है।

गोवंश के कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के लिए 2024-25 में 3.08 लाख गर्भाधान नि:शुल्क किए गए हैं। पशुपालन अवसंरचना विकास निधि और नेशनल लाइव स्टॉक मिशन के तहत 44 और 292 परियोजनाओं से क्रमशः 1,094.38 करोड़ और 144.29 करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। वहीं यूपीजीआईएस 2023 के तहत 578 डेयरी और पशुपालन इकाइयों से 2,221.99 करोड़ रुपए का निवेश और 1.23 लाख रोजगार सृजित हो रहे हैं। योगी सरकार की योजनाएं ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को पशुपालन में उद्यमिता के अवसर प्रदान कर रही हैं। नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत 25 दुधारू गोवंश की इकाइयां स्थापित की जा रही हैं, जिसमें 50 प्रतिशत महिलाओं को लाभ मिल रहा है। चारा नीति 2024 के तहत 230 हेक्टेयर भूमि पर नेपियर ग्रास का उत्पादन शुरू हुआ है, जिससे 1.73 लाख क्विंटल चारा उत्पादन का लक्ष्य है। 9,449.82 हेक्टेयर गोचर भूमि कब्जा मुक्त कराई गई और 5,458.93 हेक्टेयर पर हरा चारा रोपा गया। गोबर और गोमूत्र आधारित इकाइयों में महिला समूहों की भागीदारी ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है।

पशु स्वास्थ्य सेवाओं में 2017 के बाद अभूतपूर्व सुधार हुआ है। बीते आठ वर्षों में 2,202 पशु चिकित्सालयों के अतिरिक्त 39 नए चिकित्सालय और 2,575 पशु सेवा केंद्र स्थापित किए गए। 2024-25 में 520 मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स ने 15.93 लाख पशुपालकों के 32.34 लाख पशुओं को चिकित्सा सुविधा दी। लम्पी स्किन डिजीज पर नियंत्रण के लिए 1.52 करोड़ टीकाकरण किए गए, जिससे गोवंश की मृत्यु दर देश में सबसे कम रही। 2024-25 में 1,648 लाख टीकाकरण का कार्य पूरा किया गया। 2017 से पहले गोवंश संरक्षण की कोई नीति नहीं थी। निराश्रित गोवंश को सड़कों पर भटकने या कत्लखानों में बेचने के लिए छोड़ दिया जाता था।

2017 में महज 100 गो आश्रय स्थल थे, वहीं योगी सरकार ने गो-आश्रय स्थलों की संख्या को बढ़ाकर 7,717 पहुंचा दिया है। यही नहीं 1.12 लाख पशुपालकों को 1.73 लाख गोवंश सौंपे गये हैं। पशुधन बीमा योजना में 2024-25 में 1.60 लाख पशुओं का बीमा हुआ है। 1,372.35 क्विंटल उन्नत चारा बीज नि:शुल्क वितरित किए गए। गोबर और गोमूत्र से उत्पादों ने पशुपालकों को नई आय दी है।

राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में आएंगे पीएम मोदी

अयोध्या, 06 जुलाई (ब्यूरो)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष रूप से आमंत्रित किए गए हैं। राम मंदिर ट्रस्ट ने इसके लिए दो तिथियों का चयन किया है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है।

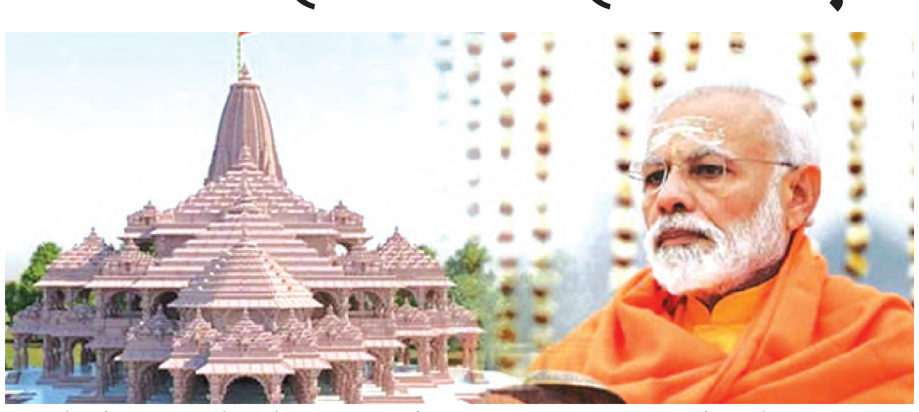

इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्व भर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा।

ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश-विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। अयोध्या में मेहमानों की अगवानी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट और प्रशासनिक तंत्र ने कमरे बुक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख होटल, धर्मशालाएं और गेस्ट हाउस में आवास की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद किया जा रहा है। नवंबर में समारोह के लिए शुभ मुहूर्त भी ज्योतिषियों से निकलवाया जा रहा है। 16 नवंबर व 25 नवंबर दो शुभ तिथियों में से किसी एक तिथि के चयन पर विमर्श हो रहा है।

राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर रामध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के अन्य सभी मंदिरों के शिखर पर ध्वज फहराया जाएगा। रामध्वज का आरोहण केवल एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की विजय और धर्म की प्रतिष्ठा का उद्घोष होगा। यह आयोजन मंदिर निर्माण की पूर्णता की ओर बढ़ते कदम का संकेत भी माना जा रहा है। ध्वज पताका को वैदिक मंत्रोच्चार, संगीत, और विशेष पूजा विधियों के साथ मंदिर के शिखर पर फहराया जाएगा। कार्यक्रम में विविध प्रकार के अनुष्ठान भी होंगे। रामकथा का भी आयोजन संभव है। इस अवसर पर देश के कई प्रसिद्ध संगीतज्ञ व कलाकार प्रस्तुतियां देंगे, जिससे समारोह की भव्यता बढ़ेगी।

ड्यूटी से गायब शिक्षकों पर कार्रवाई, वेतन कटेगा

प्रधानाध्यापक समेत 23 शिक्षक ड्यूटी से गायब

लखनऊ, 06 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में मोहनलालगंज स्थित उतरावां बेसिक विद्यालय में अनुपस्थित मिले 23 शिक्षकों से जवाब तलब किया गया है और उनका वेतन काटने का आदेश जारी हुआ है। अनुपस्थिति वाले दिन की वेतन-कटौती का कारण सर्विस बुक पर दर्ज किया जाएगा।

बीईओ सुशील कुमार ने कहा कि उन्होंने 24 जून को विद्यालय में सुबह 11 बजे निरीक्षण किया। विद्यालय का समय सुबह 8 से दोपहर 12:30 बजे तक है। 23 शिक्षक ड्यूटी से गायब मिले। गायब पाए गए शिक्षकों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, इस पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। दिलचस्प यह है कि गायब शिक्षकों में स्कूल के प्रधानाध्यापक प्रधानाध्यापक स्वदेश कुमार अग्निहोत्री समेत सहायक अध्यापक दीप माला, रुचि खत्री, श्रुति कीर्ति शुक्ला, पंकज शुक्ला, प्रवेंद्र कुमार यादव, चंद्र प्रकाश, राम प्रकाश, अनूप कुमार, चिंता देवी, हरि प्रसाद, अनुपमा मिश्रा, अंजली सिंह, रश्मि पांडेय, स्वाती सैनी, रेनू जोशी, सुप्रिया, ऋचा सिंह, दुर्गा रानी, नीलम पाठक, अर्चना पांडेय, सीमा वर्मा और मनोरमा शामिल हैं।

नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी...

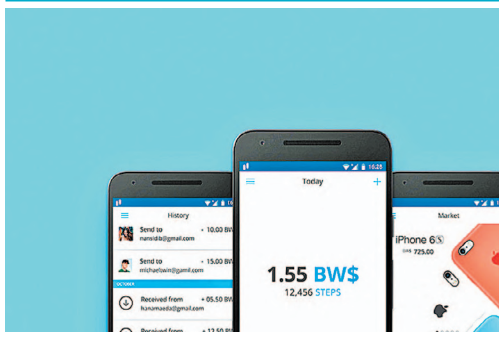

एक नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी लॉन्च की गई है जिससे इंसान पैदल चलकर कमाई कर सकेगा। इस करेंसी का नाम है बिटवॉकिंग डॉलर, जो डिजिटल क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की तरह ही कंप्यूटर से पैदा होगी। स्मार्ट फोन यूजर फोन पर बिटवॉकिंग ऐप की मदद से रिकॉर्ड करेगा कि वो कितने कदम पैदल चला है। फिर कदमों की गिनती के आधार पर प्रति दस हजार कदमों पर यूजर को लगभग एक बिटवॉक डॉलर मिलेगा। शुरू शुरू में, यूजर को कमाई गई करेंसी ऑनलाइन स्टोर में खर्च करने या उससे नकद कमाने का मौका मिलेगा। संस्थापकों का मानना है यह तकनीक विकासशील और गरीब देशों में फिटनेस उद्योग के विकास में खासी मददगार हो सकती है। इनके अनुमान के अनुसार बिटवॉकिंग योजना गरीब देशों के नागरिकों के जीवन को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। प्रोजेक्ट की शुरुआत करने वाले निसान बहार और फ्रेंकी इम्बेसी को इस प्रोजेक्ट के लिए जापानी निवेशकों से शुरुआती दस मिलियन डॉलर की मदद मिली है। जापानी मदद की बदौलत वे ऐसे बैंक और करेंसी की शुरुआत करेंगे जो चले गए कदमों और किसी भी तरह के हस्तांतरण को सत्यापित करेगा। इसके अलावा कुछ जूते बनाने वाली कंपनियां इस करेंसी को अपनाने के लिए अपनी सहमति दे चुकी हैं। वैसे पैदल चलकर बिटवॉकिंग डॉलर कमाने का यह कोई नया प्रयोग नहीं है। कई स्टार्ट-अप समूह, सेहत बनाओ और कमाई करो का विचार पहले लागू कर चुके हैं, लेकिन गति को सही सही मापने में उन्हें सफलता नहीं मिली। क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी डिजिटल या वर्चुअल करेंसी है, जिसमें सुरक्षा के लिए क्रिप्?टोग्राफी का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया की सबसे पहली क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन है, जो 2009 में लॉन्च हुई थी।

नाम विदेशी लेकिन देसी ब्रांड

कई ब्रांड ऐसे हैं जिनका नाम सुनकर ऐसा लगता है कि ये विदेशी हैं, लेकिन कई मामलों में ऐसा नहीं है। पीटर इग्लैंड का नाम तो सुना ही होगा और कई बार टीवी पर ऐड भी देखा होगा। नाम सुनकर यह एक विदेशी कपड़ों का ब्रांड लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड वास्तव में आदित्य बिरला ग्रुप की मदुरा गार्मेंट्स का हिस्सा है। अमेरिकन स्वान का नाम सुना ही होगा। शायद आपको लगा हो कि ये विदेशी कपड़ो का ब्रांड है। जी नहीं! अमेरिकन स्वान भारतीय ब्रांड है। इसे 2013 में अनुराग राजपाल ने लांच किया था। लुई फिलिप भी आदित्य बिरला का हिस्सा है। 1989 में इसकी शुरुआत हुई। एलन सोली आदित्य बिरला ग्रुप का ब्रांड है। वेन ह्यूजन भी आदित्य बिरला ग्रुप से जुड़ा हुआ है। वेस्टसाइड टाटा ग्रुप का एक डिविजन है। फ्लाइंग मशीन की शुरुआत अरविंद ग्रुप ने की। मांटे कार्लो ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड का हिस्सा है। द मिलानो साहिल मालिक चलाते हैं।

बढ़ती उम्र को रोकें....

रोजमर्रा की भागदौड़ और जिम्मेदारियों को पूरा करने के चक्कर में युवाओं की उम्र कब बढ़ने लगती है पता ही नहीं चलता। लेकिन चेहरे पर आती झुर्रियों को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाकर इससे बचा जा सकता है। खूब पानी पिएं। पानी पीने से त्वचा नम होती है और इससे झुर्रियां दूर होती हैं। पूरी नींद लें। दिन में कम से कम 7 से 8 घंटें सोएं। माइश्चराइजर का इस्तेमाल करते रहें। सिर्फ सर्दियों में ही नहीं गर्मीयों में भी त्वचा पर क्रीम लगाते रहें। सेहतमंद खाना खाएं। ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां और फल खाएं। इसके अलावा सूखे मेवे भी फायदेमंद हैं। तनाव से खुद को दूर रखें।

आनलाइन लगेगी छात्रों की हाजिरी

उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की हाजिरी अब ऑनलाइन लगेगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस योजना के तहत शिक्षकों को अब सुबह विद्यार्थियों की उपस्थिति के बाद अपने मोबाइल से बेसिक शिक्षा परिषद को मैसेज भेजना होगा, जिससे विभाग की सभी योजनाओं में होने वाले धन के दुरुपयोग को रोका जा सके। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को उनके क्लास रूम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय के रजिस्टर में हाजिरी करने के साथ ही परिषद को अपने मोबाइल से एक मैसेज भी भेजना होगा। इस मैसेज के पहुंचते ही परिषद के सॉफ्टवेयर में विद्यार्थियों की हाजिरी लग जाएगी।

दाढ़ी से फायदा या नुकसान...?

फैशन और ट्रैंड के चलते आजकल लड़के लंबी दाढ़ी और मूंछे रखने लग गए हैं। हालांकि दाढ़ी और मूंछ में लड़के बहुत ही स्मार्ट दिखाई देते हैं लेकिन यह बात भी सामने आई है कि दाढ़ी रखना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है। हालांकि कुछ शोध बताते है कि लड़कियां दाढ़ी रखने वाले लड़कों को कम ही पसंद करती हैं। इसके समर्थन में वे कारण गिनाए गए हैं कि क्यों लड़कियों को दाढ़ी वाले लड़के पसंद नहीं हैं। तो हम यहां जानेंगे दाढ़ी के कितने फायदे हैं और कितने नुकसान।

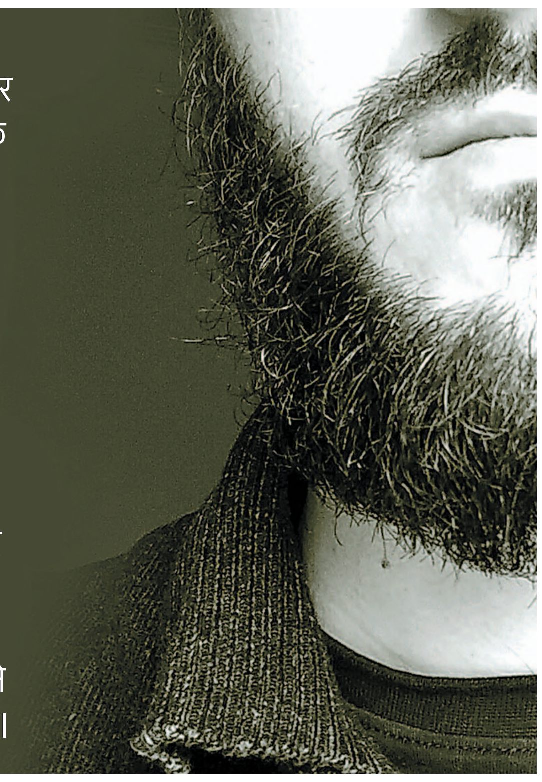

मूंछ और दाढ़ी रखने वाले युवाओं की पर्सनैलिटी को लोग दो तरीके से जज करते हैं। कुछ लोगों की नजरों में जहां वे हैंडसम और डैशिंग कहलाते हैं, तो वहीं कुछ लोगों को वे आलसी नजर आते हैं। प्रोफेशनल लुक में भी कई बार दाढ़ी और मूंछ प्रॉब्लम खड़ी करती है। लेकिन बहुत ही कम लोग इस बात से वाकिफ होंगे कि चेहरे पर दाढ़ी कई प्रकार की समस्याओं से दूर रखती है। हालांकि, कई बार ज्यादा दाढ़ी इरिटेट भी करती है, लेकिन समय-समय पर इसकी ट्रिमिंग कराकर इरिटेशन से बचा जा सकता है।

स्किन कैंसर से बचाव

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि सूर्य से निकलने वाली हानिकारक यूवी किरणों से दाढ़ी बचाव करती है। दाढ़ी के बाल 95 प्रतिशत तक इन हानिकारक यूवी किरणों को रोकते हैं। शरीर के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक ये किरणें जानलेवा बीमारी कैंसर का कारण भी बन सकती हैं। इन किरणों से बचने के लिए दाढ़ी रखना सेहत और स्टाइल, दोनों लिहाज से अच्छा रहता है।

एलर्जी की समस्या दूर

धूल और पॉल्यूशन के कारण होने वाली एलर्जी और अस्थमा की समस्या को कम करने में भी दाढ़ी के बाल बहुत ही मददगार होते हैं। ये बाल एक प्रकार से फिल्टर का काम करते हैं, जो चेहरे पर किसी भी चीज को डायरेक्ट पहुंचने से रोकते हैं। आंखों की पलकें और नाक के बाल भी यही काम करते हैं। फिल्टर के बाद प्योर ऑक्सीजन बॉडी में पहुंचती है।

बनाए रखे जवां

एजिंग की समस्या को कम करती है दाढ़ी। दाढ़ी पॉल्यूटेड एनवायरन्मेंट से स्किन को बचाती है, जिससे असमय दिखने वाले बुढ़ापे की समस्या भी दूर होती है। चेहरे को पानी से धोने पर नमी बनी रहती है। साथ ही, चेहरे के सेबेसियस ग्लैंड्स भी बिअर्ड से कवर्ड रहते हैं। इनसे नमी को बनाए रखने वाले ऑयल निकलते हैं। स्टाइल के लिए रखी जाने वाली

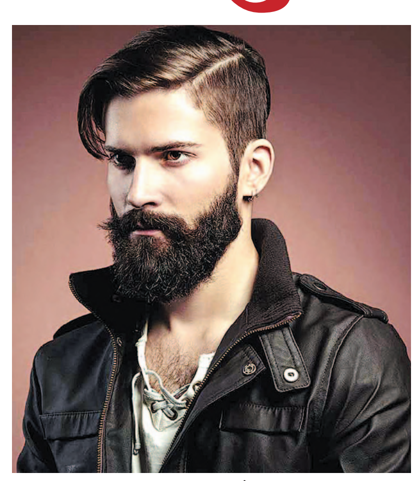

बियर्ड जहां उम्र कम दिखाती है, वहीं कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि बियर्ड से उम्र ज्यादा नजर आती है।

बीमार की आशंका कम

गर्मियों में गर्मी से और सर्दियों में सर्दी से बचाने में दाढ़ी कारगर साबित होती है। दाढ़ी सर्दी में चेहरे को गर्म रखने का काम करती है। बाहर की ठंडी हवाएं डायरेक्ट चेहरे तक नहीं पहुंच पाती। पुराने समय में ऋषि-मुनि दाढ़ी-मूंछ रखते थे। संभवतः इसके पीछे उनका मकसद रोगमुक्त होना रहा हो।

इन्फेक्शन से बचाव

दाढ़ी चेहरे पर होने वाले कई सारे बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, फॉलिकल्स और दाग-धब्बों से बचाती है। शेविंग के दौरान स्किन कट जाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन्स हो जाते हैं। साथ ही, कई बार ये बड़े घाव तक बन जाते हैं। जो लोग दाढ़ी रखते हैं, उनके साथ ये समस्या नहीं हो सकती।

दाग-धब्बे ऑल क्लीयर

चेहरे के बाल कई प्रकार के दाग-धब्बों, जलने-कटने से बचाने के साथ ही उन्हें छिपाते भी हैं। ये चेहरे के ग्लो को भी बनाए रखते हैं। पुरुषों का दाढ़ी रखना इसलिए भी फायदेमंद माना गया है।

नेचुरल मॉइश्चराइजर

ड्राय स्किन की शिकायत सिर्फ महिलाओं के साथ ही नहीं, पुरुषों के साथ भी हो सकती है। इससे बचने के लिए मॉइश्चराइजर और क्रीम लगाते हैं, लेकिन दाढ़ी भी स्किन को ड्राय होने से बचाती है।

दाढ़ी के नुकसान भी

मर्दों की दाढ़ी को लेकर और दो तरह के अध्ययन किए गए हैं। पहले सर्वे में करीब 100 आदमियों पर अध्ययन किया गया, जिनकी उम्र 18 से 72 साल के बीच थी। ये 100 पुरुष भारत और अमरीका से थे। इन सभी पुरुषों की दाढ़ी अलग-अलग तरह की स्टाइल और लेंथ में थी। इस आधार पर इनके सामने कुछ सवाल रखे गए। इस सर्वे के अनुसार, दाढ़ी रखे 86 प्रतिशत भारतीय मर्द और 65 फीसदी अमरीकी मर्द तुलनात्मक रूप से अधिक रूढ़िवादी पाए गए। एक ऑनलाइन सर्वे द्वारा कराए गए इस सर्वे में पाया गया है कि दाढ़ी रखने वाले पुरुष अपनी पार्टनर के प्रति कम वफादार होते हैं। वहीं एक अन्य रिसर्च में कहा गया है कि ऐसे ज्यादातर पुरुष धोखेबाज होते हैं। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो दाढ़ी रखना काफी नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

क्या सोचती हैं लड़कियां

गुस्सैल दिखना: दाढ़ी वाले युवा गुस्सैल दिखते हैं। एक शोध में यह पाया गया है कि आमतौर पर लड़कियां दाढ़ी रखने वाले युवाओं को गुस्सैल और लड़ाकू समझती हैं।

गुदगुदी होती है: वैसे तो अपने मेल पार्टनर की दाढ़ी में हाथ फेरना कुछ महिलाओं के लिए रोमांटिक हो सकता है, लेकिन कई अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि दाढ़ी-मूंछ के चलते महिलाओं को गुदगुदी होती है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। दाढ़ी चुभने पर महिलाओं का मूड ऑफ हो जाता है।

दाढ़ी से एलर्जी: जाहिर है जिन लोगों की स्किन हाइपर सेंसिटिव है, जिन्हें हल्की दाढ़ी भी चुभती है और फौरन रैशेज निकल आते हैं, उनके करीब जाना खतरों से भरा है।

उम्रदराज दिखते हैं: लड़कियों का मानना है कि क्लीन शेव लड़के यंग दिखते हैं, लेकिन दाढ़ी में वो ज्यादा मैच्योर और उम्रदराज नजर आते हैं।

क्लीन शेव वालों की छवि: जो लड़के क्लीन शेव होते हैं, उनके बारे में धारणा यह है कि वे सफाई पसंद होते हैं और हाइजीन का ख्याल रखते हैं।

स्टाइल स्टेटमेंट बन गए बेल्ट...

बेल्ट, है तो बहुत छोटा परंतु दाम में आपकी किसी पोशाक का मुकाबला कर सकता है। इसे पहले केवल पैंट को कसने के लिए पहना जाता था लेकिन आज यह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी है। यह सुंदर चीज बहुत छोटी है लेकिन बडी स्टाइलिश। जब आप इसे अपनी कमर पर बांधते हैं, ये आपके पूरे रूप को परिवर्तित कर देता है। इसे पुरुष अपनी पतलून के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसे पहले इसे केवल चमडे से बनाया जाता था किंतु आज ये कपडे या कृत्रिम चमड़े में भी बनी मिलती है।

चमड़े का बेल्ट: चमड़े का बेल्ट चाहे काले रंग का हो या भूरे रंग का आपको एक फॉर्मल लुक देने में मदद करता है। आप इस बेल्ट को अपनी फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते हैं। चूंकि ये बेल्ट चमड़े के बने होते हैं इन्हें संभालकर रखना बहुत जरूरी है। कमरे में यहां-वहां फेंकने से ये खराब हो सकते हैं।

ब्रैडेड बेल्ट: सुंदर ब्रैडेड बेल्ट के साथ अपने अद्भुत व कूल रूप को प्रकट करें। यदि आप लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं तो ये बेल्ट आपकी इस तमन्ना को पूरा कर सकता है। एक अच्छा लुक पाने के लिए इसे अपनी किसी भी सादी पतलून के साथ पहनें।

नियॉन बेल्ट: रंग-बिरंगे नियॉन बेल्ट आपके होश उडा देंगे। अब तक आप बेल्ट को अपनी पैंट को टिकाए रखने के लिए खरीदते थे। परंतु ये नियॉन बेल्ट एक फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए एवं आपको एक स्टाइलिश लुक प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। हज़ारों की भीड में अपनी एक अलग पहचान बनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति इस बेल्ट को खरीद सकते हैं। इस बेल्ट को पुरुषों व महिलाओं दोनों द्वारा पहना जा सकता है।

टेक्स्चर्ड बेल्ट: कुछ टेक्स्चर्ड बेल्ट चमड़े के बने होते हैं तो कुछ कपड़े के। दोनों की तुलना में कपड़े के बेल्ट ज्यादा कारगर साबित होते हैं और इसे फाक्स सूड कहा जाता है। सूड बेल्ट काफी आरामदायक होते हैं और ये लेनिन व खाखी कॉम्बो के साथ सही बैठते हैं। हमें इसकी आरामदायक पकड व सुंदरता बेहद पसंद है। इस बेल्ट की खासियत को जानने के लिए इसे एक बार जरूर पहनें।

ट्रैवल बेल्ट: क्या आप अक्सर टुर पर रहते हैं? तथा पैसों के साथ अपने जरूरी दस्तावेजों को संभालना आपके लिए बहुत जरूरी हो जाता है? तो ट्रैवल बेल्ट पर एक नजर डालें। ट्रैवल बेल्ट में मौजूद चोर पाकिट आपके पैसों व कार्ड को संभाले रखने में मदद करता है।

ज्यादा वजन में भी स्मार्ट दिखें...

मर्दों की चाहे कितनी भी उम्र हो जाए, लेकिन लड़कियों की तरह वे भी अपने वजन से कम ही दिखना चाहते हैं। मोटापा युवाओं को उम्र से ज्यादा बड़ा दिखता है और स्टाइल में भी कमी ला देता है, लेकिन अपने पहनावे में कुछ छोटे मोटे बदलाव कर के, पतले और स्मार्ट दिख सकते हैं। जानिए, इसके लिए क्या करने की जरूरत है।

फिटिंग के कपड़े: यह सोचना छोड़ दें कि ढीले ढाले कपड़ों में आप मोटे नहीं दिखेंगे। ढीले कपड़े मोटापे को और उभारते हैं इसलिए अपनी फिटिंग के ही कपड़े पहनें।

सीधी लाइन वाली शर्ट: ज्यादा वजन वाले युवाओं को सीधी लाइन वाली शर्ट ही पहननी चाहिए। ऐसा करने से उनकी तरफ देखने वाले लोगों की नजर उन रेखाओं पर जाती है यानी ऊपर से नीचे न कि वजन यानी दाएं से बाएं। यह साबित भी हो चुका है कि इंसानी दिमाग पहले सीधी लंबी रेखाओं की तरफ ही जाता है।

शर्ट को टक इन न करें: कोशिश करें हर बार शर्ट या टीशर्ट को पैंट के अंदर टक इन कर के न चलें। टक इन कर ने पर आपका पेट निकला हुआ दिखेगा जो जाहिर है आप नहीं चाहते।

गाढ़े रंग के कपड़े: गाढ़े रंग के कपड़े आप पर ज्यादा फबेंगे। ये भी एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है कि एक ऊपर से नीचे तक एक जैसा गाढ़ा रंग का कपंड़ा पहनने वाला पतला दिखता है।

दाढ़ी और बाल: अपने बालों और दाढ़ी को इस तरह ही रखें जिससे आपका चेहेरा लंबा दिखे। इससे आप भी पतले दिखेंगे। फ्रेंच स्टाइल दाढ़ी जो ठुड्डी की तरफ लंबी हो, आप पर जमेगी।

HEALTH

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है कि शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

आपसे कुछ चाहता है माइक्रोसॉफ्ट...

दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट जल्दी ही एंड्रॉयड के लिए ऑफिस प्रोडक्ट लॉन्च करने जा रही है। इससे आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवरपॉइंट जैसे सॉफ्टवेयर अपने स्मार्टफोन और टैबलेट पर इस्तेमाल कर सकेंगे। माइक्रोसॉफ्ट चाहता है कि एंड्रॉयड इस्तेमाल करने वाले लोग उसके इस नए प्रोडक्ट की बीटा टेस्टिंग में उसकी मदद करें। ये बीटा टेस्टिंग वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, विसिओ, वन नोट, एक्सेस, पब्लिशर और आउटलुक के लिए होंगे।

क्या करना होगा ?

इसके लिए आपको माइक्रोसॉफ्ट के शेयरप्वाइंट वेबसाइट पर जाकर रेजिस्ट्रेशन करना होगा। ये बीटा टेस्टिंग आप होम या बिजनेस यूजर के लिहाज से कर सकते हैं। इसके बाद आपको कई तरह के एप्लीकेशन और सर्विस को समझने का भी मौका मिलेगा। बस एक बात का ध्यान रखना होगा। आपके ऑफिस 365 सॉफ्टवेयर में जो भी सॉफ्टवेयर हैं आप सिर्फ उन्हीं से जुड़े प्रोडक्ट्स के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। इसकी फिलहाल कोई गारंटी नहीं है कि आपको ये मौका मिल ही जाएगा, पर अगर आप दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी की छोटी मदद कर सकते हैं तो आपके लिए ये बड़ी बात होगी।

माइक्रोसॉफ्ट को क्या फायदा

माइक्रोसॉफ्ट को इससे यह फायदा होगा कि उसे बीटा टेस्टिंग के जरिये लोगों की पसंद-नापसंद का पता चल जाएगा। डेस्कटॉप सॉफ्टवेयर के बाजार में माक्रोसॉफ्ट का 90 फीसदी से भी ज्यादा का हिस्सा है। पिछले दशक में माइक्रोसॉफ्ट ने मोबाइल फोन और स्मार्टफोन की क्रांति पर ध्यान नहीं दिया जिससे बाजार अब गूगल और एप्पल के नाम हो गया है, लेकिन अब मोबाइल सॉफ्टवेर के बाजार में भी माइक्रोसॉफ्ट अपना हिस्सा बढ़ाना चाहता है।

संपादकीय

हिंदी साम्राज्यवादी भाषा नहीं

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की पार्टी के गुंडों ने एक दुकानदार को थप्पड़ों से खूब पीटा। कारण सिर्फ यह था कि दुकानदार मराठी भाषा में बोल नहीं पाया। यह दुकानदार की ही नहीं, बल्कि देश की राजभाषा हिंदी की पिटाई की गई है। ऐसे असंख्य मामले तमिलनाडु में भी सामने आए हैं, जहां हिंदी भाषियों को लतियाया गया है। मुंबई में राजनीतिक गुंडे उत्तरी भारत के लोगों को बार-बार खदेड़ते रहे हैं, लिहाजा यह एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। दरअसल केरल में नंबूदरीपाद से लेकर तमिलनाडु में पेरियार के हिंदी-विरोधी आंदोलन तक हिंदी लगातार पिटती रही है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पां किए जाते रहे हैं कि यह साम्राज्यवाद की भाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य भाषाओं को खा जाएगी। उनके भाषा-क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। ये मिथ्या धारणाएं हैं। संविधान में कोई साम्राज्यवादी भाषा स्थान पा सकती है? भारत के संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के तौर पर मान्यता दी गई है। देवनागरी को आधिकारिक लिपि के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान सभा में इस पर लंबी चर्चाएं की गईं, अंततः 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा तय किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी संबंधी प्रावधान हैं। संविधान का भाग 17, अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा से संबंधित प्रावधानों को समर्पित है। अनुच्छेद 351 में केंद्र सरकार को हिंदी भाषा के विकास और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्त्वों को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन सके। देश हर 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाता है, बेशक हमें ऐसे आयोजन और ऐसी व्यवस्था 'रस्मी' लगते रहे हैं। यकीनन हिंदी देश के बहुसंख्यक वर्ग की भाषा है। करीब 60-65 करोड़ भारतीय हिंदी बोल, लिख, समझ और अभिव्यक्त कर सकते हैं। मराठी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि अहिंदी भाषी राज्यों, क्षेत्रों के राजनेता, सांसद, लेखक, कलाकार आदि हिंदी भाषा सीखते हैं, बोलने का अभ्यास करते हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बन सकें। कई अहिंदी भाषी लेखक, बंगाल की महाश्वेता देवी और महाराष्ट्र के विजय तेंदुलकर आदि, तभी 'राष्ट्रीय' बन पाए और उन्हें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' आदि से सम्मानित किया गया, जब उनकी कृतियों के हिंदी अनुवाद प्रकाशित हुए। बंगाल के प्रतिष्ठित, विख्यात लेखक शरत चंद्र और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास हिंदी के प्रकाशकों ने खूब छापे हैं। देश में उनका एक निश्चित पाठक वर्ग भी है। भारत के सर्वप्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार हैं रवींद्र नाथ टैगोर। उनकी 'गीतांजलि' का अनुवाद भी हिंदी में किया गया, जो आज तक हिंदी पाठकों के बीच बिक रहा है। सवाल है कि देश को भाषायी आधार पर क्यों बांटा जा रहा है? यदि महाराष्ट्र में किसी हिंदी-भाषी दुकानदार को पीटा जाता है अथवा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मद्देनजर 'त्रिभाषा फॉर्मूले' में भी हिंदी का स्थान छीना गया है, तो यह सरासर संविधान का उल्लंघन है, लिहाजा आपराधिक भी है। यह ठाकरे बंधुओं की क्षुद्र राजनीति हो सकती है, क्योंकि बीएमसी के चुनाव बहुत करीब हैं। राज ठाकरे के सियासी गुंडे तो लंबे अंतराल से महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों को पीटते रहे हैं, लेकिन मराठी मानुष भी उस पार्टी को वोट नहीं देते, लिहाजा उसका एक भी विधायक सदन में चुन कर नहीं आ पाया है। मुंबई में 'बॉलीवुड' भी है, जो अरबों का एक उद्योग है। देश भर से लोग उसमें सक्रिय हैं। जो घोषित तौर पर 'सुपर स्टार' हैं और अरबों कमा रहे हैं, उनमें से अधिसंख्य मराठी नहीं हैं। आज वे इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं? शायद वे भी ठाकरे बंधुओं की राजनीति से डरते होंगे! वे 'सुपर स्टार' कहां छिप जाते हैं, हमें नहीं पता। इन दिनों बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्में हिंदी में डब की जा रही हैं। रजनीकांत और कमल हासन इसी तरह 'राष्ट्रीय सुपर स्टार' बन सके। ऐसी फिल्में खूब मुनाफा कमाती हैं, लेकिन हिंदी की बात आती है, तो पीटने वालों के पीछे छिप जाते हैं। यह कैसी नैतिकता और राष्ट्रीयता है? बहरहाल हिंदी विश्व की चौथे नंबर की भाषा है। लोकसभा की आधी से अधिक सीटें हिंदी क्षेत्र की हैं। देश के सर्वाधिक प्रधानमंत्री हिंदी क्षेत्रों से आए हैं।

> मुंबई में राजनीतिक गुंडे उत्तरी भारत के लोगों को बार-बार खदेड़ते रहे हैं, लिहाजा यह एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। दरअसल केरल में नंबूदरीपाद से लेकर तमिलनाडु में पेरियार के हिंदी-विरोधी आंदोलन तक हिंदी लगातार पिटती रही है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पां किए जाते रहे हैं कि यह साम्राज्यवाद की भाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य भाषाओं को खा जाएगी। उनके भाषा-क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। ये मिथ्या धारणाएं हैं। संविधान में कोई साम्राज्यवादी भाषा स्थान पा सकती है? भारत के संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के तौर पर मान्यता दी गई है। देवनागरी को आधिकारिक लिपि के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान सभा में इस पर लंबी चर्चाएं की गईं, अंततः 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा तय किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी संबंधी प्रावधान हैं।

बैकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके

मध्यमवर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

प्रह्लाद सबनानी

> वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंतत: देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अत: आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं। बैंकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे

निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके। ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है। भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैंकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें। भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

कुछ अलग

यहां भट्ठा बैठ रहा

आपदा यह भी है कि प्रदेश सरकार के एक मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ एफआईआर का मसौदा दिल्ली तक तलब हो गया और यह भी कि ढहते हिमाचल में फोरलेन भी गुनहगार है। 'विकास के ताबूत में बंद खिड़कियां, तेरे मेरे घर ने सिर्फ ढहते वक्त देखीं।' भट्ठाकुफर में भट्ठा बैठा है, तो इमारतों का विध्वंस और एनएचएआई के अधिकारियों को 'कंस' बना पीटना हमारी कानून व्यवस्था का ढहना है। मंत्री का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन घर की पहरेदारी में दीया जलाना उचित है, न कि मशाल से अमन की घास को जलाना जरूरी है। अब भट्ठाकुफर ने संयम के कई बांध तोडक़र यह साबित कर दिया है कि मोर्चे सजेंगे और हम दानव की तरह फैसला करेंगे। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की परियोजनाओं ने प्रभावित लोगों की संपत्तियों के प्रति गैर जिम्मेदारी दिखाई है, वरना जमीन की एक दरार पूरी बस्ती को खाली कर सकती है। पहाड़ पर निर्माण की आचार संहिता अगर सडक़ को पारिस्थितिकीय संकट तक ले जा रही है, तो बहुमंजिला इमारतों के नैन-नक्श भी डायनों से कम नहीं। आश्चर्य यह कि यह सब टीसीपी कानून की देखरेख में हो रहा, भवन निर्माण के नक्शों पर किए गए हस्ताक्षर भी तो दोषी रहे हैं। आज का गिरना, अतीत के गिरने से भिन्न नहीं। गिरे तो हम बार-बार। सोलन के फ्लैट्स से गिरने की कहावत विकास से जुड़ गई, तो कुमारहट्टी तक के पैबंद सामने आ रहे हैं। यानी हम बिल्डर तो बन गए, लेकिन सुरक्षित भविष्य की नींव के पत्थर नहीं बन सके।

देश दुनिया से

अर्थ-प्रधान विश्व करि राखा

गूगल बाबा हमारे बारे में इतना कुछ जानते हैं जितना खुद हमें भी अपने बारे में पता नहीं है। हम बहुत सी बातें भूल जाते हैं, गूगल नहीं भूलता। हमारी याद्दाश्त सिलेसिलेवार नहीं है, गूगल का डेटा एकदम सटीक है। हम क्या खाते हैं, कहां जाते हैं, क्या पहनना पसंद करते हैं, कहां पैसा लगाते हैं, कहां खर्च करते हैं, कितना खर्च करते हैं, आदि का पूरा डेटा विभिन्न स्रोतों से गूगल और ऐसी ही मार्केटिंग कंपनियों के पास है। ये कंपनियां एक-दूसरे को डेटा बेचने या डेटा देने का काम करती हैं और एक तरह से हम सब इन कंपनियों के सामने वस्त्रहीन ही हैं, हमारे पास निजता या प्राइवेसी नाम की कोई चीज अब बची नहीं है। मार्केटिंग कंपनियां अब अपने उत्पादों और अपनी सेवाओं की कमियों के बारे में आधी-अधूरी जानकारी देती हैं, उनसे होने वाले नुकसान के बारे में चुप्पी साध लेती हैं, खूबियों को बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं और उसमें भी झूठ का मुलम्मा चढ़ा देती हैं। इन कंपनियों ने समझ लिया है कि जमाना पैकेजिंग का है, सो जो कुछ भी बेचना है उसे आकर्षक रूप में पेश करना इनकी महारत बन गई है। जीवन का कोई भी क्षेत्र इन कंपनियों की चालाकियों से अछूता नहीं रह गया है। फटाफट ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने का लालच और पैसे की दौड़ में व्यस्त दुनिया की हालत इतनी असंवेदनशील हो गई है कि लगता है कि पूरी दुनिया ही 'अर्थ-प्रधान विश्व करि राखा' के रोग से ग्रस्त हो गई है। हालात इतने खराब हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की शुचिता पर भी विश्वास डिगने लग गया है। कहने को तो मनुष्य इस धरती का सर्वाधिक उन्नत जीव है लेकिन विडंबना यह है कि इस धरती पर अकेला मनुष्य ही ऐसा जीव है जिसे अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए वृहत मार्गदर्शन ही नहीं बल्कि दवाओं, टीकों और आपरेशन आदि की भी आवश्यकता है। तुर्रा यह कि इलाज के दौरान कोई डॉक्टर या अस्पताल हमारा कितना नुकसान कर देगा कहना मुश्किल है। यही नहीं, ऐसे बहुत से मामले नजर में आते हैं जहां किसी मरीज की मृत्यु के बाद भी बहुत से नामचीन अस्पताल मरीज को वेंटिलेटर पर रखा हुआ दिखाकर बिल बढ़ाने से भी नहीं हिचकते। चिकित्सा जगत से जुड़े लोग अपनी अनौपचारिक बातचीत में अक्सर स्वीकार करते हैं कि चिकित्सा विज्ञान का हर विद्यार्थी अधिकांश बीमारियों के बारे में जो पहली बात सीखता है वह है- 'यह बीमारी कई विभिन्न कारणों से हो सकती है। अभी हमें इस बीमारी के सभी सही कारणों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज संभव नहीं है।' यही कारण है कि बीमारी को समझने का काम बहुत कुछ परंपरागत तरीकों से भी किया जाता है और बीमारी का सही निदान बहुत कुछ संबंधित चिकित्सक के अनुभव और कुशलता पर निर्भर करता है। इसमें एक और बाधा यह है कि बीमारी के निदान के समय चिकित्सक की अपनी मनोस्थिति यदि ठीक न हो, यानी वह थका हुआ हो, उदास हो, निराश हो, क्रोध में हो, पछतावे की भावना आदि का शिकार हो तो उसके अनुभव और कौशल के बावजूद निदान एकदम गड़बड़ भी हो सकता है क्योंकि वैधानिक रूप से स्वीकृत बहुत सी दवाइयों के साइड इफैक्ट भी इतने खराब हो सकते हैं मानो रोगी नशे का आदी रहा हो, जबकि मरीज ने जीवन में कभी बीड़ी-सिगरेट तक को भी न छुआ हो। रोज-रोज प्रकाशित होने वाले शोध कार्यों का हाल भी कोई बहुत अच्छा नहीं है। बिना पूरी प्रक्रिया के शोध स्वीकृत हो जाने के मामलों की तो कमी कभी नहीं रही, पर इससे भी बड़ी बाधा यह है कि शोध करने वाली टीम के निष्कर्ष उन्हें प्रायोजित करने वाली कंपनियों की आवश्यकताओं के हिसाब से बनाए जाने लग गए हैं, यानी शोध के नाम पर होने वाले काम जालसाजी सरीखे हो गए हैं। यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए कि स्वास्थ्य संबंधी शोध कार्यों का हाल भी इससे कोई अलग नहीं है। हमारा जीवन बहुत सरल था, अब भी सरल हो सकता है लेकिन दिखावे, सुविधा, अहंकार और आलस्य के कारण हम विभिन्न कंपनियों के जाल में फंसकर भाग-दौड़ भरा जीवन जीने के लिए विवश हो गए हैं। किसी भी शहर के किसी बड़े स्कूल में पढ़ रहे छोटे-छोटे बच्चों से बात कीजिए तो आपको समझ आ जाएगा कि हमारे बच्चे भी दिखावे की प्रवृत्ति के शिकार हैं। इन नौनिहालों में भी इस बात की प्रतियोगिता रहती है कि स्कूल की छुट्टियों के दौरान मम्मी-पापा हमें किस देश में लेकर गए, सप्ताहांत का हमारा डिनर किस होटल में होता है, हम कौन से ब्रांड के कपड़े पहनते हैं, किसके पास कौन सा नया खिलौना आया है, जन्मदिवस पर क्या-क्या आडंबर किए गए, आदि बातें इन बच्चों की आपसी चर्चा में भी शामिल हो गई हैं। पति-पत्नी दोनों जॉब में हैं, दोहरी आय है तो दिखावा करना आ ही जाता है। पैसा थोड़ा भी फालतू हो तो सुविधाएं बढ़ जाती हैं, सुविधाएं बढ़ें तो 'बड़े आदमी' होने का अहंकार आ ही जाता है, सुविधाएं बढ़ें तो विलासिता ही नहीं, आलस्य भी जीवन का हिस्सा बन जाता है क्योंकि हर काम करने के लिए कोई न कोई सहायक मौजूद है ही। अब जीवन ऐसा है तो यह भी आवश्यक है कि पैसा अधिक हो, अधिक से भी कुछ अधिक हो। पैसा अधिक कमाना है तो जीवन में भागदौड़ बढ़ गई है। हम हमेशा जल्दी में ही हैं। आवश्यक कामों के लिए भी समय नहीं है। परिणाम यह है कि समयाभाव और अहंकार के चलते सबसे करीबी रिश्ते भी टूट रहे हैं। तलाक के ऐसे-ऐसे मामले सामने आते हैं कि दांतों तले उंगली दबानी पड़ जाती है। रिश्तों की टूटन ने भाई को भाई का, बच्चों को मां-बाप का और पति-पत्नी को एक-दूसरे का दुश्मन बना दिया है। शादी के नाम तक से डर लगने लगा है कि पता नहीं जीवन साथी बनने वाला शख्स हमारे जीवन का हंता ही तो नहीं बन जाएगा। जीवन को सरल बनाना कोई ज्यादा मुश्किल नहीं है। हम सिर्फ एक ही बीमारी 'लोग क्या कहेंगे?' को छोड़ दें तो आधी समस्याएं खुद ही खत्म हो जाएंगी। दिखावा बंद हो जाए तो इच्छाओं पर नियंत्रण संभव है। इच्छाएं नियंत्रित हो जाएं तो लालच खत्म, लालच खत्म तो पैसे की हाहाकार खत्म, अनावश्यक पैसे की चाह गई तो जीवन की फालतू भागदौड़ खत्म, और फिर जीनव में शांति और सुकून।

आप का नजरिया

लुप्त होता समाज भारतीय समाज

सावधान हो जाइए ! भारत सहित पश्चिमी देशों में कुछ ही दशक बाद फैमिली सिस्टम का अंत निकट है। परिवार लगातार टूट रहे हैं , बिखर रहे हैं , समाप्त हो रहे हैं। इस समय फैमिली सिस्टम को बचाना पश्चिमी जगत का सबसे बड़ा मुद्दा है। भारत के सनातनी समाज में भी फैमिली सिस्टम बड़ी तेजी से सिमट रहा है । फैमिली सिस्टम यूँ ही बिखरता रहा तो भविष्य खराब है । आज पश्चिमी समाज को तबाही का दृश्य दिखाई पड़ने लगा है । कल भारत भी इसी दौर से गुजरनेवाला है। मशहूर पश्चिमी लेखक डेविड सेलबोर्न की किताब " loosing battle with islam " में आँखें खोलने वाले खुलासे किए गए हैं । बताया गया है कि ईसाई जगत के समान सनातनी जगत के सामने भी ऐसा ही खतरा है। यहूदियों ने इस खतरे पर पार पा लिया है। डेविड के अनुसार इस्लाम के सशक्त फेमिली सिस्टम से पश्चिमी दुनिया हार रही है। पश्चिम में लोग शादी करना पसंद नहीं करते। समलैंगिकता , अवैध सम्बन्ध , लिव इन रिलेशनशिप आदि से फैमिली सिस्टम टूट गया है । पश्चिम में ऐसे बच्चों की तादाद बढ़ती जा रही है , जिन्हें अपने पिता का पता नहीं । मां बाप के साथ रहने का चलन पश्चिम पूरी तरह भूल चुका है । लोगों का बुढ़ापा ओल्ड एज होम्स में गुजर रहा है । नतीजा यह कि पश्चिमी बच्चे दादा दादी , नाना नानी , चाचा ताऊ जैसे रिश्तों के नाम भी भूल चुके हैं ।अब तो नो चाइल्ड लाइफ स्टाइल बहुत शीघ्र पश्चिम को बर्बाद कर देगा । आबादी घटने से उत्पन्न अकेलेपन के सबसे बड़े शिकार जापान और दक्षिण कोरिया हैं । कारण , खाओ पियो ऐश करो , नो चाइल्ड ऑनली प्लेजर, ऑनली मस्ती। गौर से देखने पर पता चल जाता है कि भारत का हिन्दू समाज भी उधर बढ़ चुका है जहां से पश्चिमी जगत के सामने अंधेरा ही अंधेरा नजर आ रहा है । सॉलिड फेमिली सिस्टम के कारण अमेरिका , ब्रिटेन , जर्मनी और फ्रांस में इस्लाम की संख्या बढ़ती जा रही है। इस्लाम धर्म में परिवार वास्तव में मजबूत इकाई है । परिवार को जोड़े रखने की कला यहूदियों ने इस्लाम से सीखी है और अपनी आबादी बढ़ाई है। पश्चिम में अकेला होता जा रहा आदमी भयावह ऊब और घुटन का शिकार है। भारत के शहरों में ही नहीं , कस्बाई जीवन में भी अकेलापन प्रवेश कर चुका है । भारत में भी पाएंगे कि समाज में भी चाचा , भतीजा , बुआ , ताऊ , मामा , मौसी और यहां तक कि सगे भाई सगी बहन के रिश्ते भी धीरे धीरे समाज में खत्म हो रहे है । यह घोर चिन्ता का विषय है , दुर्भाग्य से इस पर चिंतन अभी शुरू भी नहीं हुआ है । इसका एक प्रमुख कारण विवाहित बेटियों का अपने मैके में दखल देना तथा बेटियों के मां को उनके ससुराल में दखलंदाजी है। विवाहित बहन भी अपनी उल्लू सीधा कर भाइयों को आपस में खूब लड़वाते हैं। याद कीजिए चीन ने वन चाइल्ड पॉलिसी लागू कर अपनी आबादी घटाई जो अब भारत से कम हो गई । वहां भी चीनी जनता ने जब वन चाइल्ड के बजाय नो चाइल्ड अपनाना शुरू किया तब चीन ने दो बच्चों की इजाजत दी । आज दुनिया के अनेक देशों में आबादी बढ़ाने के अभियान चल पड़े हैं । भारत में भी कुछ धार्मिक गुरु ज्यादा बच्चे पैदा करने को कह रहे हैं । बहरहाल एक समस्या तो है जिसका समाधान खोजना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है । समाज तभी बनता है जब परिवार हो। समाज की सबसे बड़ी ताकत संयुक्त परिवार थी जो अब लगभग मर चुका है । मैं , मेरी बीबी और मेरे बच्चे सिद्धांत ने परिवारों के बीच दीवारें खड़ी कर दी है। नारी को इस बाबत सबसे ज्यादा विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि वो जननी है उसको अपना स्वहित त्याग समाज हित को देखना होगा । अपना फिगर अपना कैरियर अपनी फ्री लाइफ अपने आनन्द से ऊपर उठ परिवार समाज व सनातन धर्म के लिये संकल्प लेना होगा। आप देखिए , पश्चिम में फैले अवसाद , अकेलापन और डिप्रेशन भारत में भी बहुत गहरे प्रवेश कर चुके है। इन्हें अब रोकना होगा रोकना होगा और यह कार्य भारतीय नारी ही कर सकती है।

दृष्टि कोण

पालमपुर की सुंदरता को बचाने की चुनौती

पालमपुर हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत पर्यटक स्थल है, जहां मीलों लंबे फैले चाय के बागानों के हरे-भरे दृश्य और प्राकृतिक दृश्यावलियां लोगों के दिलों को सुकून और शांति पहुंचाती हैं और लोगों/पर्यटकों को बार-बार यहां घूमने आने के लिए आमंत्रित करती हैं, तो वहीं पालमपुर की पहचान यहां के पढ़े लिखे प्रबुद्ध और समृद्ध समाज से भी है। लेकिन अब समय के साथ साथ पालमपुर की बढ़ती आबादी, प्रवासी कामगारों की भीड़, पड़ोसी गांवों से पढने आने वाले विद्यार्थियों/कर्मचारियों और बाहर से आने वाले सैलानियों के कारण शहर के अंदर भीड़भाड़ वाला आलम बन चुका है तो वहीं पार्किंग की कोई सुव्यवस्थित प्रणाली के न होने के चलते जगह जगह लगने वाले ट्रैफिक जामों की वजह से लोगों को भारी परेशानियों से रोजाना दो चार होना पड़ता है। बढ़ते शहरीकरण और पर्यटन के कारण कई समस्याओं से जूझता हुआ यह कस्बा अब ट्रैफिक जाम, नशा तस्करों, अव्यवस्थित पार्किंग, गंदगी, अतिक्रमण, संकरे मार्गों, सड़कों की तंगी और निराश्रित पशुओं जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। यदि आप बैजनाथ की तरफ से पालमपुर की ओर आएं तो पालमपुर के निकट जैन मार्बल/कपिला और निर्दोष क्लीनिक से आगे सब्जी मंडी, बराका मोड़, आईसीआई सीआई बैंक एरिया और फिर नए बने बाईपास पुल और उसके नीचे विशाल मेगामार्ट और नए बस स्टैंड तक जैम पैक वाली हालत बनी रहती है। यही हाल ग्रेंड प्लाजा, राम चौक और घुग्घर चौक वाले इलाकों का है। यहां सडक़ें बेहद संकरी भी हैं। आजकल सुबह के समय वोल्वो बसों के पालमपुर शहर में प्रवेश से रोक के कारण निजी टैक्सी चालकों की पौबारह है। वे कालू दी हट्टी से पालमपुर के अंदर तक आने के लिए मुंहमांगा किराया मांगते हैं। पालमपुर के

चारों ओर भीड़भाड़ और बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को साफ महसूस किया जा सकता है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि क्या यह समस्याएं प्रशासन, नगर निगम और स्थानीय विधायक के संज्ञान में नहीं हैं अथवा वे जानबूझकर अंजान बने हुए हैं? इतने साल बीत जाने के बावजूद इस खूबसूरत शहर को सुचारू यातायात प्रणाली, व्यवस्थित पार्किंग और अन्य जन उपयोगी सुविधाओं से क्यों वंचित रखा गया है, यह बात समझ से परे है और मांग पालमपुर को जिला बनाए जाने की जाती है। जब वर्तमान हालात ही काबू से बाहर हैं तो फिर क्या गारंटी है कि जिला बनाने के बाद पालमपुर के हालात व्यवस्थित हो जाएंगे? दूसरे अभी चंद वर्ष पहले ही पालमपुर को आसपास की पंचायतों को मिलाकर नगर निगम का दर्जा दिया गया था। लेकिन सवाल फिर भी बरकरार है कि नगर निगम बनने के बाद पालमपुर के हालात सुधारने के लिए एमसी ने क्या क्या योजनाएं बनाईं, जिनमें सबसे बड़ी मांग पार्किंग की है। आज के दौर में कोई इनसान अपनी गाडियों को दूरदराज खड़ी करके पैदल भटकना नहीं चाहता है। वहीं कुछ छपरी टाइप या सिरफिरे ड्राइवर सडक़ों पर अपनी गाडियां बेतरतीब खड़ी करके यहां वहां घूमते फिरते हैं। भला दो तीन ट्रैफिक कर्मचारी कहां कहां व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए भटकते रहेंगे? अतएव ट्रैफिक पुलिस वालों की संख्या बढ़ाने की तुरंत आवश्यकता है। शिमला, मनाली, डलहौजी और धर्मशाला को छोड़ दें तो इन दिनों पालमपुर जैसे शहर अब पर्यटकों की दूसरी पसंद बनते जा रहे हैं, जहां दूसरे राज्यों से पर्यटक तीन चार दिन गुजारने के लिए और सुकून भरी जिंदगी का आनंद उठाने आ रहे हैं। अब पहाड़ी जगहों पर भी भीड़भाड़ और अव्यवस्थाएं इसी तरह से लोगों को झेलने को मिलें तो कोई क्योंकर ही यहां आना चाहेगा? सवाल यह भी उठता है कि आखिर एक सामान्य शहरी दुनिया जहान के टैक्स भरने के बावजूद क्योंकर सुविधा रहित अव्यवस्थित वातावरण में रहे? फिर नगर निगम, उपमंडल, विधायक और दूसरे सरकारी इदारों में बैठे लोग क्या कर रहे हैं? यदि उनके पास न नीति, न नीयत और न ही दूरदृष्टि है, और दावे करेंगे कि विकास कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। पालमपुर शहर के बीच से होकर गुजरने वाले ट्रैफिक को डाइवर्ट करने के लिए एक अल्टरनेट रिंग रोड या बाइपास जरूरी है।

अमेरिकी लोगों को असली आजादी लौटाने का वादा कर एलन मस्क ने की नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा

वॉशिंगटन, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व करीबी सहयोगी रहे टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने शनिवार को यह कहते हुए नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की कि अमेरिका की वन-पार्टी सिस्टम को चुनौती देना जरूरी है। साल 2024 के चुनाव में मस्क, ट्रंप के सबसे बड़े दानकर्ता थे, लेकिन दोनों में वन बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर अनबन के बाद मस्क की राह अलग हो गई।

एलन मस्क ने शनिवार को खुद की राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सभी को चौंका दिया। उन्होंने शनिवार को घोषणा की कि वे 'अमेरिकन पार्टी' शुरू कर रहे हैं, जो अमेरिकी नागरिकों को उनकी आजादी लौटाने के लिए बनाई गई है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा- जब बात बर्बादी और भ्रष्टाचार से हमारे देश को दिवालिया बनाने की आती है, तो हम बन पार्टी सिस्टम में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी अमेरिका के लोगों के लिए असली राजनीतिक विकल्प बनेगी।

मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला उस समय किया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके रिश्ते बेहद खराब हो चुके हैं।

वे साल 2024 के चुनाव में ट्रंप की पार्टी के सबसे बड़े न केवल दानकर्ता थे बल्कि सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में थे। हालांकि जल्द ही दोनों के बीच वन बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर ऐसे मतभेद हुए कि राहें जुदा हो गई। मस्क ने इस बिल से अमेरिकी कर्ज में भारी वृद्धि का दावा करते हुए चुनौती दी कि अगर ट्रंप ने इस बिल को पास किया तो वो नई राजनीतिक पार्टी बना लेंगे। लिहाजा, वन बिग ब्यूटीफुल बिल जैसे ही पास हुआ, मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर दी।

न्यूज ब्रीफ

इजरायल से संघर्ष के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखे

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई इसराइल के साथ हुए ईरान के 12 दिनों के संघर्ष के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए। 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में उन्हें देखा गया। तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामनेई पहुंचे। खामेनेई 13 जून को इजराइली हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे थे। तेहरान टाइम्स के मुताबिक ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में शामिल हुए। मुहर्रम की 10वीं तारीख को आशूरा कहा जाता है।तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखे। ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों तक सैन्य संघर्ष चला जो 24 जून को खत्म हुआ। इस संघर्ष के दौरान खामनेई सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे थे। कड़ी सुरक्षा के बीच वे अज्ञात स्थान पर थे। इस संघर्ष के दौरान खामेनेई की सुरक्षा को लेकर खासी चिंता थी क्योंकि इसराइल के हमले में कई शीर्ष ईरानी कमांडर और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई थी। इसराइल के साथ इस संघर्ष के दौरान खामेनेई के कुछ वीडियो संदेश आए। उनके किसी बंकर में छिपे होने का अनुमान लगाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने 13 जून से ईरान पर लगातार हमले किए।खास तौर पर 22 जून को इजराइल के समर्थन में अमेरिका के उतरने के बाद स्थितियां काफी बिगड़ गई। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया। इस हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने, रक्षा प्रणालियों, सेना के बड़े अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

एक नहीं 700 जहरीले सांपों के काटने के बाद भी जिंदा है शख्स

लंदन। सांप जिसे देखकर अच्छे अच्छो की रुह कांप जाती है, उस सांप के जहर को एक शख्स आसानी से सह जाता है उसने एक ही नहीं ऐसे 700 सांपों के जहर को अपने शरीर में प्रवेश कराया है, फिर भी वह जिंदा है। यही वजह है कि उसे नागराज भी कह सकते हैं। उसकी इस अद्भुत शक्ति को देखकर वैज्ञानिक भी हैरान है और उन्होंने उस शख्स का खून निकालकर उस पर रिसर्च शुरू कर दी। वैज्ञानिकों ने उसका खून निकाल की रिसर्च और बना ली एंटी-वेनम मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने इस शख्स के खून से एंटी-वेनम यानि सांप के जहर का इलाज बनाया है, जो कई तरह के जहरीले सांपों के काटने से सुरक्षा देता है। इस खोज ने एंटी वेनम डोज के क्षेत्र में तहलका मचा दिया है। इस शख्स का 40 मिलीलीटर खून अरबों एंटीबॉडी बनाने के लिए किया गया। उन्होंने चूहों पर इसका टेस्ट किया जो कामयाब रहा। इस शख्स का नाम है टिम फ्राइड, जिसने खुद को लंबे समय तक सांप के जहर के खिलाफ मजबूत किया है। टिम ने खुद को सांप के जहर की बढ़ती खुराकें दीं ताकि अगर कभी सांप ने उसे काटे, तो वह बच जाएं। करीब 20 सालों में उसने 700 से ज्यादा बार कई खतरनाक सांपों का जहर खुद में प्रवेश करवाया है। अब वह कोबरा, ब्लैक मेंबा, टाइपान जैसे सबसे खतरनाक सांपों के काटने के बाद भी जिंदा है। वैज्ञानिकों ने टिम फ्राइड के सिर्फ 40 मिलीलीटर खून से अरबों एंटीबॉडी बना लिए हैं। उन्होंने इन एंटीबॉडीज को चुना और चूहों पर इसका टेस्ट किया। इसके नतीजे आश्चर्यजनक आए।

जान बचाने विमान के पंखों पर कूदे यात्री, डेढ़ दर्जन से अधिक घायल

लंदन। मेजरका पाल्मा हवाई अड्डे से मैनचेस्टर के लिए रयानएयर की उड़ान को गलत फायर अलॉर्म के कारण रोक दिया गया। टर्मिनल पर लौटने से पहले विमान से उतरते समय कुछ यात्री घायल हो गए। यात्रियों को विमान के एक पंख से विमान को छोड़कर टर्मिनल पर कूदते हुए वीडियो में कैद किया गया। भयभीत यात्रियों को भागने की जल्दी में विमान के एक पंख से छलांग लगाते हुए वीडियो में देखा गया। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर बहुत तनाव पैदा हो गया था। यात्रियों को विमान के पंख से कूदते हुए देखा गया था, जो कथित तौर पर डर के कारण ऐसा कर रहे थे। बाद में अधिकांश यात्री विमान से व्यवस्थित ढंग से बाहर निकले। रयानएयर ने पुष्टि की कि ये उड़ान गलत फायर अलार्म के कारण रद्द कर दी गई थी। जबकि दमकल दल और पुलिस घटनास्थल तत्काल पहुंचे। क्षेत्रीय हेल्थ इमरजेंसी रिस्पॉन्स ने कहा कि 18 लोगों को मामूली चोटों के कारण मदद की जरूरत देखी गई है। खबरों में बताया गया कि छह लोगों को अस्पताल ले जाना पड़ा। तीन लोगों को कथित तौर पर पाल्मा के एक निजी क्लिनिक क्लिनिका रोटगर में ले जाया गया और बाकी तीन को द्वीप की राजधानी में ही स्थित हॉस्पिटल क्विरोनसालुड पामप्लानास में ले जाया गया।

रूस के बाद अब चीन भी तालिबान सरकार के साथ, ट्रंप को दिया जोरदार झटका

चीन ने कहा- अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बाहर नहीं रखना चाहिए

बीजिंग, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को रूस ने मान्यता दी है इसके बाद अब चीन भी उस पर मेहरबान है, जो कि ट्रंप के लिए एक झटका है। अमेरिका ने तालिबान को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। ऐसे में चीन और रूस ने अपनी चाल से ट्रंप को मात दे दी है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि चीन अफगान जनता के लिए दोस्ताना कूटनीति जारी रखेगा और कई क्षेत्रों में चीन और अफगानिस्तान के आदान-प्रदान व सहयोग का समर्थन करता है।

बता दें रूस ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता देने पर संबंधित सवाल के जवाब में चीनी प्रवक्ता ने कहा कि चीन रूस और अफगान अंतरिम सरकार के संबंधों के नए विकास का स्वागत करता है। अफगानिस्तान के परंपरागत मैत्रीपूर्ण पड़ोसी के नाते शुरू से ही चीन का विचार है कि अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बाहर नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा अफगान अंतरिम सरकार के साथ संवाद की मजबूती करने का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि चीन, अफगानिस्तान का पुनर्निर्माण व विकास पूरा करने में सहायता करता है, अफगानिस्तान द्वारा हिंसक आतंकवादी शक्ति पर प्रहार करने और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता व समृद्धि के लिए सकारात्मक योगदान देने का समर्थन करता है।

तालिबान को प्रतिबंधित संगठनों की अपनी सूची से हटाने के बाद रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान शासन को औपचारिक तौर पर मान्यता दे दी और ऐसा करने वाला वह दुनिया का पहला देश बन गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि उसे अफगानिस्तान के नवनियुक्त राजदूत गुल हसन से पहचान संबंधी आधिकारिक दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि अफगान सरकार को आधिकारिक मान्यता देने से 'हमारे देशों के बीच सार्थक द्विपक्षीय सहयोग' को बढ़ावा मिलेगा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया और इस फैसले का स्वागत करते हुए तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के हवाले से कहा कि यह अन्य देशों के लिए एक अच्छा उदाहरण' है।

टेक्सास में भीषण बाढ़ से 51 मौतें, - 27 बच्चे अभी भी लापता

टेक्सास। खबरों में टेक्सास में आई भयंकर बाढ़ सबसे दुखद रही। 'कैम्प मिस्टिक' नामक एक क्रिश्चियन समर कैंप में अचानक उफनती ग्वाडालूप नदी ने तबाही मचा दी। इस हादसे में 51 लोग मारे गए, जिनमें 15 मासूम बच्चे भी शामिल हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है, लेकिन अभी भी 27 बच्चे लापता हैं। स्थानीय प्रशासन और बचाव दल पूरी ताकत से लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटा है। दूसरी बड़ी खबर यूक्रेन पर रूस के हमलों को लेकर अमेरिका और चीन के अलग-अलग रुख की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत को निराशाजनक बताते हुए कहा कि पुतिन सिर्फ हिंसा बढ़ाना चाहते हैं। इसके विपरीत, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने यूरोपीय संघ से मुलाकात में कहा कि चीन रूस की हार नहीं चाहता, क्योंकि इससे अमेरिका पूरी तरह से चीन पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। यह बयान वैश्विक्क शक्ति संतुलन और भू-राजनीतिक रणनीतियों को उजागर करता है। राजनीतिक क्षेत्र में अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने ट्रंप से मतभेद के बाद अमेरिकन पार्टी की घोषणा की है। उनका मकसद अमेरिका की दो-पार्टी प्रणाली को खत्म कर 'फ्रीडम' की नई परिभाषा देना है। यह कदम अमेरिकी राजनीति में नई हलचल पैदा कर सकता है।

लाइन पर आए बिलावल बोले-तोहम हाफिज सईद और मसूद अजहर को भी सौंप देंगे

इस्लामाबाद, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि को रद्द करने के बाद पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आती नजर आ रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और देश के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान उन लोगों को सौंपने के लिए तैयार है, जिसे लेकर भारत हमेशा शिकायत करता रहता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को विश्वास बहाली के उपाय के तौर पर भारत को 'चिंता के विषय' वाले व्यक्तियों को प्रत्यर्पित करने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए।

राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (नैक्टा) के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33 साल की सजा काट रहा है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी नैक्टा ने प्रतिबंधित कर रखा है। बिलावल ने कहा कि इन 'व्यक्तियों' के खिलाफ मुकदमे वाले मामले पाकिस्तान से संबंधित थे, जैसे कि आतंकवादी गतिविधियों का वित्तपोषण। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के लिए उन पर मुकदमा चलाना मुश्किल था क्योंकि दिल्ली की ओर से बुनियादी चीजों का 'अनुपालन' नहीं किया गया। बिलावल भुट्टो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) प्रमुख हाफिज सईद और जैश-ए-मुहम्मद (जेईएम) प्रमुख मसूद अजहर को भारत को संभावित रियायतें और सद्भावना के संकेत के रूप में प्रत्यर्पित करने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। बिलावल ने कहा, पाकिस्तान के साथ एक व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में, जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा।

उन्होंने कहा, भारत कुछ बुनियादी चीजों का पालन करने से इनकार कर रहा है जिसकी दोषसिद्धि के लिए आवश्यकता होती है। यह महत्वपूर्ण है। इन अदालतों में सबूत पेश करना, लोगों को भारत से गवाही देने के लिए आना, जो भी जवाबी आरोप लगेंगे उन्हें सहन करना। बिलावल ने कहा, अगर भारत इस प्रक्रिया में सहयोग करने को तैयार है, तो मुझे यकीन है कि किसी भी 'जांच के दायरे में आए व्यक्ति 'को प्रत्यर्पित करने में कोई बाधा नहीं आएगी। उन्होंने आतंकवादियों को पकड़ने के भारत के संकल्प पर भी चिंता व्यक्त की और इसे 'नई असामान्यता' करार दिया।

टेक्सास में आई बाढ़

टेक्सास में आई बाढ़ के बाद गवाडेलुपे नदी के तट पर सामानों का मलबा नजर आ रहा।

वाइट हाउस के ऊपर से गुजरे दो बी-2 बॉम्बर ट्रंप ने किया सैल्यूट

वाशिंगटन, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' पर व्हाइट हाउस में दस्तखत करने के बाद अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक भव्य समारोह हुआ, जिसमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर और एफ-22 फाइटर जेट्स की फ्लाई-पास्ट ने माहौल को युद्ध-सा बना दिया। ट्रंप ने बिल पर हस्ताक्षर करते वक्त कहा, अमेरिका जीत रहा है, बार-बार जीत रहा है, जैसी जीत पहले कभी नहीं देखी गई। उनके साथ कई रिपब्लिकन सांसद भी मौजूद थे, जिन्होंने इस कानून को पास कराने में अहम भूमिका निभाई।

वहीं, डेमोक्रेट्स का कहना है कि इस बिल की आड़ में गरीबों के लिए चल रही कई वेलफेयर योजनाएं काट दी गई हैं। ट्रंप ने इस पर जवाब दिया, 'आपको इसका फर्क भी नहीं महसूस होगा।' हालांकि इस बिल का विरोध भी किया गया था। इस कानून से अमेरिका के लो-इनकम नागरिकों के लिए चल रहे मेडिकेड हेल्थ प्रोग्राम में अब तक की सबसे बड़ी कटौती की गई है। खाने-पीने की मदद देने वाली योजनाएं भी घटा दी गई हैं। कुछ अनुमानों के मुताबिक, 1.7 करोड़ लोग अपनी हेल्थ इंश्योरेंस खो सकते हैं, और कई ग्रामीण अस्पताल बंद होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। इस बिल को पास कराने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के भीतर काफी माथापच्ची करनी पड़ी। आखिरी वक्त तक हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में वोटों को जुटाने की जद्दोजहद चलती रही।

आखिरकार 218-214 के अंतर से बिल पास हो गया। ट्रंप ने इस मौके पर अपने स्पीकर माइक जॉनसन को धन्यवाद देते हुए कहा, 'क्या शानदार काम किया है।' डेमोक्रेट्स को उम्मीद है कि इस बिल के विरोध में जनता का गुस्सा 2026 के मिडटर्म चुनाव में काम आएगा। उनका कहना है कि ये कानून गरीबों से पैसा लेकर अमीरों को देने जैसा है।

मस्क ने किया था जमकर विरोध

इस बिल के खिलाफ ट्रंप के पुराने सहयोगी और अरबपति एलन मस्क भी खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने इसे 'हॉरिबल डे' करार दिया है और कहा है कि वे अब अमेरिका पार्टी बनाएंगे, जो इन रिपब्लिकन सांसदों को चुनौती दे सके।

नेपाल पुलिस के लिए चीनी कंपनी से खरीदे जायेंगे 159 करोड़ रुपए के हथियार

काठमांडू, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

नेपाल पुलिस और सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के लिए चीन से हथियार खरीदने के लिए सरकार ने 159 करोड़ रूपये बजट की व्यवस्था की है। सरकार ने तीन साल पहले इसी चीनी कंपनी से हथियार खरीद प्रक्रिया को रोक दिया था, अब फिर उसी सौदे को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं।

हाल ही में नेपाल की संसद से पारित बजट में नेपाल के दोनों पुलिस संगठनों के लिए हथियार खरीदने के लिए 159 करोड़ रूपये के बजट की व्यवस्था की गई है। इस बजट से तीन वर्ष पहले ही हांगकांग स्थित एक चीनी कंपनी से हथियार की खरीद प्रक्रिया को रोक दिया गया था, अब फिर उसी कंपनी से हथियार खरीदने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात सामने आई है।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक पुलिस संगठनों की तरफ से गैर घातक हथियार सामग्री खरीद की सूची गृह मंत्रालय को सौंपी गई थी। इनमें दंगा नियंत्रण करने के लिए रायट कन्ट्रोल गियर, टियर गैस, ब्लैंक फायर, रबड़ बुलेट, मल्टी गैस गन, वाटर कैनन, दमकल, गोताखोर का उपकरण, रबरबोट/मोटरबोट सामग्री थी। अब गृह मंत्रालय ने हांगकांग की चीनी कंपनी से घातक हथियार खरीदने की नई सूची तैयार की है। इनमें नेपाल पुलिस के लिए 1 हजार 9 एमएम का पिस्टल, 1550 शॉटगन, 2 लाख राउंड शॉटगन कार्टिज, 3 लाख राउंड शॉटगन रबड़ बुलेट, 24 हजार सेल टियर गैस और 10 लाख 20 हजार राउंड बारूद वाली गोली खरीदने की पुरानी सूची के मुताबिक प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इसी तरह सशस्त्र प्रहरी बल के लिए 2300 पिस्टल और 2000 शॉटगन खरीद की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई गई है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने हथियार खरीद के लिए सरकार के बजट में व्यवस्था किए जाने की जानकारी देते हुए खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात स्वीकार की है। हालांकि, चीन के कंपनी से हथियार खरीदने के लिए पुराने टेंडर को ही आगे बढ़ाने की बात पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। हथियार खरीद संबंधी अनुगमन कार्यालय के सहसचिव रामबंधु सुवेदी ने कहा कि तीन साल पहले स्थगित की गई खरीद प्रक्रिया को ही आगे बढ़ाना गैर कानूनी हो सकता है और यह जांच के दायरे में आ सकता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा के समय में तत्कालीन गृह मंत्री बालकृष्ण खांड और तत्कालीन वित्त मंत्री ने इन हथियारों की खरीद की प्रक्रिया शुरू की थी। बाद में तत्कालीन विपक्षी दल के नेता और वर्तमान समय के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के विरोध किए जाने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था।

एलआईसी ने शुरू की दो नई योजनाएं : 'नव जीवन श्री' और 'नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम'

मुंबई, 06 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने दो नई बीमा योजनाएं लॉन्च की हैं – एलआईसी की नव जीवन श्री (योजना संख्या 912) और एलआईसी की नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (योजना संख्या 911)। इन योजनाओं की शुरुआत एलआईसी के सीईओ और एमडी (प्रभारी) श्री सतपाल भानु ने की। दोनों योजनाएं बचत और सुरक्षा का एक सशक्त संयोजन प्रस्तुत करती हैं और विभिन्न जीवन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोष निर्माण का अवसर देती हैं। एलआईसी को उम्मीद है कि ये योजनाएं आम

बचत और सुरक्षा का मिलेगा डबल फायदा

नागरिकों की दीर्घकालिक बचत, सुरक्षा और निवेश के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होंगी। नव जीवन श्री (योजना 912) की मुख्य विशेषताएं: यह सीमित प्रीमियम एंडोमेंट योजना है। योजना युवाओं और जिम्मेदारियों से जुड़े लोगों के लिए डिजाइन की गई है। प्रवेश आयु: न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 60 वर्ष (पीपीटी 6, 8, 10 वर्ष के लिए), 59 वर्ष (पीपीटी 12 वर्ष के लिए) पॉलिसी अवधि: न्यूनतम 10 वर्ष से अधिकतम 20 वर्ष प्रीमियम भुगतान अवधि : 6, 8, 10, और 12 वर्ष गारंटीड एडिशन: 8.50प्रतिशत से 9.50प्रतिशत तक

न्यूनतम बीमा राशि: 5,00,000

अधिकतम बीमा राशि की कोई सीमा नहीं (एलआईसी अंडरराइटिंग अनुमोदन के अधीन)

– नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (योजना 911) की विशेषताएं: यह एक सिंगल प्रीमियम एंडोमेंट योजना है। जीवन बीमा और कोष निर्माण दोनों का लाभ। प्रवेश आयु: न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 60 वर्ष (विकल्प), 40 वर्ष परिपक्वता आयु: न्यूनतम 18 वर्ष से अधिकतम 75 वर्ष (विकल्प), 60 वर्ष पॉलिसी अवधि: न्यूनतम 5 वर्ष से अधिकतम 20 वर्ष गारंटीड एडिशन: 85 प्रति 1000 बीमा राशि प्रति वर्ष न्यूनतम बीमा राशि: 1,00,000अधिकतम बीमा राशि की कोई सीमा नहीं (अंडरराइटिंग पर निर्भर)इन योजनाओं का उद्देश्य: एलआईसी का कहना है कि वर्तमान आर्थिक परिवेश में जब ब्याज दरें अस्थिर हैं, ऐसे समय में ये दोनों योजनाएं निवेशकों को निश्चित लाभ और बीमा सुरक्षा देने के लिए उपयुक्त विकल्प हैं।

न्यूज ब्रीफ

गुजरात में पीवीसी संयंत्र लगाएगा अडाणी समूह, पेट्रोरसायन क्षेत्र में रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा की तैयारी

नई दिल्ली। अदाणी समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) संयंत्र लगाने जा रहा है। इस परियोजना के साथ अदाणी समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में कदम रखेगा, जहां फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। अनुमान है कि यह संयंत्र वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू हो जाएगा। पीवीसी एक बहुउपयोगी प्लास्टिक पॉलिमर है, जिसका इस्तेमाल पाइप, खिड़की-फ्रेम, केबल इंसुलेशन, फ्लोरिंग और खिलौनों जैसे कई उत्पादों में होता है। भारत में पीवीसी की सालाना मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है। इसमें से लगभग आधी क्षमता रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास है। सूत्रों के मुताबिक अदाणी की यह परियोजना एसिटिलीन और कैल्शियम कार्बाइड आधारित उत्पादन प्रक्रिया पर आधारित होगी। इसे पर्यावरणीय मंजूरी और सरकार की सहमति पहले ही मिल चुकी है। समूह भविष्य में इस संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक ले जाने की योजना बना रहा है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते मार्च 2023 में रुकी यह परियोजना अब दोबारा शुरू हो चुकी है। अदाणी समूह ने 5 अरब डालर से अधिक की पूंजी जुटाई है और इस परियोजना को एसबीआई के नेतृत्व वाले बैंकिंग गठजोड़ से वित्तपोषित किया जा रहा है।

ट्रांसरेल लाइटिंग को पावर ग्रिड के ठेकों में 10 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली। ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के ठेकों में 8 से 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी कंपनी के एक अधिकारी ने दी। नारंग ने बताया कि वर्तमान में ट्रांसरेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8-10 फीसदी है और कंपनी इस स्तर को बनाए रखते हुए पावर ग्रिड के बड़े निवेश योजनाओं का लाभ उठाना चाहती है। पावर ग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 28,000 करोड़, 2026-27 के लिए 35,000 करोड़ और 2027-28 के लिए 45,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है। 2024-25 में ट्रांसरेल ने 9,680 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 120 फीसदी की वार्षिक वृद्धि को दर्शाते हैं। अधिकारी के अनुसार कंपनी के पास वर्ष की शुरुआत से ही मजबूत ऑर्डर बुक है और उसे अगले 24-30 महीनों के लिए राजस्व की स्पष्ट दृश्यता प्राप्त है।

नेशनल हाईवे पर अब आधा लगेगा टोल टैक्स, सरकार ने 50प्रतिशत तक की कटौती, जानिए नया नियम

नई दिल्ली ,06 जुलाई। सरकार ने टोल टैक्स के नियमो में बदलाव किया है। जिसके तहत सरकार ने कुछ खास हाइवेज पर टोल टैक्स में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल टैक्स के नए नियमों को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके चलते अब लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों को कम टोल देने होगा। नए नियमों के तहत टोल टैक्स की गणना अब दो अलग-अलग तरीके से की जाएगी। ह।प्रह्व के आदेश के मुताबिक, नए नियम के अनुसार, अगर हाईवेज में पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रोड होंगे तो टोल की गणना दो तरीके से की जाएगी। पहला, संरचना की लंबाई को 10 गुना करके अन्य सड़क की लंबाई में जोड़ा जाएगा। इसके अलावा पूरी संरचना की लंबाई को पांच गुना करके, दोनों में से जो भी कम होगा, वही टोल की गणना का आधार बनेगा। इस नियम का लाभ एक-सप्रेस-वे या लंबी दूरी के यात्रियों को ज्यादा होगा।

खाद्य तेल बाजार में हलचल : सरसों-सोया मूंगफली के दाम बढ़े, पाम तेल स्थिर

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपए बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वैश्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6-7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130-1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155-1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है। आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375-4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230-2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं। पामतेल की मांग इसलिए प्रभावित रही क्योंकि इसकी कीमत सोयाबीन जैसे नरम तेलों के बराबर है। सीपीओ 10,650, पामोलीन दिल्ली 12,400 और एक्स कांडला 11,350 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। बिनौला तेल की उपलब्धता कम रहने से इसके भाव में 150 की तेजी दर्ज की गई ।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य देश के 100 शीर्ष डीप टेक स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें नीति निर्माण और तकनीकी चर्चाओं में शामिल करना है। यह कार्यक्रम स्टार्टअप इंडिया, मेटी स्टार्टअप हब और आईआईटी मद्रास के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत एक मेंटर बोर्ड भी बनाया गया है, जिसमें विशेषज्ञ, निवेशक और नीति निर्माता शामिल हैं। चयनित स्टार्टअप्स के अनुभवों और चर्चाओं के आधार पर एक व्हाइट पेपर तैयार किया जाएगा, जिसमें नीति संबंधी सुझाव होंगे।

सुजलॉन एनर्जी को पुनर्गठन योजना पर राहत, मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को अपनी पुनर्गठन योजना के तहत एक बड़ी राहत मिली है। कंपनी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कोई आपत्ति न होने का पत्र प्राप्त हुआ है। यह स्वीकृति कंपनी द्वारा मई 2023 में प्रस्तावित और अगस्त 2024 में शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं से अनुमोदित पुनर्गठन योजना से जुड़ी है।

इस योजना के तहत सुझलॉन एनर्जी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुझलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड का विलय अपने आप में करने जा रही है। इस विलय का उद्देश्य कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे

सोमवार को स्टॉक में दिख सकता है एक्शन

को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। कंपनी का कहना है कि इससे संचालन अधिक दक्ष और लागत प्रभावी होगा।

स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी ऑब्जर्वेशन लेटर में कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को सेबी के सभी नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करे। साथ ही कंपनी को किसी भी लंबित अदालती, वसूली या अभियोजन मामलों की पूरी जानकारी का खुलासा करना होगा। लेटर में यह भी कहा गया है कि ड्राफ्ट स्कीम में कोई बदलाव नियामकीय मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता।

अब यह योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जाएगी। इस खबर के बाद शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.6 फीसदी बढ़कर 65.65 पर बंद हुए। निवेशकों को उम्मीद है कि यह पुनर्गठन कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति को मजबूती देगा।

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में 400 करोड़ के निवेश से कन्सन्ट्रेटर संयंत्र लगाएगी

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) अगले दो-तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के मलांजखंड में 30 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला नया कन्सन्ट्रेटर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना पर कंपनी लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कदम कंपनी की अयस्क उत्पादन क्षमता को तिगुना करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के चेयरमैनने बताया कि सरकारी परामर्श कंपनी मेकॉन इस संयंत्र के लिए तकनीकी डिजाइन और निविदा दस्तावेज तैयार कर रही है। निर्माण कार्य की शुरुआत 2026 में होने की संभावना है, जिसे कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित करेगी। फिलहाल मलांजखंड में एचसीएल का 25 लाख टन सालाना क्षमता वाला कन्सन्ट्रेटर संयंत्र संचालित है। कन्सन्ट्रेटर संयंत्र खनिज अयस्क से अपशिष्ट को अलग कर मूल्यवान खनिजों का संकेंद्रित रूप तैयार करता है, जिसे आगे गलन या शोधन के लिए भेजा जाता है।

सेबी की बड़ी कार्रवाई : जेन स्ट्रीट के 4,844 करोड़ रुपए जब्त

भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित भी किया

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है।

सेबी के अनुसार इस फर्म ने बैंक निफ्टी इंडेक्स में हेराफेरी कर करीब 4,844 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ कमाया। हाल ही में जारी 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में इस राशि की जब्ती का निर्देश दिया गया है, जो सेबी के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। सेबी चेयरमैन ने कहा कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निगरानी व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है।

एक्सचेंज और सेबी दोनों स्तरों पर निगरानी टीमों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेबी की जांच में खुलासा हुआ है कि जेन स्ट्रीट ने भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नियमों से बचने के लिए कई संस्थाएं बनाई थीं। वर्तमान आदेश केवल 18 दिनों की बैंक निफ्टी ट्रेडिंग और तीन एक्सपायरी दिनों की गतिविधियों पर आधारित है। अब सेबी अन्य एक्सपायरी दिनों और इंडेक्स जैसे निफ्टी 50 व बीएसई सेंसेक्स में भी संभावित गड़बड़ी की जांच कर रही है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज ने ईवाय को भेजा दूसरा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली । आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) और वैश्विक कंसल्टिंग फर्म अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाय) के बीच एक बड़ा कॉर्पोरेट विवाद खड़ा हो गया है। आकाश ने ईवाय पर पेशेवर आचार संहिता के उल्लंघन और हितों के टकराव का गंभीर आरोप लगाते हुए दूसरा कानूनी नोटिस भेजा है। आकाश का कहना है कि ईवाय एक ओर उनकी वित्तीय सलाहकार थी और दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंदी एलेन करियर इंस्टीटयूट के लिए भी एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर और ऑफिशियल रिजल्ट वैलिडेटर के तौर पर कार्य कर रही थी।

टाटा मोटर्स को मिल रही महिंद्रा और एमजी से कड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार में टाटा मोटर्स को अब महिंद्रा और एमजी मोटर जैसी कंपनियों से कड़ी चुनौती मिल रही है। बीते महीने जून के आंकड़े देखे तो साफ है कि ईवी बाजार में मुकाबला बेहद तीव्र हो चुका है और टाटा की पकड़ अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही।

जून 2025 में कुल 13,033 इलेक्ट्रिक कारें रजिस्टर हुईं, जो पिछले साल के मुकाबले 78 प्रतिशत ज्यादा हैं। यह भले ही कुल पैसेंजर व्हीकल्स का सिर्फ 4प्रतिशत हो, लेकिन यह बाजार में ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। सबसे बड़ा उलटफेर यह रहा कि महिंद्रा और एमजी मोटर ने संयुक्त रूप से 53प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हथिया ली, जो पहले टाटा के पास थी। टाटा मोटर्स ने अब भी सबसे ज्यादा ईवी बेचे, लेकिन जून 2024 में 62.7प्रतिशत हिस्सेदारी के मुकाबले जून 2025 में यह घटकर 35.8प्रतिशत रह गई। टाटा की बिक्री जून 2025 में 4,664 यूनिट्स रही, जिसमें सिर्फ 2प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज हुई। पंच ईवी और क्रूव ईवी जैसे मॉडल्स के बावजूद, टाटा को अपनी रणनीति और इनोवेशन पर दोबारा फोकस करना होगा।

वहीं एमजी मोटर ने आक्रामक रफ्तार दिखाई और जून 2025 में 3,945 यूनिट्स बेच डालीं, जो 167प्रतिशत की जबरदस्त सालाना वृद्धि है। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 30.3प्रतिशत पहुंच गई। एमजी की नई विंडसर इलेक्ट्रिक एसयूवी को शहरी ग्राहकों ने खूब पसंद किया, जिससे कंपनी टाटा के बेहद करीब पहुंच गई। दूसरी ओर, एसयूवी बाजार की महारथी महिंद्रा ने ईवी सेगमेंट में भी शानदार एंट्री की। जून 2025 में महिंद्रा ने 2,979 यूनिट्स बेचीं और 512प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की।

जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने बेचीं 15,786 यूनिट्स

नई दिल्ली। जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने 15,786 यूनिट्स की बिक्री के साथ भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ फिर साबित की है। 2015 में लॉन्च हुई क्रेटा ने अपने 10 साल पूरे करते हुए मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की पहचान ही बदल दी है। बाजार में इसकी लोकप्रियता इतनी गहरी है कि इस श्रेणी को लोग अब क्रेटा सेगमेंट कहने लगे हैं। हयूदै के मुताबिक, अब तक 12 लाख से ज्यादा भारतीय परिवार इसे अपना चुके हैं और जून 2025 के आंकड़े दिखाते हैं कि ग्राहक इसे उतना ही पसंद करते हैं। कंपनी ने इस उपलब्धि पर कहा कि क्रेटा सिर्फ एक कार नहीं बल्कि एक भावना है, जिसने हयूदै की भारत में सफलता की नींव रखी। क्रेटा को हयूदै ने हर वर्ग के ग्राहकों के लिए तैयार किया है। इसका 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन 115 बीएचपी और 144 एनएम का टॉर्क देता है, वहीं 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 160 बीएचपी और 253 एनएम की ताकत के साथ आता है। डीजल विकल्प में 1.5-लीटर इंजन 116 बीएचपी और 250 एनएम का टॉर्क देता है। स्पोर्टी ड्राइव चाहने वालों के लिए क्रेटा एन लाइन भी पेश की गई है। हयूदै ने इसके इलेक्ट्रिक अवतार की भी शुरुआत कर दी है, जिसमें 42 केडब्ल्यूएच और 51.4 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक हैं जो क्रमश: 390 किमी और 473 किमी की अनुमानित रेंज देते हैं।

इसकी बाजार हिस्सेदारी अब 22.9प्रतिशत है। बीई 6 और एक्सईवी 9ई जैसे मॉडलों ने ग्राहकों को खूब लुभाया है।

अन्य कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। हुंडई ने 509 यूनिट्स बेचकर 708प्रतिशत की बढ़त हासिल की। किआ ने 41 यूनिट्स के साथ 156प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। बीवायडी ने 461 यूनिट्स के साथ 90प्रतिशत ग्रोथ पाई। हालांकि सिट्रोन को तगड़ा झटका लगा और उसकी बिक्री 80 यूनिट्स तक सिमट गई, जो -66 प्रतिशत की गिरावट है।

भारतीय टीम ने तोड़ा बर्मिंघम का तिलिस्म, टेस्ट में रनों के लिहाज से हासिल की अपनी चौथी बड़ी जीत

बर्मिंघम,06 जुलाई (एजेंसियां) । टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड को जिस बात का घमंड था भारत ने उसे आज वो भी चकनाचूर कर दिया। 25 साल के युवा कप्तान शुभमन गिल की सेना ने दिग्गजों से भरी इंग्लिश ब्रिगेड को एजबेस्टन, बर्मिंघम में घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय टीम ने दूसरी पारी के आधार पर क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े सुपरहीरो कहे जाने वाले बेन स्टोक्स की बाजबॉल टीम को 608 रनों का लक्ष्य दिया। इसके बाद सिर्फ 8वां टेस्ट खेल रहे आकाश दीप और मोहम्मद सिराज जैसे कम अनुभवी गेंदबाजों की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर कभी नहीं जीत पाने वाले इतिहास के पन्नों

को फाड़ डाला। भारतीय टीम ने इंग्लैंड की दूसरी पारी 271 रनों पर ढेर कर दी, जबकि 336 रनों से यह मैच जीत लिया। यह भारत की रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 279 रनों की जीत 1986 में आई थी, जिसमें भारत के कप्तान कपिल देव थे।भारत के लिए शुभमन गिल ने पहली पारी में दोहरा शतक जड़ा था, जबकि दूसरी पारी में शतक ठोका। पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने 6, जबकि आकाश दीप ने 4 विकेट झटके थे। अब आकाश दीप ने फाइव विकेट हॉल मारते हुए दूसरी पारी में अंग्रेजों की हालत खराब कर दी। भारत ने 1967 में इस मैदान पर इससे पहले पहला टेस्ट खेला था, जबकि उसे यहां 8 मैचों में 7 हार मिली थी। इस तरह से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में अब भारत और इंग्लैंड 1-1 से बराबर हैं। यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि दुनिया के नंबर वन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेल रहे थे, जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर हाल ही में रिटायर हो चुके थे। मोहम्मद शमी चोट की वजह से टीम में नहीं हैं। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में जेमी स्मिथ ने 88 रनों की पारी खेली, जबकि भारत के लिए सबसे अधिक विकेट आकाश दीप ने लिए।टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनका यह निर्णय भारतीय बल्लेबाजों ने गलत साबित कर दिया। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए सभी विकेट खोकर 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस पारी की सबसे बड़ी खासियत युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का असाधारण प्रदर्शन रहा, जिन्होंने 269 रनों की शानदार दोहरी शतकीय पारी खेली। गिल ने इंग्लैंड की सरजमीं पर एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक का प्रदर्शन किया, जिससे भारत एक मजबूत स्थिति में आ गया।गिल के अलावा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा ने भी महत्वपूर्ण अर्धशतकीय योगदान दिए, जिससे टीम का स्कोर 500 के पार गया। राहुल ने 55 रन बनाए, जबकि पंत ने 58 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से तेजतर्रार 65 रन जोड़े। रविंद्र जडेजा ने भी 118 गेंदों में 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 69 रनों की उपयोगी पारी खेली।

न्यूज ब्रीफ

ग्रेनेडा टेस्ट: तीसरे दिन का खेल खत्म ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 254 रन की हुई

ग्रेनेडा। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के तीसरे दिन का खेल

खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में सात विकेट खोकर 221 रन बना लिए हैं। एलेक्स केरी 26 और कप्तान पैट कमिंस 4 बना कर क्रीज पर हैं। टीम की बढ़त 254 रन की हो गई है। दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 12 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को नाथन लियोन के रूप में पहला छटका लगा। लियोन 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम के लिए कैमरून ग्रीन और स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैमरून ग्रीन ने 123 गेंद पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाए, वहीं स्मिथ ने 119 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 71 रन जड़े। इसके अलावा ट्रेविस हेड ने 60 गेंद पर 39 रन बनाए। ब्यू वेबस्टर मात्र 2 रन बना पाए। वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में अब तक जायडेन सील्स, शमर जोसेफ, जस्टिन ग्रीव्स ने 2-2 विकेट और अल्जारी जोसेफ ने एक विकेट चटकाया। इससे पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रन प सिमट गई थी। इस तरह दूसरी पारी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की लीड मिली थी। अब दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 221 रन बनाने के साथ टीम की कुल बढ़त 254 रन हो गई है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया था। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

हसीन जहां ने दो पोस्ट जारी कर शमी पर निशाना साधा

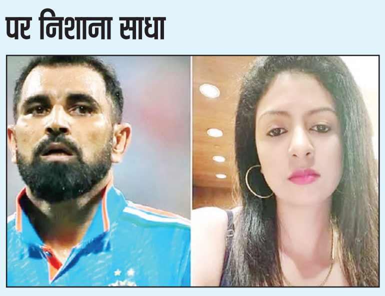

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से अलग रही रही पत्नी हसीन जहां ने अब सोशल मीडिया में दो और पोस्ट जारी किये हैं। हसीन ने इसमें शमी पर जमकर निशाना साधा है। वहीं तंज कसा है कि शमी की कई बुराईयों के बाद भी वह उन्हें चाहती है। साथ ही कहा कि उन्हें ऐसी बीवी कहां मिलेगी। शमी और हसीन के बीची तलाक के लिए मुकदमा चल रहा है जिसमें फैसला नहीं आया है। दोनो के बीच पिछले 6-7 साल से दोनों के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। हसीन का कहना है कि वह अपनी बेटी और अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हैं। अभी पिछले दिनों ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने शमी को अपनी पत्नी हसीना जहां और उनकी बेटी आयरा को हर महीने 4 लाख रुपये गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था। हसीन सोशल मीडिया में भी जमकर सक्रिय रहती हैं। अब हसीन ने एक वीडियो गीत के साथ अपना वीडियो लगाते हुए शमी को टैग करते हुए लिखा, 'डोंट वरी माय लव' मरते दम तक हम एक मजबूत रिश्ता निभाएंगे। आपको फैसला करना है वो मजबूत रिश्ता कैसा होगा। 7 साल से हम लोग कानूनी लड़ाई में व्यस्त हैं। इससे आपको क्या लाभ हुआ आप ही जाने। वहीं हसीन ने अपने दूसरे पोस्ट में उन्होंने शमी के चरित्र पर सवाल उठाने के साथ ही उनपर धोखाधड़ी करने के भी आरोप लगाये हैं। साथ ही कहा है कि वह अपने अधिकारों के लिए लड़ती रहेंगी। इसमें उन्होंने शमी का साथ देने वालों को भी आड़े हाथों लिया है।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार

बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है। ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता थ। रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं। इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ब्राह्मण क्षत्रिय...

कई संदिग्ध व्यक्तियों के रहने, विदेशी फंडिंग से एक साल के अंदर करोड़ों रुपए की सम्पत्ति, शोरूम, बंगला, लग्जरी गाडियां खरीदने की जानकारी प्राप्त हुई। इस पर मामले की जांच एटीएस की दी गई। एटीएस की जांच में सामने आया कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराता था। जांच के अनुसार, गिरोह के सदस्यों ने लगभग 40 बार इस्लामिक देशों की यात्रा की थी। साथ ही, उन्होंने अपने नाम और फर्जी संस्थाओं के नाम से 40 से अधिक बैंक खाते खुलवाए थे, जिनमें लगभग 100 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ। ये फंड विदेशी स्रोतों से प्राप्त किए गए थे, जिनसे शोरूम, बंगले और लग्जरी गाड़ियों जैसी सम्पत्तियां खरीदी गईं। इस पर यूपी एटीएस ने बलरामपुर के ग्राम मधपुर गांव से जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी साथी नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया। एटीएस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा खुद को पीर बाबा और हजरत बाबा जलालुद्दीन के नाम से प्रचारित करता था। उसने शिजर-ए-तैय्यबा नामक पुस्तक भी प्रकाशित की थी, जिसका उपयोग वह और उसके सदस्य इस्लाम धर्म के प्रचार-प्रसार और ब्रेनवाशिंग में किया जाता था। जमालुद्दीन की काफी समय से तलाश की जा रही थी। इस पर 50 हजार रुपए का इनामी भी घोषित था।एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि गिरोह की साजिशें बेहद खतरनाक थीं। हिंदू समाज की लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर, झूठे नामों से शादी का झांसा देकर उनका ब्रेनवाश किया जाता था। उन्होंने बताया कि लखनऊ निवासी गुंजा गुप्ता को अबू अंसारी नामक युवक ने अमित बनकर फंसाया और छांगुर बाबा की दरगाह ले गया, जहां उसका नाम बदलकर अलीना अंसारी कर दिया गया। इसके बदले उन्हें अच्छी जिंदगी, पैसे और सुरक्षा का लालच दिया गया। मुंबई के एक सिंधी परिवार का ब्रेनवाश कर इस्लाम कबूल करवाया गया था। परिवार में नवीन घनश्याम रोहरा, उनकी पत्नी नीतू और बेटी का नाम बदलकर जमालुद्दीन, नसरीन और सबीहा रख दिए गया था। गिरोह ने हिंदू लड़कियों के धर्म परिवर्तन के लिए बाकायदा दरें तय कर रखी थीं। एटीएस की जांच में सामने आया कि ब्राह्मण, क्षत्रिय और सिख लड़कियों के लिए 15-16 लाख, पिछड़ी जातियों के लिए 10-12 लाख और अन्य जातियों के लिए 8-10 लाख तक की राशि निर्धारित थी। यह धर्म परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि पूरी तरह से संगठित आर्थिक अपराध था। सिर्फ प्रेमजाल ही नहीं, बल्कि गरीब और असहाय लोगों को भी यह गिरोह निशाना बनाता था। यदि कोई धर्मांतरण से इन्कार करता, तो उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती। इस कार्य में छांगुर बाबा के साथ महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, सगीर, कथित पत्रकार एमेन रिजवी और नीतू जैसे लोग शामिल थे। यूपी एटीएस मामले की छानबीन कर रही है। साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। यूपी एटीएस का कहना है कि यह नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है। पुलिस इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द से जोड़कर देख रही है। जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी हैं।

नरेंद्र मोदी के...

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील के आधुनिक कला संग्रहालय पहुंचे। उन्होंने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक दक्षिण के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत-ब्राजील संबंधों में नई ऊर्जा भरने और ब्रिक्स मंच पर साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान दोनों देश के संबंधों में नई ऊर्जा दिखाई दे रही है। मेघमणि ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और फिक्की गुजरात के उपाध्यक्ष नट्टु एम पटेल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में भारत और ब्राजील के बीच तालमेल अद्भुत है। किरी इंडस्ट्रीज ग्रुप के सचिव सुरेश गोंडालिया ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा और महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर से दोनों देशों के बीच 15 अरब डॉलर के वर्तमान व्यापार में और वृद्धि होगी। ब्राजील में इथेनॉल का उपयोग कई वर्षों से हो रहा है और भारत में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में हमने 2030 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा था, जिसे उनके प्रयासों से 2025 में ही हासिल कर लिया गया। अब ब्राजील के साथ प्रौद्योगिकी और वित्तीय सहयोग के जरिए हम और आगे बढ़ने वाले हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जो भारत-ब्राजील संबंधों को और मजबूत करेगा। शक्ति ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्रेयांस गोयल ने इस यात्रा को दोनों देशों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया। उन्होंने कहा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दोनों देशों के लिए एक शानदार अवसर है। ब्राजील और भारत ब्रिक्स के संस्थापक साझेदार हैं और दोनों देशों की दोस्ती 40 साल से भी अधिक पुरानी है। यह मौका दोनों देशों के लिए अपनी प्रौद्योगिकी और प्रतिबद्धताओं को बढ़ाने का है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ब्रिक्स साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचे हैं। ब्राजील में ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के बाद वह द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इस दौरान व्यापार के साथ रक्षा मसलों पर भी बात होने की संभावना है।चौथी बार ब्राजील दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से उत्साहित भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। ऑपरेशन सिंदूर लिखा पोस्टर भी ले रखा था। महिलाओं ने पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और नृत्य के जरिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया। रियो डी जेनेरियो में आयोजित इस स्वागत समारोह में ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित एक विशेष प्रस्तुति भी दी गई। भारतीय समुदाय के लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को भी दुलारा। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में भारतीय समुदाय ने पारंपरिक नृत्य कर उनका स्वागत किया। इस दौरान एक नृत्य प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित थी, जिसमें बैकग्राउंड संगीत में ये देश नहीं मिटने दूंगा के आवाज आ रही थी। ब्राजील के एक बैंड ने भक्ति संगीत गाए।

राजनीतिक दलों ...

केसीआर की सरकार थी, तब उन्होंने ओबीसी आरक्षण के बारे में एक शब्द भी क्यों नहीं बोला था? कानूनी मुद्दों का हवाला देते हुए तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने 42 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में राज्य सरकार की ईमानदारी पर संदेह जताया।

तेलंगाना विधानसभा ने 17 मार्च को शिक्षा, रोजगार और ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए दो विधेयक सर्वसम्मति से पारित किए। जिनमें तेलंगाना पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थानों में सीटों का आरक्षण और राज्य के तहत सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) विधेयक 2025 और तेलंगाना पिछड़ा वर्ग (ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में सीटों का आरक्षण) विधेयक 2025 शामिल हैं। विधेयकों ने शिक्षा और रोजगार में मौजूदा 25 प्रतिशत और स्थानीय निकायों में 23 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया गया है। 2023 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का यह प्रमुख मुद्दा था। चूंकि पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत तक बढ़ाना सभी वर्गों के लिए कुल कोटा के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन होगा, इसलिए राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को केंद्र की मंजूरी की जरूरत है। सीएम रेवंत रेड्डी ने 17 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ उनसे मिलने का समय भी मांगा।केंद्र की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, कांग्रेस पार्टी पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत तय करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 243डी के तहत मिली शक्ति का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। कांग्रेस राज्य के भाजपा नेताओं से प्रधानमंत्री मोदी को तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को भारत के संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए मनाने का भी आग्रह कर रही है।

संदेशखाली हिंसा...

उल्लेखनीय है कि इस मामले की जांच अब तक पश्चिम बंगाल सीआईडी कर रही थी। लेकिन, आरोप है कि राज्य सरकार के प्रभाव के चलते अब तक इस मामले में कोई प्रगति ही नहीं हो रही थी, जिसके बाद मृतकों के परिजनों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मामले की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की थी। सीबीआई को इस केस की जांच सौंपते हुए जस्टिस सेनगुप्ता ने पश्चिम बंगाल की पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि केवल ये घटना ही नहीं पिछले मामलों में भी बार-बार पुलिस शाहजहां शेख के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही है। अदालत ने टिप्पणी की कि ये मामला स्थानीय पुलिस से सीआईडी तक गया, लेकिन जांच में विफलता का ही एक पैटर्न देखने को मिला है।जांच को अपने हाथ में लेते ही सीबीआई ने टीएमसी में बड़ा स्थान रखने वाले पूर्व नेता शाहजहां शेख के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की और उसे ही मुख्य आरोपी बनाया। बहरहाल, शाहजहां शेख संदेशखाली में महिलाओं के साथ बलात्कार, हत्या, उनकी जमीनों पर जबरन कब्जे और करोड़ों के राशन वितरण घोटाले के मामले में 5 जनवरी 2024 को गिरफ्तार होने के बाद से न्यायिक हिरासत में है।

छह महीने में ...

बच्चियों से लेकर किशोरियों तक हर उम्र की लड़कियां शिकार हुई हैं। जून के महीने में 63 बलात्कारों के शिकार में 19 बच्चियां हैं और 23 किशोरियां। सामूहिक बलात्कार के मामलों में दो बच्चियां, तीन किशोरियां और आठ वयस्क महिलाएं हैं।यह आंकड़े वाकई भयभीत करने वाले हैं। यह दिखाते हैं कि किस प्रकार हिंदू महिलाओं के प्रति बांग्लादेश में माहौल बिगड़ रहा है। अभी एक हिंदू महिला के साथ बलात्कार का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है और पिछले दिनों एक ऐसी प्रोफेसर का भी इंटरव्यू वायरल हुआ था, जिन्होंने शेख हसीना को हटाने के अभियान में भाग लिया था और अब यह कहा था कि शेख हसीना के जाने के बाद महिलाओं की हालत बांग्लादेश में बहुत खराब हो गई है।यह भी मामले सामने आया है कि कैसे कट्टरपंथियों के आगे यूनुस सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार बांग्लादेश महिला आयोग द्वारा की गई सिफारिशों को ठेंगा दिखा रही है। यहां तक बांग्लादेश की महिला खिलाड़ियों तक को सुरक्षा नहीं दी जा रही है। बांग्लादेश महिला परिषद की अध्यक्ष डॉ. फौजिया मोस्लेम ने कहा, ये आंकड़े केवल दर्ज मामलों के हैं। वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा है। पुलिस के नाकारेपन, सामाजिक कलंक और कानूनी जटिलताओं के कारण कई घटनाएं रिपोर्ट ही नहीं की जातीं। संगठन महिलाओं के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए सरकार से अपील के तहत कानूनों के सख्त क्रियान्वयन, जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों के लिए सुरक्षित आश्रय की लगातार मांग कर रहा है। लेकिन सरकार इस मांग पर कोई ध्यान ही नहीं दे रही है।बांग्लादेश महिला परिषद की रिपोर्ट को लेकर अब राजनीतिक प्रश्न भी उठ रहे हैं। बांग्लादेश छात्र लीग के अध्यक्ष और ढाका विश्वविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ के पूर्व सहायक महासचिव हुसैन सद्दाम ने कहा है कि यूनुस सरकार पूरी तरह से महिला और बच्चों के मामले में विफल रही है। हिंसा की यह महामारी महीनों से चली आ रही राज्य की उदासीनता और कानून प्रवर्तन की पूर्ण विफलता का प्रत्यक्ष परिणाम है। यह एक ऐसे समाज का भयावह प्रतिबिंब है जहां इस्लामी भीड़ का हौसला बुलंद है, राजनीतिक प्रतिशोध अनियंत्रित है और यह भी सच है कि लोगों के मन में दंड का डर नहीं है। महिलाएं और बच्चे एक अवैध सरकार की कीमत चुका रहे हैं जिसके पास कार्रवाई करने की न तो क्षमता है और न ही साहस।बांग्लादेश समाज कल्याण और महिला एवं बाल मामलों के मंत्रालय की सलाहकार शर्मीन एस मुर्शिद ने 20 जून से 29 जून तक बांग्लादेश में बलात्कार के लगभग 24 मामले सामने आने पर अपनी बात कही है। उन्होंने इसे महामारी के स्तर की आपदा कहा है। उन्होंने बाकायदा मीडिया के सामने कहा कि सरकार इस समस्या का समाधान नहीं कर रही।

कभी भी हो ...

और प्रेम खत्म होता जा रहा है।

नितिन गडकरी ने कहा, आज पूरी दुनिया में संघर्ष का वातावरण है। रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान के बीच युद्ध जारी हैं। ऐसे हालात बन रहे हैं कि कभी भी वर्ल्ड वॉर जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है, जिसने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश दिया है। नितिन गडकरी ने कहा कि युद्ध की तकनीक अब पूरी तरह बदल चुकी है। अब टैंक और पारंपरिक विमान कम उपयोगी हो गए हैं, जबकि मिसाइल और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा अब मिसाइलें सीधे नागरिक बस्तियों पर गिराई जा रही हैं, जिससे मानवता की रक्षा करना मुश्किल होता जा रहा है। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा की जरूरत है।

आ रहे हैं 10...

की दिशा में एक स्पष्ट नीतिगत बदलाव पर जोर देता है। सरकार अपनी महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत को एक प्रमुख रक्षा आयातक से वैश्विक रक्षा उत्पादन केंद्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। इस रणनीति का उद्देश्य विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करना, स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना, रोजगार पैदा करना और भारत की भू-राजनीतिक स्वायत्तता को बढ़ाना है।ऐतिहासिक रूप से, भारत की रक्षा खरीद रूसी प्रौद्योगिकी और उपकरणों पर बहुत अधिक निर्भर रही है। दोनों देशों के बीच संबंध, जो शीत युद्ध के युग से चले आ रहे हैं, भारत के सैन्य आधुनिकीकरण की आधारशिला बने हुए हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में, यह साझेदारी केवल आयात-निर्यात की गतिशीलता से आगे बढ़कर संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर देने लगी है। इस उभरते रक्षा सहयोग का एक प्रमुख उदाहरण ब्रह्मोस एयरोस्पेस है- जो 2005 में स्थापित एक संयुक्त भारत-रूसी उद्यम है और जिसका नाम ब्रह्मपुत्र और मोस्कवा नदियों के नाम पर रखा गया है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस रक्षा निर्माण में सफल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक है, जिसमें भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की 50.5 प्रतिशत हिस्सेदारी और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया की 49.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाती है, जिसे व्यापक रूप से दुनिया की सबसे तेज और सबसे उन्नत क्रूज मिसाइलों में से एक माना जाता है।ब्रह्मोस मिसाइल हाल ही में हुए सैन्य टकरावों में एक महत्वपूर्ण हथियार रही है, जिसमें मई में पाकिस्तान के साथ भारत की चार दिवसीय सैन्य मुठभेड़ भी शामिल है। इसकी तैनाती ने सटीक हमलों, लंबी दूरी की क्षमता और रणनीतिक प्रतिरोध में मिसाइल की प्रभावशीलता को प्रदर्शित किया, जिसने भारत के सुरक्षा सिद्धांत में उन्नत स्वदेशी हथियार प्रणालियों के महत्व को उजागर किया। भारत के नौसेना आधुनिकीकरण के प्रयास भी तेजी से जारी हैं। हाल ही में रूस द्वारा निर्मित क्रिवाक श्रेणी के फ्रिगेट आईएनएस तमाल का हस्तांतरण भारतीय और रूसी रक्षा उद्योगों के बीच चल रहे सहयोग को रेखांकित करता है। हालांकि इसका निर्माण कैलिनिनग्राद में रूस के यंतर शिपयार्ड में किया गया है, लेकिन फ्रिगेट में 26 प्रतिशत भारतीय घटक शामिल हैं, जो स्थानीय सामग्री और संयुक्त विनिर्माण में वृद्धिशील प्रगति को दर्शाता है।युद्धपोत निरीक्षण दल के भारतीय नौसेना विशेषज्ञों ने फ्रिगेट के निर्माण की निगरानी की, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि भारतीय मानकों और परिचालन आवश्यकताओं को पूरा किया गया। यह भारत की जटिल नौसैनिक प्लेटफार्मों को एकीकृत करने और अंततः निर्माण करने की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है, जो हिंद महासागर क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को देखते हुए एक महत्वपूर्ण क्षमता है। यह नवीनतम 12 बिलियन डॉलर का अधिग्रहण इस वर्ष मार्च में स्वीकृतियों के पिछले चरण के बाद हुआ है, जब डीएसी ने डॉलर 6.26 बिलियन से अधिक के हथियार और उपकरण खरीद को मंजूरी दी थी। उस पैकेज में भारतीय सेना के रूस निर्मित टी-90 युद्धक टैंकों के लिए उन्नत इंजन, नौसेना के लिए अतिरिक्त पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो और वायु सेना के लिए हवाई प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली शामिल थे।कुल मिलाकर, ये खरीद गतिशीलता, मारक क्षमता, परिस्थितिजन्य जागरूकता और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित एक व्यापक सैन्य आधुनिकीकरण प्रयास की तस्वीर पेश करती है। सशस्त्र बलों की सभी शाखाओं में उन्नयन और नए अधिग्रहणों पर जोर उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण को दर्शाता है। भारत अपनी सैन्य क्षमताओं के विस्तार और उन्नयन पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो एक जटिल भू-राजनीतिक माहौल से प्रेरित है। चीन और पाकिस्तान के साथ उत्तरी सीमाओं पर तनाव, कश्मीर क्षेत्र में चल रही सुरक्षा चुनौतियां और इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती आक्रामकता, इन सभी ने नई दिल्ली की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता में योगदान दिया है।इसके अलावा, हिंद महासागर तेजी से रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बनता जा रहा है, जिसमें भारत खुद को प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। संचार की समुद्री लाइनों की सुरक्षा, समुद्री डकैती का मुकाबला करने और संभावित विरोधियों को रोकने के लिए नवीनतम तकनीक से लैस आधुनिक और सक्षम नौसेना की आवश्यकता है। उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समावेश आधुनिक युद्धक्षेत्र की विकसित होती प्रकृति की समझ को दर्शाता है। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं दुश्मन के संचार को बाधित करने, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक हमलों से अपनी सेनाओं की रक्षा करने और सूचना श्रेष्ठता हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण हैं - जो समकालीन संघर्षों में सफलता के लिए आवश्यक है।जबकि 12 बिलियन डॉलर की खरीद एक महत्वपूर्ण कदम है, भारत को रक्षा खरीद और स्वदेशीकरण में निरंतर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐतिहासिक रूप से, देरी, नौकरशाही बाधाओं और गुणवत्ता नियंत्रण के मुद्दों ने आधुनिकीकरण की गति को बाधित किया है। घरेलू उद्योगों को सरकार द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए और प्रौद्योगिकी विकास में सुधार करना चाहिए। संयुक्त उद्यमों और प्रौद्योगिकी साझेदारी पर भारत का ध्यान, विशेष रूप से रूस के साथ, स्वदेशी क्षमताओं के परिपक्व होने तक एक संक्रमणकालीन रणनीति के रूप में जारी रहेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस जैसे उपक्रमों की सफलता भविष्य के सहयोग के लिए एक खाका पेश करती है।भारत द्वारा 12 बिलियन डॉलर के हथियार और गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी देना उसकी रणनीतिक अनिवार्यताओं और एक मजबूत घरेलू रक्षा उद्योग विकसित करने की उसकी प्रतिबद्धता दोनों को दर्शाता है। सेना, नौसेना और वायु सेना में उन्नत प्रणालियों में निवेश करके, नई दिल्ली उभरते खतरों का बेहतर ढंग से जवाब देने और अपने क्षेत्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए खुद को तैयार कर रही है। रूस के साथ जारी साझेदारी, जिसका उदाहरण ब्रह्मोस एयरोस्पेस जैसे संयुक्त उपक्रम और आईएनएस तमाल जैसे नौसैनिक जहाजों का निर्माण है, निकट भविष्य में भारत की रक्षा रणनीति का अभिन्न अंग बनी रहेगी। साथ ही, मेक इन इंडिया पहल पर जोर देने का उद्देश्य देश को अधिक तकनीकी स्वतंत्रता के साथ एक आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति में बदलना है।जैसे-जैसे एशिया और उसके बाहर भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है, भारत के हथियारों को पर्याप्त बढ़ावा देने और आधुनिकीकरण के प्रयास, क्षेत्र में भविष्य के शक्ति संतुलन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, साथ ही देश की रणनीतिक स्वायत्तता और सैन्य शक्ति की आकांक्षाओं को भी समर्थन देंगे।

11 से शुरू होगी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा धार्मिक आस्था का प्रतीक है। यह हर साल सावन के पवित्र महीने में लाखों शिव भक्तों द्वारा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान शिव भक्त भोले बाबा के जयकारों के साथ भक्त विभिन्न पवित्र स्थानों से गंगाजल लेकर अपनी यात्रा शुरू करते हैं और इसे शिवलिंग पर अर्पित करते हुए पूरा करते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 11 जुलाई को देर रात 02 बजकर 06 मिनट से होगी। ऐसे में इसी दिन से सावन के महीने और कांवड़ यात्रा की शुरुआत होगी। वहीं, इस यात्रा का समापन 23 जुलाई 2025 को सावन शिवरात्रि के दिन जलाभिषेक के साथ होगा।

कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब समुद्र मंथन से विष निकला था, तो भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने के लिए उसे पी लिया था। इस विष के प्रभाव को कम करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर गंगाजल अर्पित किया था। तभी से सावन के महीने में शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई। वहीं, अन्य कुछ मान्यताओं के अनुसार, परशुराम जी को प्रथम कांवड़िया माना जाता है, जिन्होंने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर पुरा महादेव मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक किया था।

इसके अलावा त्रेतायुग में श्रवण कुमार द्वारा अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराने की कथा भी प्रचलित है, जिससे इस यात्रा को 'कांवड़' नाम मिला।

पहली बार ले जा रहे हैं कांवड़, तो नोट करें पूजा सामग्री और नियम

कांवड़ यात्रा शिव भक्तों के लिए बहुत खास होती है। यह बेहद पुण्यदायी यात्रा है, जिसमें भक्त विभिन्न पवित्र स्थानों जैसे हरिद्वार, गोमुख, देवघर आदि से गंगाजल भरकर पैदल यात्रा करते हुए शिव मंदिरों तक पहुंचते हैं और उस जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

कांवड़ यात्रा पूजा सामग्री

गंगाजल ले जाने के लिए पात्र - यह पीतल, तांबे या प्लास्टिक का पात्र हो सकता है, जिसे सावधानी से ले जाया जाता है।

भगवान शिव की छोटी प्रतिमा या तस्वीर - इसे कांवड़ के साथ रखा जा सकता है।

धूप-बत्ती और माचिस - रास्ते में या पड़ाव पर शिवजी की पूजा के लिए।

कपूर - आरती के लिए।

रुद्राक्ष की माला - जप के लिए।

चंदन, भस्म या गोपी चंदन - शिवजी को लगाने के लिए।

एक छोटा घंटा - आरती या पूजा के समय बजाने के लिए।

फूल - सफेद रंग के फूल।

पूजा की थाली - इन सभी सामग्री को रखने के लिए।

साफ वस्त्र - सफाई के लिए।

कांवड़ यात्रा के नियम

कांवड़ यात्रा के दौरान पूर्ण सात्विकता का पालन करना चाहिए।

यात्रा के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

जब तक आप शिव मंदिर नहीं पहुंच जाते और जलाभिषेक नहीं कर देते, तब तक कांवड़ को सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए। अगर आराम करना है, तो उसे किसी पेड़ पर या किसी साफ स्थान पर टांग दें।

यात्रा के दौरान जोर से बोलना, अपशब्दों का प्रयोग करने से बचें।

पूरी यात्रा के समय शिव भजन और मंत्रों का जप करें।

रास्ते में अन्य कांवड़ यात्रियों की मदद करें और सेवा का भाव रखें।

सफाई का पूरा दें।

यात्रा शुरू करने से पहले भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा और यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लें।

शिव पूजन मंत्र

ॐ नमः शिवाय।।

ॐ नमो भगवते रुद्राय नमः।।

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ और क्या है इसका अर्थ?

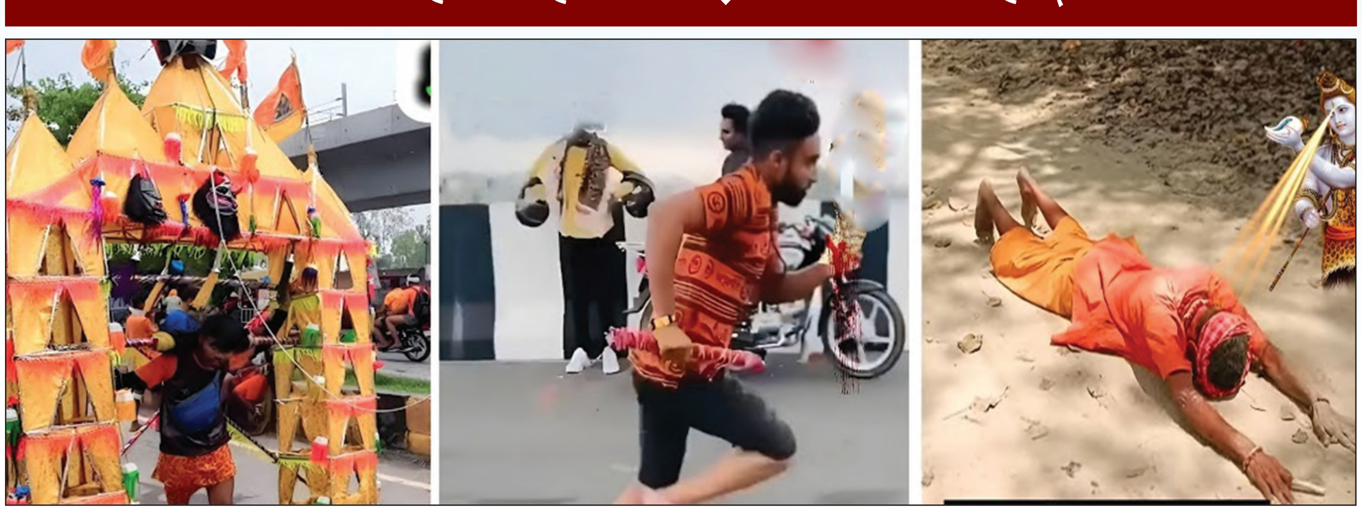

भगवान शिव के प्रसन्न करने का पर्व शुरू हो चुका है। इसके साथ ही उत्तराखंड केसरिया रंग में रंग गया है। हरिद्वार और ऋषिकेश में दूसरे प्रांतों के कांवड़ यात्री पहुंच रहे हैं। वहीं कांवड़ यात्रा के दौरान चार प्रकार से यात्रा की जाती है। इनके लिए कई नियम होते हैं और कांवड़ यात्रियों को कई नामों से जाना जाता है। कंधे पर गंगाजल लेकर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंगों पर जलाभिषेक करने की परंपरा कांवड़ यात्रा कहलाती है। वहीं आनंद रामायण में भी यह उल्लेख किया गया है कि भगवान राम ने भी कांवड़िया बनकर बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया था।

कैसे शुरू हुई कांवड़ यात्रा

पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन से निकले विष को पीने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला हो गया था। विष के प्रभाव को खत्म करने के लिए रावण ने कांवड़ में जल भरकर बागपत स्थित पुरा महादेव में भगवान शिव का जलाभिषेक किया था। तभी से कांवड़ यात्रा की परंपरा शुरू हुई।

कांवड़ का अर्थ

एक मीमांसा के अनुसार क का अर्थ जीव और अ का अर्थ विष्णु है, वर अर्थात जीव और सगुण परमात्मा का उत्तम धाम।

इसी तरह कां का अर्थ जल और आवर का अर्थ उसकी व्यवस्था कहा गया है।

एक अन्य मान्यता के अनुसार भगीरथ के तप से प्रसन्न होकर विष्णु ने गंगा से जब पृथ्वी पर जाने के लिए कहा तो वह अपने इष्ट के पैर छूती हुई पृथ्वी की ओर चल दीं। उनके वेग को धारण करने के लिए भगवान शिव ने अपनी जटाएं खोल दी और गंगा को सिर पर धारण किया। यहां से गंगा सगरपुत्रों के उद्धार के लिए बहने लगीं। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ यात्री वही गंगाजल लेकर शिवालय तक जाते हैं और शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

कांवड़ के एक अन्य अर्थ के अनुसार क अक्षर अग्नि का द्योतक है और आवर का अर्थ ठीक से वरण करना है।

कैसे बनती है कांवड़

कांवड़ बनाने में बांस, फेविकोल, कपड़े, डमरू, फूल-माला, घुंघरू, मंदिर, लोहे का बारीक तार और मजबूत धागे का प्रयोग किया जाता है।

हरिद्वार में कई जगह कांवड़ तैयार की जाती है।

कांवड़ तैयार होने के बाद उसे फूल-माला, घंटी और घुंघरू से सजाया जाता है।

इसके बाद गंगाजल का भार पिटारियों में रखा जाता है।

धूप-दीप जलाकर बम भोले के जयकारों ओर भजनों के साथ कांवड़ यात्री जल भरने आते हैं और भगवान शिव को जला जढ़ाकर प्रसन्न होते हैं।

कांवड़ यात्रियों के लिए नियम

बिना नहाए कांवड़ यात्री कांवड़ को नहीं छूते

तेल, साबुन, कंघी का प्रयोग नहीं करते

यात्रा में शामिल सभी कांवड़ यात्री एक-दूसरे को भोला, भोली कहकर बुलाते हैं

ध्यान रखना होता है कि कांवड़ जमीन से न छूए

डाक कांवड़ यात्रा में शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैं

चार प्रकार से की जाती है यात्रा

सामान्य कांवड़ : यात्री जहां चाहे रुककर आराम कर सकते हैं। लेकिन उन्हें एक खास बात का ध्यान रखना होता है। आराम करने के दौरान कांवड़ जमीन से नहीं छूनी चाहिए। इस दौरान कांवड़ स्टैंड पर रखी जाती है।

डाक कांवड़ : यात्री शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बगैर रुके लगातार चलते रहते हैं। वहीं इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं वर्जित होती हैं।

खड़ी कांवड़ : भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं। उनकी मदद के लिए कोई-न-कोई सहयोगी उनके साथ चलता रहता है।

दांडी कांवड़ : भक्त नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंड देते हुए पूरी करते हैं। यह बेहद मुश्किल यात्रा होती है, जिसमें कई दिन और कभी-कभी एक माह का समय तक लग जाता है।

यह है मान्यता

मान्यता है कि जब समुद्रमंथन के बाद निकले विष पान कर भगवान शिव ने दुनिया की रक्षा की थी। विषपान करने से उनका कंठ नीला पड़ गया था। कहते हैं इसी विष के प्रकोप को कम करने और उसके प्रभाव को ठंडा करने के लिए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया जाता है। इस जलाभिषेक से प्रसन्न होकर भगवाना भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

कांवड़ यात्रा का क्या है इतिहास, किसने की थी इसकी शुरुआत, क्या है इसका रहस्य

सावन का महीना शुरू हो गया है और इसके साथ ही केसरिया कपड़े पहने शिवभक्तों के जत्थे गंगा का पवित्र जल शिवलिंग पर चढ़ाने निकल पड़े हैं। ये जत्थे जिन्हें हम कावड़ियों के नाम से जानते हैं उत्तर भारत में सावन का महीना शुरू होते ही सड़कों पर दिखाई देने लगते हैं।पिछले दो दशकों से कावड़ यात्रा की लोकप्रियता बढ़ी है और अब समाज का उच्च एवं शिक्षित वर्ग भी कावड यात्रा में शामिल होने लगा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कावड़ यात्रा का इतिहास, सबसे पहले कावड़िया कौन थे।

कुछ विद्वानों का मानना है कि सबसे पहले भगवान परशुराम ने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास स्थित पुरा महादेव का कावड़ से गंगाजल लाकर जलाभिषेक किया था।

परशुराम, इस प्रचीन शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए गढ़मुक्तेश्वर से गंगा जी का जल लाए थे। आज भी इस परंपरा का पालन करते हुए सावन के महीने में गढ़मुक्तेश्वर से जल लाकर लाखों लोग 'पुरा महादेव' का जलाभिषेक करते हैं। गढ़मुक्तेश्वर का वर्तमान नाम ब्रजघाट है।

वहीं कुछ विद्वानों का कहना है कि सर्वप्रथम त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने पहली बार कावड़ यात्रा की थी। माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने के क्रम में श्रवण कुमार हिमाचल के ऊना क्षेत्र में थे जहां उनके अंधे माता-पिता ने उनसे मायापुरी यानि हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा प्रकट की। माता-पिता की इस इच्छा को पूरी करने के लिए श्रवण कुमार अपने माता-पिता को कावड़ में बैठा कर हरिद्वार लाए और उन्हें गंगा स्नान कराया. वापसी में वे अपने साथ गंगाजल भी ले गए। इसे ही कावड़ यात्रा की शुरुआत माना जाता है।

भगवान राम ने की थी कावड़ यात्रा की शुरुआत

कुछ मान्यताओं के अनुसार भगवान राम पहले कावडिया थे। उन्होंने बिहार के सुल्तानगंज से कावड़ में गंगाजल भरकर, बाबाधाम में शिवलिंग का जलाभिषेक किया था।

रावण ने की थी इस परंपरा की शुरुआत

पुराणों के अनुसार कावड यात्रा की परंपरा, समुद्र मंथन से जुड़ी है। समुद्र मंथन से निकले विष को पी लेने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। परंतु विष के नकारात्मक प्रभावों ने शिव को घेर लिया।

शिव को विष के नकारात्मक प्रभावों से मुक्त कराने के लिए उनके अनन्य भक्त रावण ने ध्यान किया। तत्-पश्चात कावड़ में जल भरकर रावण ने 'पुरा महादेव' स्थित शिवमंदिर में शिवजी का जल अभिषेक किया। इससे शिवजी विष के नकारात्मक प्रभावों से मुक्त हुए और यहीं से कावड़ यात्रा की परंपरा का प्रारंभ हुआ।

देवताओं ने सर्वप्रथम शिव का किया था जलाभिषेक

कुछ मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन से निकले हलाहल के प्रभावों को दूर करने के लिए देवताओं ने शिव पर पवित्र नदियों का शीतल जल चढ़ाया था। सभी देवता शिवजी पर गंगाजी से जल लाकर अर्पित करने लगे। सावन मास में कावड़ यात्रा का प्रारंभ यहीं से हुआ।

आज से शुरू होने वाला नया सप्ताह, इन 5 राशियों के लिए रहेगा भाग्यशाली

जुलाई का दूसरा सप्ताह शुरू होने वाला है। 7 जुलाई से शुरू होने वाला वीक जुलाई माह का दूसरा वीक होगा।यह सप्ताह इन 5 राशियो के लिए लकी रहेगा। जानते हैं वो कौन-सी राशियां हैं जिनका भाग्योदय होगा।

मेष राशि वालों लिए 7 जुलाई से शुरू होने वाला नया सप्ताह शानदार रहेगा। इस वीक आपके करियर में चमक आएगी। आपका मान-सम्मान और आत्म-सम्मान बढ़ेगा। साथ ही आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। लव रिलेशन में मधुरता आएगी। इस वीक आपका लकी कलर रहेगा लाल और नंबर रहेगा 9।

कर्क राशि वालों के लिए नया वीक शानदार रहेगा। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। नई योजनाएं सफल होंगी और सफलता हाथ लगेगी। इस सप्ताह आपकी हेल्थ भी अच्छी रहेगी। आपका लकी कलर रहेगा सिल्वर और कलर नंबर रहेगा 2।

सिंह राशि वालों के लिए नया वीक पद-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी के संकेत दे सकता है। इस वीक बड़े फैसले लेने के लिए उत्तम सप्ताह रहेगा। आपको निवेश से लाभ हो सकता है।दांपत्य जीवन में सहयोग और सामंजस्य बना रहेगा। आपका लकी कलग रहेगा सुनहरा और लकी नंबर होगा 1।

तुला राशि वालों को इस वीक मानसिक शांति मिलेगी। वहीं प्रोफेशन में आपके काम की सराहना होगी और प्रमोशन के संकेत मिल सकते हैं।रिश्तों में प्रेम और समझ बढ़ेगी। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। लकी कलर रहेगा सफेद और लकी नंबर रहेगा 6।

मकर राशि वालों को इस वीक करियर में नई ऊंचाई छूने के योग बन सकते हैं। आर्थिक रूप से यह सप्ताह मजबूत रहेगा। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में खुशियां और एकजुटता बनी रहेगी। आपका लकी रंग रहेगा नीला और लकी नंबर रहेगा 8।

अल्लाह के बंदे से राम धुन तक, कैलाश खेर ने बिखेरा सुरों का जादू

संगीत की दुनिया में अपनी अनूठी आवाज से जादू बिखेरने वाले पद्मश्री कैलाश खेर का 7 जुलाई को 52वां जन्मदिन है। 7 जुलाई, 1973 को उत्तर प्रदेश के मेरठ में जन्मे कैलाश खेर की जिंदगी किसी प्रेरक कहानी से कम नहीं। गरीबी, असफलताओं और विवादों से जूझते हुए उन्होंने अपनी खूबसूरत आवाज से न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में खास पहचान बनाई। लेकिन, इस शोहरत की राह आसान नहीं थी।

कैलाश खेर का बचपन मेरठ की गलियों में गुजरा, जहां संगीत उनके लिए जीवन का आधार बन गया। उनके पिता पंडित मीजान खेर एक लोक गायक थे, जिनसे कैलाश को संगीत की प्रारंभिक शिक्षा मिली। शास्त्रीय संगीत के दिग्गजों जैसे पंडित कुमार गंधर्व, भीमसेन जोशी, हृदयनाथ मंगेशकर और सूफी बादशाह नुसरत फतेह अली खान से प्रेरित कैलाश ने संगीत को अपनी साधना बनाया। लेकिन, मुंबई की मायानगरी में कदम रखने से पहले उनकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आए, जिन्होंने उन्हें तोड़ने की कोशिश की।

बर्थडे स्पेशल

कैलाश खेर की जिंदगी का एक ऐसा किस्सा है, जिसे सुनकर हर कोई स्तब्ध रह जाता है। शुरुआती दिनों में वह आर्थिक तंगी और असफलताओं से जूझ रहे थे, उन्होंने हताश होकर अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला किया। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद ये हैरत में डालने वाला किस्सा सुनाया था।

एक रात वह ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे पहुंचे और आत्महत्या करने की सोची। लेकिन, जैसा कि वह खुद बताते हैं, वहां वह बच गए, उस एक घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी। कैलाश ने इस घटना को अपनी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इस घटना ने उन्हें जिंदगी में एक बड़ा सबक दे दिया।

साल 2003 में फिल्म अंदाज के गाने रब्बा इश्क ना होवे से कैलाश ने बॉलीवुड में कदम रखा, लेकिन असली पहचान अल्लाह के बंदे से मिली। उनकी आवाज में एक जादुई कशिश है, जो श्रोताओं को सूफी और भक्ति के साथ ही मेलोडी रंग में डुबो देती है। तेरी दीवानी, चांद सिफारिश, सैय्यां, बम लहरी, जय जयकारा, 'दौलत शोहरत और हे राम जैसे गाने उनकी गायकी का लोहा मनवाते हैं।

कैलाश ने साल 2004 में कैलासा नाम से एक बैंड बनाया था और इसी नाम से बैंड का पहला एलबम साल 2006 में रिलीज किया। इसके बाद उन्होंने 'झूमो रे' नाम से दूसरा एलबम निकाला था। फिर साल 2009 में चांदन में नाम से उनका तीसरा एलबम जारी हुआ। अल्लाह के बंदे गाने के लिए उन्हें बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार मिला था।

कैलाश ने न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि क्षेत्रीय सिनेमा में भी अपनी छाप छोड़ी। उनके बैंड कैलासा ने लोक और सूफी संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।कैलाश खेर की जिंदगी जितनी प्रेरणादायक है, उनके साथ कुछ विवाद भी जुड़े। साल 2018 में उन पर अनुचित व्यवहार के आरोप लगे। कैलाश ने इनका खंडन किया और इसे गलतफहमी करार दिया। साल 2009 में कैलाश ने शीतल से शादी की और दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम उन्होंने कबीर खेर रखा है। वह कहते हैं कि उनकी गायकी में भक्ति और सूफियाना अंदाज उनके आध्यात्मिक विश्वासों का नतीजा है। संगीत मेरे लिए इबादत है, प्रार्थना है और मैं इसे अपने ईश्वर को समर्पित करता हूं।

किल के एक साल पूरे, राघव जुयाल बोले

इस फिल्म ने डराया, फिर...

अभिनेता और डांसर राघव जुयाल की एक्शन फिल्म किल के रिलीज को एक साल पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म में राघव खलनायक की भूमिका में थे। फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। एक्टर ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें अभिनय से प्यार करने का मौका दिया।

फिल्म में राघव के शानदार अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। 'किल' में राघव का किरदार उनके पिछले प्रोजेक्ट से बिल्कुल अलग था। उनका शांत, डरावना और रहस्य से भरा एक्टिंग स्किल दर्शकों के लिए नया अनुभव था।

राघव ने किरदार के बारे में बताया, किल ने मुझे एक नया मौका दिया। इस किरदार ने मुझे डराया, लेकिन मुझे अभिनय से फिर से प्यार करने का मौका दिया।

किल ने राघव को एक अभिनेता के रूप में अपनी सीमाओं को तोड़ने का मौका दिया। इस फिल्म ने न केवल दर्शकों का ध्यान खींचा, बल्कि फिल्म निर्माताओं को भी राघव की प्रतिभा पर गौर करने के लिए मजबूर किया। राघव पहले अपनी कॉमेडी और डांस से हंसाते थे, उन्होंने इस बार अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

राघव के लिए यह फिल्म सिर्फ एक नया रास्ता चुनने की बात नहीं थी, बल्कि अपने अभिनय के दायरे को विस्तार देने का मौका था। इसने उन्हें नए और चुनौतीपूर्ण किरदारों को आजमाने की प्रेरणा दी।

राघव ने फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने जीवन के बेफिक्र अंदाज को भी याद किया। उन्होंने बताया कि 'किल' उनके लिए निजी और पेशेवर दोनों तरह से एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए राघव ने 'किल' के बिहाइंड द सीन वीडियो को पोस्ट किया। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, किल के एक साल पूरे। वर्कफ्रंट की बात करें तो राघव जुयाल को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए जाना जाता है।वह डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस 3 में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2 जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे।उन्होंने साल 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा 'सोनाली केबल' से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

प्रीति मुकुंदन

शाल्मली खोलगडे का नया म्यूजिक वीडियो वे यू मूव रिलीज

अनकहे जज्बातों को बयान करता है गाना

प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगडे ने शुक्रवार को अपना नया हिंदी गाना वे यू मूव रिलीज किया है। उन्होंने बताया कि यह गाना प्यार को समर्पित है। गाने में प्यार, पुरानी यादें और आज के दौर के रोमांस को मिलाकर पेश किया गया है। शाल्मली खोलगडे को परेशान, बलम पिचकारी, और 'लत लग गई' जैसे गानों के लिए जाना जाता है।

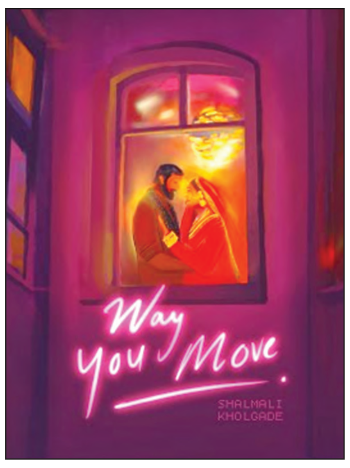

गाने के बारे में बात करते हुए शाल्मली ने कहा, गाना वे यू मूव उस सादे, सच्चे और चुपचाप वाले प्यार के बारे में है जो बिना बोले भी महसूस होता है। यह भावुक कर देने वाला गाना है। इसमें प्यार को बड़े-बड़े शब्दों या दिखावे से नहीं, बल्कि नजरों, इशारों और साथ रहने की एक खास लय से दिखाया गया है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में सेक्रेड गेम्स फेम एक्ट्रेस कुब्रा सैत और एक्टर कुणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आ रही है। वीडियो में भारतीय शादियों के खास पहलुओं को दिखाया गया है। इसे एक घर में शूट किया गया है।

वीडियो में शादी की रस्में दिखाई गई हैं, जैसे हल्दी, मेहंदी की रस्मों में डांस, और दोस्तों के बीच खुशियों का माहौल आदि। इस म्यूजिक वीडियो की कहानी शाल्मली की खुद की लॉकडाउन में हुई छोटी और निजी शादी से थोड़ी प्रेरित है, लेकिन इसकी कहानी हर उस इंसान के लिए है जो सच्चे, जमीन से जुड़े प्यार को समझते हैं। यह वीडियो दिखाता है कि प्यार दिखावे में नहीं, बल्कि सादगी और दिल से जुड़े पलों में होता है।

शाल्मली ने कहा, वे यू आर' भारतीय शादियों के प्यार भरे माहौल को सेलिब्रेट करता है, लेकिन बिना किसी दिखावे के। यह गाना असली जज्बातों के बारे में है, ऐसी नजरें जो बिना कुछ कहे सब कह जाती हैं, आराम जो अपनेपन में महसूस होता है, और रोमांटिक डांस, आदि सभी निजी पलों की याद दिलाएगा। यह गाना दिलों को और भी करीब ला देगा।

मैंने कन्नप्पा के किरदार को छह महीने तक जीया : प्रीति मुकुंदन

अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म कन्नप्पा को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं। एक्ट्रेस ने आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया, जिसमें बताया कि उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार को छह महीने तक जीया और महसूस किया। एक्ट्रेस ने बताया कि इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस का धन्यवाद देते हुए लिखा, कभी-कभी जिंदगी में ऐसा समय आता है जब प्यार हमारे आस-पास होता है और शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन फिर भी जताना जरूरी होता है। पिछले कुछ दिन मेरे लिए बिल्कुल ऐसे ही रहे। जो भी लोग मुझे प्यार, सम्मान और अपनापन भेज रहे हैं, आपको पता नहीं कि आपके ये शब्द मुझे कितना खुश कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने छह महीने तक इस किरदार को जीया और महसूस किया, अपनी कला सीखने की कोशिश की और उस समय की भारी शारीरिक मेहनत को सहा। यह देखकर कि मेरी मेहनत आप तक पहुंची है, हर मुश्किल अब आसान लगती है। जब कोई आपके उस काम को देखता है जो आपके दिल से निकला हो, तो वह खास और खूबसूरत होता है।

प्रीति मुकुंदन ने कहा, मैं एक्टर के तौर पर सिर्फ दो हफ्ते ही सेट पर थी, और हमारे इंडस्ट्री के कुछ बड़े सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव था, खासकर ऐसे समय में, जब मैं अभी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हूं। मैं अब भी उन यादों को सोचकर बहुत खुश होती हूं।

अभिनेत्री ने कहा कि इस सफर में उन्हें कई अच्छे और प्रेरणादायक लोग मिले, जिनके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगी।

उन्होंने आगे कहा, उन सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मेरे लिए यह सब संभव बनाया। आप सभी का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे प्यार दिखाने और मैसेज करने के लिए समय निकाला। मैं बहुत खुश हूं। आप सबको बहुत सारा प्यार।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जी–वनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक़ नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लाप–रवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 जुलाई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 11:12 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 01:12 तक
योग : शुभ रात्रि 10:02 तक
करण : बव प्रातः 10:18 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल रात्रि 01:13 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति में कोताही बर्दाश्त नहीं : भजनलाल

जयपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, शर्मा ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शास्ति प्रक्रिया में सुधार लाने और इसे आवश्यकतानुसार सुसंगत बनाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर रोकथाम के लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। इसके लिए पुलिस, जिला प्रशासन, वन विभाग, परिवहन विभाग तथा खनन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम–सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए। साथ ही, शर्मा ने क्रेशर डस्ट के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विभागीय कार्मिक अपनी जिम्मेदारी का समर्पण भाव से निर्वहन करें तथा राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने विभागीय कार्यों की गुणवत्ता अभिवृद्धि के क्रम में खनन विभाग की रिस्ट्रक्चरिंग करने और लंबे समय से विभाग में पदस्थापित कार्मिकों को स्थानांतरित के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने नए ब्लॉक्स की नीलामी की संभावनाएं तलाशने, डीएमएफटी और एनएमईटी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर इन्हें राजस्थान में लागू करने की संभावना पर कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

गायों की सेवा व सुरक्षा से ही विश्व का कल्याण संभव : पशुपालन मंत्री

जयपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
मानव इस संसार में सबसे अधिक बुद्धिमान प्राणी है। ईश्वर ने विवेक तो मात्र उसे ही प्रदान किया है। प्रभु ने पशुओं में गाय को सर्वोत्तम बनाया है। यदि इस संसार में गाय नहीं होती तो हमारे लिए जीवन यापन–करना बहुत ही कठिन हो जाता। इसलिए गायों की सेवा व सुरक्षा से ही विश्व का कल्याण सम्भव है। यह बात गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सिरोही जिले के शिवगंज कस्बे में श्रीराम कृष्ण गोपाल प्राणी सेवा समिति द्वारा संचालित गौशाला में नवनिर्मित गौ–आवासों में गौमाताओं के प्रवेश कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा है कि गो सेवा पुण्य का कार्य है। गाय एक मां की तरह हमारा पालन पोषण करती है। गाय की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। कुमावत ने यह भी कहा कि गोवंश के संरक्षण के लिए समाज के प्रबुद्ध वर्ग को आगे आना चाहिए। हजारों सालों से हमारी धार्मिक सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था गोवंश पर निर्भर रही है। गाय के दूध के साथ गोमूत्र गोबर अत्यंत उपयोगी है। गाय के दूध में वह शक्ति है जो हमारे शरीर को पुष्ट करने के साथ हमारे मन को भी संस्कारित करता है। गोबर की खाद के प्रयोग से रासायनिक खादों के हानिकारक प्रभावों से बचा जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अपने घर में गाय पालने का आह्वान किया। इसी दौरान कुमावत व अन्य मेहमानों ने पौधारोपण भी किया।

इससे पहले गौशाला समिति की ओर से अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पंचायती राज, ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन विभाग के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर सांसद लुंबाराम चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, गौशाला समिति के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, उपाध्यक्ष जगदीश पुरी गोस्वामी व नरेंद्र कुमार जैन, पशुपालन विभाग, सिरोही के संयुक्त निदेशक अमित चौधरी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरपत सिंह, नगर अध्यक्ष ताराराम, महामंत्री कुंदन राठी, जिलामंत्री पूनम सिंह, पूर्व सभापति प्रत्याशी अनोप सिंह, मंडल अध्यक्ष रविकांत रावल, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश, माणक प्रजापत व महेंद्र माली, सांडेराव मंडल के उपाध्यक्ष शंकर सिंह काकू, लक्ष्मण परिहार, नैनमल सोनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विकसित सड़क तंत्र बनेगा आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का सशक्त माध्यम : जोगाराम पटेल

जयपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर में लूणी के रोहिचा खुर्द में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण के 24 करोड़ 82 लाख 83 हजार रूपये के सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया और जनसभा को संबोधित किया।

पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकरण की दिशा में अनवरत कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा विकसित सड़क तंत्र आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का सशक्त माध्यम बनेगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा इस बजट में प्रदेश में सड़कों के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 6 हजार 870 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए है। उन्होंने कहा 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण से प्रदेश के आर्थिक उन्नति का मार्ग परस्त होगा और आधुनिक सड़क तंत्र से राष्ट्र के संसाधनों की बचत होती हैं।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा सरकार ने पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए वर्षों से लम्बित परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। उन्होंने कहा पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता किया गया है। पटेल ने कहा लिफ्ट कैनाल के तृतीय फेज और जवांई पुनर्भरण परियोजना के पूर्ण होने पर जोधपुर जिले में समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा जल जीवन मिशन की समयावधि 2028 तक के लिए बढ़ा दी गई और जेजेएम के लंबित काम पूरे होने पर हर घर तक नल से जल पहुंचेगा।पटेल ने कहा राजस्थान वर्ष 2027 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा और किसान भाइयों को दिन में बिजली दी जाएगी। उन्होंने कहा 132 केवी के दो और 33 केवी के एक जीएसएस का कार्य पूर्ण होने पर लूणी क्षेत्र में बिजली की समस्या का स्थाई समाधान होगा।

भाजपा सरकार 11 सालों में भी जनता को नहीं दे पाई मूलभूत सुविधाएं : सैलजा

सिरसा, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि धरातल पर विकास कार्य न होने के लिए इतने अधिकारी जिम्मेदार नहीं है जितनी सरकार है क्योंकि सरकार इस बात की निगरानी नहीं करती और न ही सोचती है कि उसकी योजनाओं का लाभ सबसे नीचे वाले व्यक्ति तक क्यों नहीं पहुंच रहा है, क्या नीतियों में कुछ कमी है, अगर अधिकारी इसमें लापरवाही बरत रहे है तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। ये भाजपा की सरकार 11 सालों में लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं करवा पाई। सांसद कुमारी सैलजा ने पिछले तीन दिनों में सिरसा, फतेहाबाद और जींद जिला का दौरा कर जन समस्याएं सुनी और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ली। तीन दिवसीय दौरे के बाद मीडिया को जारी बयान में सांसद सैलजा ने कहा कि इन तीनों जिलों में जल समस्याएं सुनने के दौरान लगभग हर गांव में पीने की पानी की समस्याएं सबसे ज्यादा आई, लोग पानी खरीदने को मजबूर है, जहां पर जलघर बनाए गए है वहां पर अभी तक पाइप लाइन तक नहीं डाली गई है, जलघर की डिग्गियों में पानी तक नहीं है। इसके बाद दूसरी सबसे बड़ी समस्या बिजली आपूर्ति को लेकर आई, हर जगह एक ही बात सामने आई कि बिजली आपूर्ति का कोई समय तक नहीं है अघोषित कट से जनता परेशान है, इसके चलते जल संकट भी गहराया हुआ है। स्कूलों की समस्याएं भी उनके समक्ष रखी गई, गर्मी में न तो पंखों की व्यवस्था है, बच्चे है तो स्टाफ पूरा नहीं है, सफाईकर्मियों की कमी से शौचालयों की दुर्दशा हो रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गांवों में जो गांव मनरेगा के तहत करवाए जा सकते थे, पार्टी बाजी के चलते कुछ नहीं किया जा रहा है, गरीबों को जो हक मिलना चाहिए था वह नहीं दिया जा रहा है, हक गरीबों में खुद सरकार ही नहीं पहुचने दे रही है। महंगाई कम करने के दावे तो किए जा रहे है पर बाजार में वस्तुओं की कीमतें कम होने के बजाए बढ़ रही है यहां तक दुगनी हो गई है। सरकार खुद महंगाई बढ़ाने में लगी है बीपीएल कार्ड धारकों को 20 रुपये दो लीटर दिया जाने वाला सरसों का तेल 100 रुपये तक कर दिया यहां सरकार अब गरीबों को भी लूटने में लग गई।

स्कूली बच्चों के लिए राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता 12 अगस्त को

चंडीगढ़, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
हरियाणा सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा स्कूली बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त, 2025 को पंचकूला के यवनिका गार्डन, सेक्टर–5 में किया जाएगा।

एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में 6 से 10 वर्ष तक के बच्चों को स्टोरी टेलिंग विषय पर पेंटिंग बनानी होगी, जबकि दूसरी श्रेणी में 11 से 16 वर्ष के प्रतिभागियों को माई विजन विषय पर चित्र बनाना होगा।

दोनों श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार के रूप में 7100, द्वितीय पुरस्कार 5100 तथा तृतीय पुरस्कार 2100 निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। साथ ही, प्रतियोगिता में सर्वाधिक भागीदारी वाले विद्यालय को भी सम्मानित किया जाएगा।

संसद भ्रमण के साथ राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन सम्पन्न

गुरुग्राम, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
हरियाणा विधानसभा की मेजबानी में गुरुग्राम में सम्पन्न हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देश भर के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों ने शुक्रवार शाम देश की राजधानी नई दिल्ली पहुंच नई और पुरानी संसद का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने म्यूजियम देखा और सेंट्रल हॉल में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण एवं उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा भी मौजूद रहे। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आयोजन की ज़िम्मेदारी हरियाणा विधानसभा को देने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का जताया आभार। साथ ही राष्ट्रीय शहरी निकाय सम्मेलन की बेहतरीन व्यवस्था के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व सरकार की प्रशंसा की। कल्याण ने अच्छी व्यवस्थाओं के लिए ज़िला प्रशासन, शहरी निकाय विभाग, पुलिस विभाग, सूचना एवं जन संपर्क विभाग व हरियाणा विधानसभा के अधिकारियों व कर्मचारियों की मेहनत को भी सराहा।संसद भवन पहुंचे शहरी निकाय अध्यक्षों ने गुरुग्राम में हुए दो दिवसीय सम्मेलन जैसे आयोजन भविष्य में भी किए जाने का अनुरोध किया। देश में पहली बार ऐसा राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन करवाने के लिए उन्होंने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष का भी विशेष रूप से आभार जताया और सम्मेलन में ग्रहण किए गए अनुभव साझा किए। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उक्त प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे यहां से अपने क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद करने और उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प लेकर जाएं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी प्रतिनिधियों का ऐतिहासिक संविधान सदन में पहुंचने पर आभार जताते हुए कहा कि स्वतन्त्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के बलिदान की बदौलत ही इस सदन का हस्तांतरण भारत की जनता को हुआ है।

पंचायती राज, सहकारी संस्थाओं, युवा और महिला आधारित सम्मेलनों की राह आसान : कल्याण

चंडीगढ़, 06 जुलाई (एजेंसियां)।
देशभर के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन अनेक सुनहरी यादें छोड़ गया। हरियाणा विधान सभा की मेजबानी व हरियाणा सरकार के सहयोग से गुरुग्राम में संपन्न हुए इस सम्मेलन में देश भर के विकास में अग्रणी शहरी स्थानीय निकायों द्वारा प्रस्तुत किए गए विकास के मॉडल पर चर्चा की गई। इस चर्चा में 2047 में विकसित भारत के योगदान में शहरी निकायों की भूमिका बढ़ाने और उनके योगदान को लेकर संकल्प लिया गया। सम्मेलन में शहरी स्थानीय निकायों में विकास का इंजन बनने में महिलाओं की सशक्त भूमिका पर भी चर्चा की गई। इन विषयों पर जहां अनेक दिग्गजों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ वहीं हरियाणा की सांस्कृतिक छटा ने भी अनेक रंग बिखेरे। सम्मेलन में भाग लेने वाला प्रत्येक शख्स हरियाणा विधान सभा की ओर से की गई मेजबानी का मुरीद नजर आया। सम्मेलन से भविष्य में पंचायती राज संस्थाओं, सहकारी संस्थाओं, युवा

और महिलाओं की सहभागिता पर आधारित सम्मेलनों की राह भी आसान हो गई है।सम्मेलन के पहले दिन 3 जुलाई को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि शहरी निकाय जनप्रतिनिधि सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कदम बढ़ाएं तो वे निश्चित तौर पर शहरी क्षेत्र में ऊर्जावान बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश को नई दिशा देने में राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई के रूप में कार्य कर रही शहरी निकाय मजबूती से अब आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि आज हम उज्ज्वल भविष्य के साथ भारत की लोकतांत्रिक संस्था को मजबूत करने के लिए कैसे आगे बढ़ें इसी सोच को चरितार्थ करने के लिए यह सम्मेलन कर रहे हैं।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि शहरी शासन, स्थानीय निकायों की गुणवत्ता का सीधा रिश्ता आम जनजीवन से होता है। आम जन के जीवन को आसान बनाने और विकसित करने में इनकी भूमिका अहम होती है। उपसभापति ने जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए नागरिक शासन के महत्व पर बात की।

सम्मेलन के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं की तरह शहरी स्थानीय निकायों में भी हाउस के सेशन होने चाहिए जिसे कोई लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की तरह चयनित कोई व्यक्ति चलाए। इससे निष्पक्ष तौर पर काम करने की कार्य पद्धति बनेगी।

उन्होंने कहा कि कैपिसिटी बिल्डिंग में इस तरह के सम्मेलन का अहम योगदान रहता है। सम्मेलन में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कचरा प्रबंधन में उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए वेस्ट टू वेल्थ की नीति को अपनाने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि इससे न केवल स्वच्छता अभियान को नई दिशा मिलेगी, बल्कि शहरी स्थानीय निकायों के आर्थिक संसाधनों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

चिक्कमगलूरु, चित्रदुर्ग के कुछ हिस्सों को लाभ पहुंचाने वाली जल परियोजना से दावणगेरे के किसान नाराज

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अंतर-जिला जल विवाद के एक और मामले में, भद्रा नहर आउटलेट से चिक्कमगलूरु और चित्रदुर्ग जिलों के गांवों और कस्बों के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराने की परियोजना ने जलाशय के मौजूदा लाभार्थियों के बीच अशांति पैदा कर दी है। किसान चिंतित हैं कि जलाशय के पास दाहिने किनारे की नहर के आउटलेट से अंतिम छोर के किसानों को पर्याप्त पानी की आपूर्ति बाधित हो सकती है। भद्रा जलाशय परियोजना के तहत नवीनतम पहल में, राज्य सरकार ने होसदुर्ग शहर के अलावा चिक्कमगलूरु तालुक के 146 गांवों, तारिकेरे की 156 बस्तियों, कदुर की 434 ग्रामीण बस्तियों, होसदुर्ग (चित्रदुर्ग जिले) के 346 गांवों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए काम शुरू किया है। इस परियोजना को मई, 2022 में मंजूरी दी गई थी। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1,829.93 करोड़ है। तुमकुरु जिले में हेमावती नदी लिंक नहर परियोजना को लेकर भी इसी तरह का अंतर-जिला विवाद सामने आया है, जिसमें तुमकुरु के किसानों ने विपक्षी नेताओं के समर्थन से कांग्रेस सरकार पर बेंगलूरु दक्षिण जिले के तालुकों में पानी मोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। भद्रा जलाशय परियोजना का उद्देश्य कुल मिलाकर चिक्कमगलूरु, शिवमोग्गा और दावणगेरे जिलों में फैले 1.05 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की सिंचाई करना है। दायाँ तट नहर, जो लगभग 103 किलोमीटर लंबी है, जलाशय से दावणगेरे जिले के कुछ हिस्सों में पानी ले जाती है। पेयजल परियोजना के डिजाइन के अनुसार, तारिकेरे तालुक के लक्कवल्ली में स्थित जलाशय के पास दाएँ तट नहर के एक आउटलेट से पानी निकाला जाएगा। दावणगेरे के किसान संगठनों और राजनेताओं ने इस पर आपत्ति जताई है, उनका दावा है कि नहर के दाहिने किनारे पर आउटलेट बनने से जरूरतमंद किसानों को पानी नहीं मिल पाएगा। वे चिंतित हैं, क्योंकि हरपनहल्ली क्षेत्र के अंतिम छोर के किसान पहले से ही पर्याप्त पानी के बिना परेशान हैं। उनका तर्क है कि नई पेयजल परियोजना से अंतिम छोर के किसानों की समस्याएं और बढ़ जाएंगी। पूर्व मंत्री एम.पी. रेणुकाचार्य, हरिहर विधायक बी.पी. हरीश, कर्नाटक राज्य रायता संघ के नेता के.टी. गंगाधर और अन्य ने परियोजना का विरोध किया है। उनका तर्क है कि वे पेयजल परियोजना के खिलाफ नहीं हैं। हालांकि, परियोजना से नहर पर निर्भर किसानों को नुकसान नहीं होना चाहिए। भद्रा जलाशय की कुल क्षमता 71.535 टीएमसी है। पेयजल के लिए 7.5 टीएमसी आवंटित किया गया है। इस आवंटन का उपयोग करते हुए, आरडीपीआर ने नई परियोजना पर काम किया है। किसानों के विरोध के बाद 23 जून को भद्रा परियोजना के अधीक्षण अभियंता के कार्यालय में योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर की अध्यक्षता में बैठक हुई, जो चित्रदुर्ग जिले के प्रभारी भी हैं। बैठक में चिक्कमगलूरु, चित्रदुर्ग और दावणगेरे के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। मंत्री और अधिकारियों ने दावणगेरे के विधायकों को यह कहते हुए समझाने की कोशिश की कि किसानों को इससे कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि परियोजना में जलाशय से अतिरिक्त रूप से छोड़े जाने वाले 30 क्यूसेक पानी का ही उपयोग किया जाएगा। हालांकि, डिजाइन का विरोध करने वालों ने मौजूदा नहर के आउटलेट के बजाय पेयजल परियोजना के लिए अलग से एक जलसेतु बनाने की बात कही। उन्होंने आउटलेट के निर्माण से नहर की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। बैठक में डिजाइन और नहर पर इसके प्रभाव पर बेंगलूरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों से तकनीकी राय लेने के निर्णय के साथ काम बंद रहेगा। तब तक काम बंद रहेगा। इस बीच, दावणगेरे जिले के किसानों और राजनीतिक नेताओं ने परियोजना के डिजाइन को बदलने के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है।

सीएम सिद्धरामैया को जल्द ही दिल्ली भेजा जाएगा: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा सिद्धरामैया को राष्ट्रीय राजनीति में भेजने के लिए कांग्रेस में मंच तैयार हो चुका है और उन्हें निश्चित रूप से दिल्ली भेजा जाएगा। रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सिद्धरामैया से इस्तीफा मांगने की जमीन तैयार कर ली है। उन्होंने कुछ दिन पहले राज्य का दौरा कर कांग्रेस विधायकों की राय ली थी। कांग्रेस विधायकों को सिद्धरामैया पर भरोसा नहीं है। विजयेंद्र ने कहा मैं पिछले डेढ़ साल से भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के तौर पर पार्टी को संगठित कर रहा हूं। मुझे इस पद पर बनाए रखना या हटाना पार्टी हाईकमान पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, 'पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के तौर पर मैं राज्य की कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी लड़ाई लड़ रहा हूं। पार्टी कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता इससे संतुष्ट हैं। इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि वे मुझे अध्यक्ष पद पर बनाए रखेंगे।

महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण कृष्णा नदी का जल स्तर बढ़ने के बाद अलर्ट जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अधिकारियों ने रविवार को मछुआरों और किसानों को चेतावनी जारी की है कि वे महाराष्ट्र के जलाशयों से पानी छोड़े जाने के कारण कृष्णा नदी या उसकी सहायक नदियों में न जाएं। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण, इसके जलाशयों से पानी छोड़ा जाना बढ़कर 1.045 क्यूसेक हो गया है, जिससे कृष्णा और सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ जाएगा। रविवार दोपहर तक, अलमट्टी में कृष्णा पर लाल बहादुर शास्त्री जलाशय में जलप्रवाह बढ़ गया। इसने अधिकारियों को कृष्णा से बहिर्वाह को बढ़ाकर लगभग 1.15 लाख क्यूसेक करने के लिए मजबूर किया है।

इससे न केवल नदी और चैनलों के निचले इलाकों में जलस्तर बढ़ेगा, बल्कि बसवा सागर बांध में भी जलप्रवाह बढ़ेगा। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने राजस्व और पंचायत राज और शहरी विकास अधिकारियों से विभिन्न जिलों में नदी तटवर्ती गांवों और कस्बों के निवासियों को सतर्क करने का अनुरोध किया है।

केएसआरटीसी ने जनता के विरोध के बाद राउंड-ऑफ किराया नीति वापस ली

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
छपे हुए किराए के बावजूद यात्री से अधिक पैसे लेने को लेकर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक आलोचना के बाद, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने कुछ प्रीमियम बस सेवाओं के लिए अपनी राउंड-ऑफ किराया नीति वापस ले ली है। यह घटना 2 जुलाई को हुई, जब एक यात्री उप्पिनंगडी से अलंकारू जाने वाली केएसआरटीसी स्लीपर बस में चढ़ा।

हालांकि छपे हुए टिकट का किराया 46 रुपये था, लेकिन कंडक्टर ने 50 रुपये वसूले। टिकट की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई, जिसने पूर्व मंत्री सुरेश कुमार का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने परिवहन मंत्री और संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण जारी करने का आग्रह किया। विसंगति पर आलोचना बढ़ने पर, केएसआरटीसी ने एक बयान जारी किया और अपने पिछले राउंड-ऑफ किराया निर्देश को रद्द कर दिया। राउंड-ऑफ किराया प्रणाली 2016 में शुरू की गई थी और केवल चुनिंदा प्रीमियम बसों पर लागू थी – कुल मिलाकर लगभग 400 – जिसमें राजहंसा, वोल्वो और स्लीपर बसें शामिल थीं। नीति ने कंडक्टरों को किराए को पाँच के निकटतम गुणक में पूर्णांकित करने की अनुमति दी, मुख्य रूप से अवतार काउंटरों और आईटीएम (एकीकृत टिकटिंग मशीनों) पर सिक्कों को संभालने में कठिनाइयों के कारण। उदाहरण के लिए, यदि वास्तविक किराया 36 रुपये था, तो 40 रुपये वसूले जा सकते थे। यदि यह 41 रुपये था, तो 45 रुपये वसूले जा सकते थे, जिसमें टिकट पर ही पूर्णांकित राशि का उल्लेख किया जाता था। यूपीआई भुगतान प्रणालियों का समर्थन करने वाली उन्नत पीओएस और आईटीएम मशीनों की शुरूआत के साथ, किराए को पूर्णांकित करने की आवश्यकता अब नहीं रही। इसका हवाला देते हुए, केएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक अकरम पाशा ने एक परिपत्र जारी किया जिसमें कहा गया कि राउंड-ऑफ किराया नीति को आधिकारिक तौर पर वापस ले लिया गया है और इस प्रथा को बंद कर दिया गया है।

भाजपा विधायक के बेटे पर गोकक मंदिर मेले में हवा में बंदूक चलाने का मामला दर्ज

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली के बेटे संतोष जारकीहोली पर एक वीडियो सामने आने के बाद मामला दर्ज किया गया है, जिसमें उन्हें गोकक में एक मंदिर मेले के दौरान हवा में बंदूक चलाते हुए दिखाया गया है। यह घटना कथित तौर पर बेलगावी जिले के गोकक शहर में लक्ष्मी देवी मंदिर उत्सव के दौरान शनिवार को हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में संतोष भीड़ के बीच हवा में गोली चलाकर जश्न मनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद, गोकक टाउन पुलिस ने शनिवार को संतोष जारकीहोली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। आरोप एक सार्वजनिक सभा में अवैध रूप से बंदूक का इस्तेमाल करने से संबंधित हैं। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने मामले की पारदर्शी जांच का आश्वासन देते हुए कहा एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई है और उसके अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस किसी भी तरह के दबाव में आए बिना अपना कर्तव्य निभाएगी। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि संतोष को जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

लड़कियों को दूसरे राज्य में बेचने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार कई जिलों में सक्रिय था मानव तस्करी गिरोह

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में लड़कियों की तस्करी के बढ़ते मामलों के बीच पुलिस ने एक अंतरराज्यीय मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश कर पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह पटना, भोजपुर और सासाराम में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था और लड़कियों को मध्य प्रदेश तथा राजस्थान जैसे राज्यों में बेचने का काम कर रहा था। ताजा कार्रवाई में मुख्य आरोपी महिला को भोजपुर के आरा से गिरफ्तार किया गया है, जो लंबे समय से इस अवैध धंधे में संलिप्त थी।

इससे पहले भी इसी मामले में पुलिस गिरोह के अन्य पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस की सघन जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि गिरोह ने अब तक कई नाबालिग लड़कियों को फंसाकर अन्य राज्यों में बेच दिया है।

पश्चिमी सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि 19 मई को एक नाबालिग लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान जब पुलिस ने टेक्निकल और मैनुअल दोनों स्तर पर तहकीकात शुरू की, तो पता चला कि मामला केवल गुमशुदगी का नहीं बल्कि व्यवस्थित मानव तस्करी रैकेट का है।

पुलिस को जानकारी मिली कि गिरफ्तार महिला बिंदा कुंवर ने नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर जबरन शादी करवा दी थी। पूछताछ में उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने दो अन्य नाबालिग लड़कियों को मध्य प्रदेश और राजस्थान में बेच दिया था।

एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि यह तस्करी गिरोह बिहार के अलग-अलग जिलों में फैला है और राजस्थान व मध्य प्रदेश के दलालों से सीधा संपर्क बनाए हुए है। गिरोह लड़कियों को झूठे वादों, प्रेमजाल या आर्थिक लालच में फंसा कर दूसरे राज्यों में बेचता है। पुलिस ने गिरोह के मोबाइल रिकॉर्ड्स, कॉल डिटेल्स और लोकेशन ट्रैकिंग के जरिए अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है। राज्यों की पुलिस से संपर्क कर तस्करी के चैनल को तोड़ने की कोशिश की जा रही है।

इससे पहले उपेंद्र कुमार उर्फ रवि रंजन कुमार और अजय कुमार गुप्ता (दोनों रोहतास), गौरव गोयल और कपिल गुप्ता (श्योपुर, मध्य प्रदेश) तथा पूजा (पति सुरदर्शन पासवान, निवासी वरनी, थाना चरपोखरी, भोजपुर) को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। ये सभी इस तस्करी गिरोह के प्रमुख सदस्य थे और अब बिंदा कुंवर की गिरफ्तारी से मामला और भी स्पष्ट हो गया है।

हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच पर भीषण सड़क हादसा, दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में एक की मौत

वैशाली (एजेंसियां)।
वैशाली में हाजीपुर-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर रविवार को काजीपुर थाना क्षेत्र के तेलिया सराय के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब रॉन्ग साइड से आ रही बाइक ने सामने से आ रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मोटरसाइकिलें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और तीनों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दो की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों

को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, घायलों में एक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के पानापुर लंगा निवासी विष्णु चौधरी के पुत्र सुबोध चौधरी (45) के रूप में हुई है। सुबोध अपने रिश्तेदार के साथ लड़का देखने के लिए लालगंज जा रहे थे और रॉन्ग साइड से बाइक चला रहे थे। दूसरे घायल की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के हरपुर निवासी राजू चौधरी के पुत्र धर्मेंद्र चौधरी (40) के रूप में हुई है। बताया गया है कि सुबोध और धर्मेंद्र फुफेरा-ममेरा भाई हैं और एक ही बाइक पर सवार होकर लालगंज जा रहे थे।

वहीं, हादसे में मृत युवक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मृतक मधुबनी जिले का निवासी हो सकता है। पहचान सुनिश्चित करने के लिए मधुबनी पुलिस से संपर्क किया गया है और मृतक के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया चल रही है।

हादसे की सूचना मिलते ही काजीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने पुष्टि की कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान और परिजनों तक सूचना पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि रॉन्ग साइड से बाइक चलाना हादसे का प्रमुख कारण रहा, जिससे यह दुर्घटना हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com